ISSN 2349-6614

मार्च, 2018

मूल्य : 25 ₹

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

महाघोटाला

दो रसूखदार व्यापारी

डकार गए बैंकों का 150 अरब रूपया

एक देश छोड़ भागा, दूसरा सींखचों के पीछे

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 16 अंक 1 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

Go for an Exclusive Marble

ARAVALI ONYX

Only at Aravali

ARAVALI GROUP

ARAVALI

Minerals & Chemical Industries Pvt. Ltd.

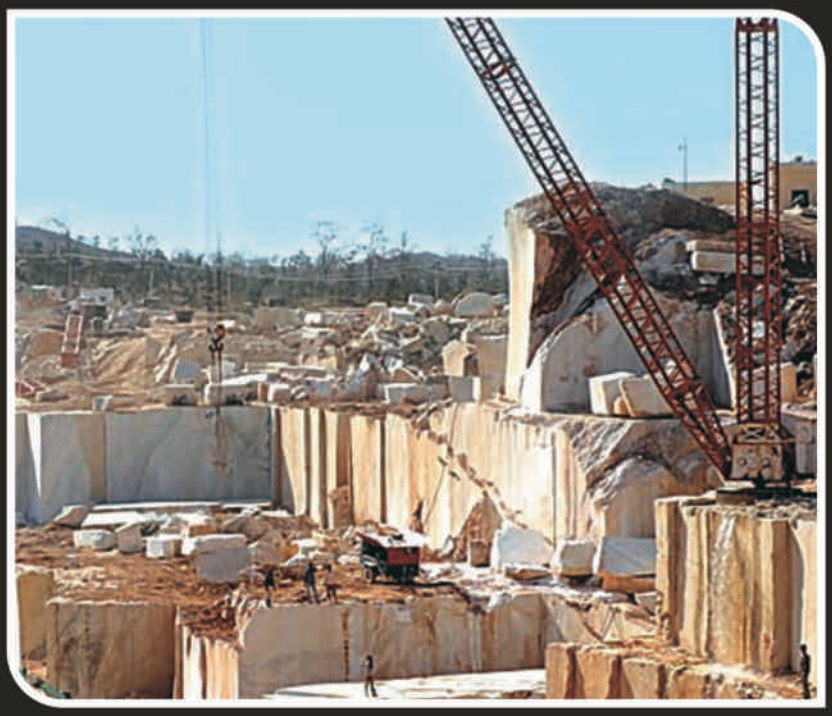

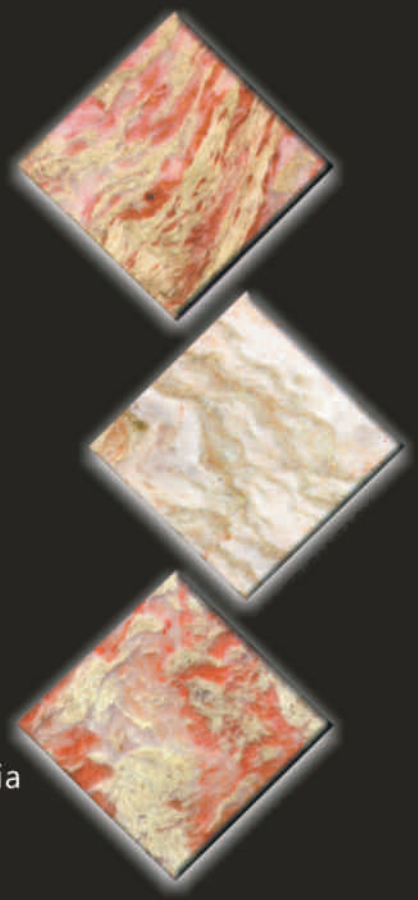

B-132, Mewar Industrial Area, Madri, Udaipur (Raj.) India
Tel. : 91-294-2490675, 2491357
Fax : 91-294-2491675
E-mail : aravali1975@gmail.com, info@indianonyx.com

पाठकों एवं विज्ञापनदाताओं को होली के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

Supreme Designs
कम्प्यूटर ग्राफिक्स विकास सुहालका

मुद्रक पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि.
गुलाब बाग रोड, उदयपुर (राज.) फोन : 2418482, 2410659

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313001

मार्च
2018
वर्ष 16, अंक 1

प्रत्यूष

मूल्य 25 ₹
वार्षिक 300 ₹

अन्दर के पृष्ठों पर...

06 राजस्थान उपचुनाव

सत्ता की खिसकी जमीन

08 बैंक घोटाला

देश को अरबों का चूना

14 उत्तरप्रदेश

'रिश्वत की पाठशाला' पर बुलडोज़र

20 पड़ोस

खालिदा को 5 साल की कैद

36 खेत-खलिहान

'धरती पुत्र' की मानी तो...

कार्यालय पता : 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष : 0294-2427616, 2414933, 2413477, 2100408-09, फेक्स : 0294-2525499
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
visit us at : www.pratyushpatrika.com, E-mail : pankajkumarsharrma@pratyushpatrika.com
pankajkumarsharma2013@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबु जो आपके जीवन में लायें खुशहाली

250 Products Available

चेतक घोड़ा ® CHETAK HORSE

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana®
Agarbatti

EXPORT QUALITY Since 1947 AGARBATTI

Registered Office :

ARCHANA AGARBATTI
NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

Mob. : +91-77268 51913

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

विदाई का परिदृश्य तो नहीं?

चारों ओर से नाराजगी और नाकामियों का ठीकरा अपने सिर फुड़वाने और तीन उपचुनाव में करारी हार से दिल्ली में अपने पार्टी नेताओं की नींद उड़ाने वाली राजस्थान की वसुंधरा सरकार के पिछले कार्यकाल को लेकर लोकायुक्त द्वारा राज्यपाल को हाल ही सौंपी गई रिपोर्ट और चुनावी साल के बजट में भी आम आदमी के लिए राहत की गुंजाइश न होने से तो लगता है कि दिसम्बर 2018 के विधानसभा चुनाव में विदाई की पटकथा खुद अपने हाथों भाजपा ने लिख दी है। लोकायुक्त एस. एस. कोठारी ने 7 फरवरी को राज्यपाल कल्याण सिंह को जो रिपोर्ट दी, उसमें भाजपा के पिछले शासन (वर्ष 2004 से 2008) के दौरान 381 मामलों में हुई गड़बड़ियों का खुलासा किया गया है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस की पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार ने प्रकरणों की जांच के लिए पूर्व न्यायाधीश ए. एन. माथुर की अध्यक्षता में आयोग गठित भी किया था, पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा एक याचिका पर आदेश के बाद मामलों को लोकायुक्त की जांच के दायरे में लाया गया। राज्यपाल को सौंपी गई 757 पृष्ठ की रिपोर्ट में भाजपा के पिछले शासन में 20.38 करोड़ से अधिक की स्टाम्प ड्यूटी सहित अन्य प्रकार के शुल्क का नुकसान पहुंचाए जाने का खुलासा किया गया है। यहां यह उल्लेख करना भी जरूरी है कि लोकायुक्त की दखल के बाद दो दर्जन से अधिक लोकसेवकों के विरूद्ध सरकार को कार्रवाई के लिए विवश होना पड़ा। इसके अलावा 27 प्रकरणों में अदालत या पुलिस के माध्यम से कार्यवाही शुरू की गई। ये सारे मामले भू आवंटन, भू रूपान्तरण सहित ऐसे मुद्दों से जुड़े थे, जिनमें भ्रष्टाचार की व्यापक संभावनाएं परिलक्षित हुईं।

इन तमाम प्रकरणों में जिनको लाभ पहुंचाने की कोशिश हुई, स्पष्ट है वे सरकार में बैठे लोगों से ज्यादा दूर नहीं रहे होंगे। आश्चर्य तो यह है कि वसुंधरा सरकार ने शासन की दूसरी पारी में भी पिछली गलतियों से कोई सबक नहीं लिया। जिन अफसरों व मंत्रियों के माध्यम से अपने चेहेतों को इस बार भी लाभ देने की कोशिश की गई, उन्हें बचाने के लिए 'विधानसभा' में 23 अक्टूबर, 2017 को वह विधेयक पेश कर दिया, जिसे सितम्बर में वह अध्यादेश के रूप में थोप चुकी थी। इसमें जज, मजिस्ट्रेट एवं लोकसेवकों के खिलाफ परिवाद या प्रसंज्ञान, पुलिस जांच या मामले की मीडिया रिपोर्टिंग से पूर्व राज्य सरकार से मंजूरी को आवश्यक बना दिया गया। इसके लिए अध्यादेश में आईपीसी की धारा 220 में 228बी जोड़कर प्रावधान किया गया कि सीआरपीसी की धारा 156(3) और 190(1सी) के विपरीत कार्य किया गया तो दो साल जेल एवं जुर्माने की सजा दी जाएगी। गृहमंत्री द्वारा विधानसभा में अध्यादेश को कानून बनाने की स्वीकृति प्राप्त करने के लिए जब रखा गया तो सदन ही नहीं सम्पूर्ण प्रदेश में सरकार की खूब फजीती हुई। तब भी अहंकार में डूबी सरकार ने लोकतंत्र विरोधी इस 'काला कानून' को वापस लेने की बजाय उसे सदन की प्रवर समिति को पुनर्विचार के लिए सौंप दिया। अपने अस्तित्व की दस्तक देते रहने वाले 'काला कानून' के चौतरफा विरोध और उपचुनावों में हार के चलते अन्ततः 19 फरवरी को इसे वापस लेने की विधानसभा में घोषणा के लिए सरकार को मजबूर होना पड़ा।

राज्यपाल को सौंपी गई रिपोर्ट पर हम फिर से बात करते हैं - सन् 2008 में भाजपा की पराजय के बाद जब अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री का पद संभाला, तब सबसे पहला काम उनकी सरकार ने किया वह था, पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के अंतिम दिनों के 1828 कामों और फैसलों प्रकरणों को जांच के लिए चिन्हित करना, जिनमें राज्यपाल को सौंपी गई रिपोर्ट में उल्लेखित 381 प्रकरण भी शामिल हैं। इस रिपोर्ट में इन प्रकरणों पर की गई कार्यवाही का ब्यौरा भी दिया गया है।

राज्य में लोकसभा और विधानसभा की तीन सीटों पर इसी साल जनवरी के अन्तिम सप्ताह में हुए चुनाव परिणाम साफ इशारा करते हैं कि आपाधापी और अहंकार त्याग कर जन भावनाओं को नहीं समझा गया तो वसुंधरा राजे और न ही अमित शाह का कुछ बिगड़ने वाला है। जो दीर्घकालीन नुकसान होगा, वह पार्टी का ही होगा। अजमेर और अलवर लोकसभा तथा मांडलगढ़ विधानसभा सीटों के उपचुनाव में कांग्रेस वोटों के भारी अन्तर से तीनों सीटें छीनकर अगले चुनावों में सत्ता की दावेदारी की भूमिका में आ गई है। उपचुनाव में मिली जीत ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया है। राहुल गांधी को पार्टी का अध्यक्ष बनते ही जीत का यह तोहफा निश्चित रूप से बहुत भाया होगा। अब यह उन पर निर्भर करता है कि वे इस गढ़ को जीतने के लिए किन पर भरोसा करते हैं और कैसी रणनीति अपनाते हैं। मोदीजी यदि 'न्यू इंडिया' का अपना का सपना साकार करने के लिए 2019 के चुनावों में वापसी चाहते हैं तो अपने मुख्यमंत्रियों की नाकामियों को बहुत गंभीरता से लेना होगा। हरियाणा, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि भाजपा शासित राज्यों में भी स्थितियों का संकेत हाल-फिलहाल उनके अनुकूल नहीं है।

सत्ता के अहंकार और नौकरशाही की नाकामी से खिसकी ज़मीन

उपचुनाव में भाजपा की जबर्दस्त हार, कांग्रेस को संजीवनी

राजस्थान की दो लोकसभा व एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की हार से नेतृत्व में सरगर्मियां बढ़ गई हैं, लेकिन हालात से निजात का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा। आलाकमान चाहता है कि राज्य हाथ से निकल जाए उससे पूर्व कुछ करना जरूरी है, लेकिन क्या, यह उसकी समझ से भी बाहर है। चुनाव परिणाम आते ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने बीकानेर से सांसद और केन्द्र में वित्त राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल से एक घंटे तक गुप्त बैठक भी की थी। इसके फौरन बाद मुख्यमंत्री के निकटवर्ती सूत्रों ने भी नेतृत्व को संकेत कर दिया कि 'परिवर्तन के प्रयासों को हल्के में नहीं लेकर जवाबी कार्यवाही की जाएगी।' इसके बाद बात आगे नहीं बढ़ी। अब आलाकमान पुरानी बाजी पर ही दांव लगता है, या फिर कुछ और .....

– उमेश शर्मा

राज्य में अजमेर व अलवर लोकसभा तथा मांडलगढ़ विधानसभा सीट के उपचुनाव ने मानसिक हताशा के दौर में कांग्रेस को संजीवनी प्रदान कर दी है। इन चुनावों ने संकेत कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी को 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा भूलना होगा, क्योंकि जनता के दिलोदिमाग में उनकी पार्टी भी बेदाग नहीं है। ये तीनों ही सीटें सत्तारूढ़ भाजपा के पास थीं। जिन्हें छीनकर कांग्रेस ने साबित कर दिया कि उसका जनाधार आज भी कायम है। इस जीत से कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं का उत्साह और प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट का कद बढ़ गया है। जबकि मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के लिए ये हार उनके राजनैतिक भविष्य की दृष्टि से खतरे की चेतावनी है। इस सरकार में ये आठवां उपचुनाव है, जिनमें 6 में कांग्रेस जीती। हार का मुख्य कारण सत्ता का अहंकार और नौकरशाही के कामकाज की शैली को ही माना जा रहा है। सन् 2013 में मिली बम्पर जीत के बाद इस हार से प्रदेश में भाजपा की ज़मीन खिसकी है। इस चुनाव को प्रदेश की सत्ता पर काबिज भाजपा के चार साल के शासन, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट टीम के कामकाज और पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार की जनोपयोगी योजनाओं के आकलन के परिप्रेक्ष्य में भी देखा जा रहा है। कांग्रेस ने तीनों सीटें जीत कर आठ माह बाद होने वाले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देने की ताल ठोक दी है।

अजमेर (लोस)

रघु शर्मा, कांग्रेस — राम स्वरूप, भाजपा

जीत का अंतर : 84414

कुल मतदाता : 1840657
मतदान हुआ : 1207255

कांग्रेस	भाजपा	नोटा
611514	527100	8160
50.98% वोट (+10.17%)	43.94% वोट (-11.08%)	21 की जमानत जब्त

पिछली बार भाजपा के सांवरलाल जाट 171983 वोट से जीते थे

अलवर (लोस)

डॉ. कर्ण सिंह, कांग्रेस — जसवंत यादव भाजपा

जीत का अंतर : 196496

कुल मतदाता : 1818713
मतदान हुआ : 1126286

कांग्रेस	भाजपा	नोटा
642416	445920	15093
57.73% वोट (+23.94%)	40.07% वोट (-20.49%)	9 की जमानत जब्त

पिछली बार भाजपा के चांदनाथ 283895 वोट से जीते थे

मांडलगढ़ (विस)

विवेक धाकड़ कांग्रेस — शक्ति हाड़ा भाजपा — गोपाल मालवीय निर्दलीय

जीत का अंतर : 12976

कुल मतदाता : 240682
मतदान हुआ : 181928
नोटा 4350

कांग्रेस	भाजपा	निर्दलीय
70146	57170	40470
39.50% वोट (-0.56%)	32.19% वोट (-19.38%)	22.79% वोट

पिछली बार भाजपा की कीर्ति कुमारी 18540 वोट से जीती थीं

राज्य में पिछले लोकसभा और विधानसभा चुनावों में भाजपा के पक्ष में चली मोदी लहर में कांग्रेस को सभी 25 लोकसभा सीटों में से एक भी हाथ नहीं लगी थी, वहीं 200 सदस्यीय विधानसभा में उसे शर्मनाक हार का सामना करते हुए मात्र 21 सीटें हासिल हुई। लेकिन ताजा उपचुनाव को कांग्रेस और भाजपा ने इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के सेमीफाइनल के रूप में लड़ा था। भाजपा ने इन चुनावों को जीतने के लिए एड़ी से चोटी तक का दम लगा दिया। दो माह तक मुख्यमंत्री और मंत्री सारे कामकाज छोड़ कर इन तीनों ही निर्वाचन क्षेत्रों की खाक छानते रहे। प्रधानमंत्री को बुलाकर रिफाइनरी का शिलान्यास करवाया गया। लेकिन शीर्ष नेतृत्व के अहंकार के कारण भाजपा को अपने ही लोगों का मन से साथ नहीं मिला। अजमेर व अलवर लोकसभा और माण्डलगढ़ विधानसभा सीट पर कांग्रेस की इस जीत के मायने इसलिए भी अहम हैं कि पिछले चुनाव में अलवर सीट पर कांग्रेस करीब पौने तीन लाख और अजमेर में पौने दो लाख वोटों से हारी थी। लेकिन अब इस अन्तर को खत्म कर उसने दोनों ही सीटों पर एक से दो लाख के अन्तर से जीत दर्ज की है।

हार के बाद क्या

भाजपा कार्यकर्ता उपचुनावों में हार के बाद हताश हैं। यदि पार्टी और सरकार के व्यवहार और कार्यशैली का ऐसा ही स्तर रहा तो नाराज़गी और

बढ़ेगी, जिसका असर आसन्न चुनाव पर पड़ेगा। शहरी वोटरों पर ही भाजपा अब तक निर्भर रहती आई है। इस बार शहरी मतदाता भी उससे रूष्ट दिखाई दिए। विधायकों और मंत्रियों के तेवरों की बात तो अलग, जिले के कलक्टर और अदना अफसरों ने भी जनता से चार साल व्यवहार ठीक नहीं रखा। जनता की समस्याओं को न सुना और न समाधान किया। मंत्रियों-विधायकों के भाई-भतीजे मौज मांडते रहे। शहरी वोटर का रूझान अब दूसरी ओर हो सकता है। राजपूत, ब्राह्मण, वैश्य समेत ऐसे वर्ग जो आजादी के बाद से ही उसके साथ, इस बार नदारद थे। हार से यह भी स्पष्ट हुआ कि एंटी इंकमबेंसी इस हद तक रही कि मोदीजी भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए।

गुटबाजी से उबरना ज़रूरी

उपचुनाव में मिली जीत ने कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं में जोश भर दिया है। वे अब ज़्यादा सक्रियता और मज़बूती से पार्टी के लिए काम करेंगे। तीनों सीटों पर जीत से पार्टी के प्रति माहौल बना है। इसका लाभ उसे आसन्न चुनावों में मिलेगा। लेकिन प्रत्याशियों के चयन को लेकर पार्टी नेतृत्व को ज्यादा जागरूक रहना होगा। युवाओं को अधिक तरजीह देनी होगी। बुजुर्ग नेताओं को 'मार्गदर्शक' की भूमिका में ही रखना श्रेयस्कर होगा। जो

कार्यकर्त्ता जमीन से जुड़ा, जमीन पर बैठा और जाजम बिछाता आया है, उसकी अनदेखी करना अब पार्टी पर भारी ही पड़ने वाला है। उपचुनाव ने प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेताओं की गुटबाजी का भ्रम भी तोड़ दिया। वे अपने-अपने खेमे बनाकर पार्टी नेतृत्व को चुनाव के ऐन वक्त घेरने की कोशिश करते रहे हैं पर इन उपचुनाव से उनका यह भ्रम टूट जाना चाहिए और उन्हें स्वीकारना चाहिए कि वे आज जहां भी हैं, उनकी पहचान और हैसियत पार्टी की वजह से है। कार्यकर्त्ताओं पर आंखे तरेरना बंद करें, उन्हें विश्वास में लेकर पार्टी संगठन को मज़बूत करें। वे घर बैठे ही नेता नहीं बन गए थे। आधारभूमि बनाने वाले कार्यकर्ता ही थे। कांग्रेस के प्रभारी महासचिव अविनाश पाण्डे की अध्यक्षता में पार्टी आलाकमान ने प्रदेश में वरिष्ठ नेताओं की समन्वय समिति का गठन ही इसलिए किया ताकि वे खेमाबंदी से दूर रहते हुए आसन्न चुनावों पर ध्यान फोकस करें।

पार्टी ने भावी मुख्यमंत्री का चेहरा उजागर करने से भी परहेज किया है ताकि समिति 'समन्वय' के अपने उद्देश्य में सफल हो। समिति की पहली बैठक 14 फरवरी को जयपुर में हो चुकी है। जिसमें अगली रणनीति पर विचार हुआ। प्रभारी महासचिव ने इसमें एक बार फिर प्रभावी ढंग से नेताओं में एकजुटता का संदेश दिया।

जनता करेगी चुकता हिसाब

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ तीनों ही उपचुनाव क्षेत्रों में रात-दिन जनसम्पर्क किया। राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की इस जीत ने सिद्ध कर दिया कि प्रदेश की जनता ने संकल्पबद्ध होकर भाजपा की सरकार को पूरी तरह नकार दिया है। खोखले वादों से जनता को गुमराह कर भारी बहुमत से सत्ता में आई भाजपा की वसुंधरा सरकार पूरी तरह निकम्मी और नाकारा साबित हुई है। जनता इस सरकार के पहले ही वर्ष के कार्यों को देखते हुए मानने लगी थी कि उससे ऐसा क्या गुनाह हुआ कि इस सरकार ने उसका सुख-चैन ही छीन लिया। जनता अब झांसे में आने वाली नहीं है और बकाया हिसाब कुछ महीनों बाद ही हो रहे चुनाव में चुकता कर देगी।

अशोक गहलोत,
पूर्व मुख्यमंत्री

फैसला, सिर आंखों पर

जनता का फैसला, सिर-आंखों पर। उपचुनाव में हमारी पार्टी के प्रत्याशियों, कार्यकर्ताओं और नेताओं का आभार। उन्होंने पूरी मेहनत की, किन्तु सफलता नहीं मिली। बावजूद इसके हम प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं और रहेंगे। हमें और कड़ी मेहनत करनी होगी। हर स्तर पर हम अपनी कमजोरियों की समीक्षा कर सुधार करेंगे।

वसुंधरा राजे, मुख्यमंत्री

जनता ने नकार दिया

भाजपा सरकार के कुशासन और मुख्यमंत्री के अहंकार के खिलाफ जनता ने वोट किया है। अब तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। वैसे भी वे और उनकी सरकार कुछ ही माह की मेहमान हैं। भाजपा ने धर्म और जाति की राजनीति की, जिसे जनता ने नकार दिया है। उपचुनावों में भाजपा की हार और कांग्रेस जीत से पार्टी के कंधों पर भार बढ़ा है। पार्टी जनहित के लिए सतत जागरूक रहेगी।

- **सचिन पायलट**, प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस

छुईमुई का पौधा नहीं, वटवृक्ष

भाजपा छुई मुई का पौधा नहीं है, जो छुअन मात्र से मुरझा जाए। भाजपा विशाल वटवृक्ष है। उपचुनाव में कहां क्या कमियां रहीं, विश्लेषण करेंगे। किसी एक पर हार की जिम्मेदारी आयद नहीं की जा सकती। पार्टी सामूहिक रूप से जिम्मेदार है। समीक्षा का समय है। चार सालों में हमने इतना काम किया, जितना कांग्रेस ने कई सालों में नहीं किया। फिर भी हारे, क्यों, इसकी सूक्ष्म स्तर पर पड़ताल करेंगे। जनता का विश्वास फिर जीतेंगे। इसी साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा फिर सरकार बनाएगी।

- **अशोक परनामी**,
प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा

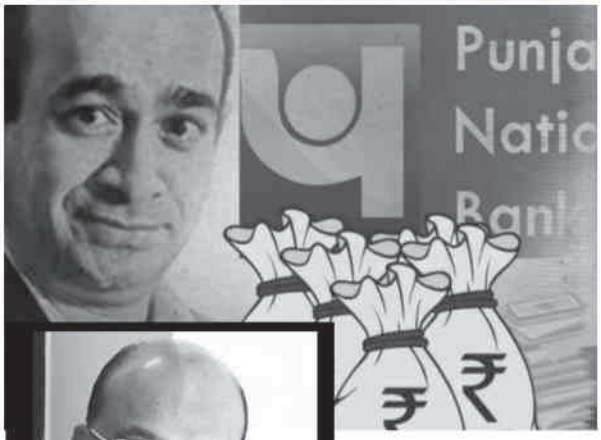

विक्रम कोठारी

नीरव और विक्रम ने लगाया देश को अरबों का चूना

नीरव मोदी परिवार पैसा समेट देश छोड़ भागा, विक्रम कोठारी गिरफ्तार

कांग्रेस बोली - 'पीएमओ की नाक के नीचे सबसे बड़ा बैंक घोटाला, अब तक कैसे बचते रहे आरोपी'

देश में अब तक के सबसे बड़े बैंकिंग घोटाले की खबर गंभीर चिंता का विषय है। ग्यारह हजार तीन सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की धोखाधड़ी पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई की एक शाखा से हुई। तात्कालिक प्रक्रिया में पीएनबी के शेयर करीब दस फीसद गिर गए। कई दूसरे सरकारी बैंकों के शेयरों की कीमतों में भी गिरावट आई। पर यह फौरन सतह पर दिखने वाला नुकसान है। सबसे बड़ा नुकसान तो बैंकिंग क्षेत्र और खासकर सरकारी बैंकों की साख को पहुंचा है। हर किसी के मन में पहला सवाल यही उभरता है कि जब दो-चार लाख का भी कर्ज देने में सरकारी बैंक फूंक-फूंक कर कदम रखते हैं, तो करीब 114 अरब रुपए का घोटाला कैसे हो गया? घोटाले का खुलासा खुद पंजाब नेशनल बैंक ने किया। जिसके मुताबिक, हीरा कारोबारी नीरव मोदी, उनकी पत्नी, भाई और एक रिश्तेदार ने पीएनबी की ब्राडी हाउस शाखा से धोखाधड़ी करके एलओयू यानी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग लिये और विदेशों में निजी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से उन्हें भुनाया। एलओयू एक प्रकार की गारंटी-पत्र है जिसे एक बैंक अन्य बैंकों को जारी करता है।

एलओयू के आधार पर देश से बाहर स्थित शाखाएं पैसा देती हैं। इस दिए हुए पैसे को चुकाने की जवाबदेही या गारंटी एलओयू जारी करने वाले बैंक की होती है। खुलासे के साथ ही पीएनबी ने अपने दस कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है और सीबीआई के पास मामले की शिकायत दर्ज कराई है। प्रवर्तन निदेशालय ने भी शिकायत दर्ज कर ली है और जांच में जुट गया है। इससे पहले पांच फरवरी को भी पीएनबी ने नीरव मोदी सहित चारों आरोपियों के खिलाफ 280 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। नीरव मोदी की गिनती भारत के पचास सबसे धनी व्यक्तियों में 46वें और दुनिया में 1067वें स्थान पर बताया था। पर अब यह साफ हो गया है कि उनकी इस उपलब्धि और शोहरत के पीछे धोखाधड़ी और लूट का बहुत बड़ा हाथ रहा होगा। क्या इस तरह का तरीका अपनाने वाले नीरव मोदी अपवाद हैं? यह घोटाला ऐसे वक्त सामने आया है जब एक ही रोज पहले रिजर्व बैंक ने एनपीए की बाबत और सख्ती दिखाते हुए सरकारी बैंकों को निर्देश जारी किया कि वे फंसे हुए कर्ज के मामले एक मार्च से छह माह के भीतर सुलझा लें। बिना अदायगी वाले पांच करोड़ रुपए से ज्यादा के खातों का ब्योरा हर सप्ताह देना होगा।

एक साल पहले बेंगलूरू के भारतीय प्रबंधन संस्थान ने बैंक धोखाधड़ी के मामलों का अध्ययन किया था। जिसमें पाया गया था कि बैंकों शत से ज्यादा बैंक घपले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में होते हैं। एडवांस से

सबसे बड़ा बैंक घोटाला

कांग्रेस ने अरबपति आभूषण कारोबारी नीरव मोदी द्वारा देश के अग्रणी पंजाब नेशनल बैंक(पीएनबी) को करीब 11,400 करोड़ की चपत लगाकर देश से भाग निकलने को 'सबसे बड़ा बैंक लूट घोटाला' करार दिया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह सब पीएमओ की नाक के ठीक नीचे हुआ है। पार्टी ने आर्थिक विशेषज्ञों के हवाले से यह दावा भी किया कि पीएनबी के अलावा इस मामले में एसबीआई व आईसीआईसीआई सहित करीब 30 अन्य बैंकों को भी भारी चपत लगी है और यह घोटाला लगभग 30 हजार करोड़ रुपएस का साबित होने वाला है। कांग्रेस ने केन्द्र सरकार से पूछा है कि वह बताए कि आखिर वे कौन लोग हैं जो इस मामले के आरोपी नीरव मोदी और मेहुल चौकसी को बचा रहे हैं?

में सबसे ज्यादा धोखाधड़ी एडवांस में होती है। इसे ही बैंकों के डूब गए कर्ज यानी एनपीए का सबसे बड़ा कारण बताया गया था। सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों का एनपीए लगातार बढ़ रहा है। लेकिन जब भी एनपीए की बात आती है, यह मान लिया जाता है कि कुछ लेने वाले हैं, जो बैंकों का पैसा लेकर बैठ गए हैं और वापस नहीं कर रहे। यह बात अक्सर नजरअंदाज हो जाती है कि इसमें से कितना बैंक के अपने तंत्र की खामियों की वजह से हो रहा है। ऐसी बातें तभी सामने आती हैं, जब रकम बहुत बड़ी हो, जैसे विजय माल्या के मामले में थी, या फिर पंजाब नेशनल बैंक के ताजा घोटाले के मामले में है। यानी सिर्फ तब, जब घोटाले पर परदा डालना संभव ही न हो। पंजाब नेशनल बैंक एक सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक है। यह ठीक है कि पिछले कुछ समय में पूंजी बाजारों से काफी पूंजी हासिल की गई है, लेकिन इसका मूल आधार तो वही पूंजी है, जो करदाताओं की मेहनत की कमाई से बैंक के पास पहुंची है। ऐसे घपले-घोटाले अपने देश में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में ही सबसे ज्यादा होती है। भारतीय प्रबंधन संस्थान का अध्ययन भी बताता है कि हमारे देश में 83 प्रतिशत से ज्यादा बैंक घपले सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में होते हैं। एडवांस से संबंधित घपलों के मामलों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी 87 प्रतिशत है। आम लोगों के पैसों के साथ इस तरह का व्यवहार किसी भी कीमत पर रोका ही जाना चाहिए।

एक और महाघोटाला

कानपुर। एक और पंजाब नेशनल बैंक में हुए साढ़े 11 हजार करोड़ के घोटाले की जांच जारी है, वहीं दूसरी ओर कानपुर में 3695 करोड़ से ज्यादा का एक और बैंकिंग घोटाला सामने आया है। इस घोटाले के तार पेन बनाने वाली नामी कंपनी रोटोमेक के मालिक विक्रम कोठारी से जुड़े हैं। बताया जा रहा है कि विक्रम कोठारी ने 6 सरकारी बैंकों से कर्ज लिया लेकिन साल भर पूरा होने के बाद भी अब तक उनकी ओर से लोन अदा नहीं किया गया है। विक्रम कोठारी 19 फरवरी को गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि रोटोमेक ने बैंकों के कंसोर्टियम से 2919 करोड़ रुपये(मूलधन) का कर्ज लिया। लेनदारों ने इस रकम का ब्याज भी नहीं चुकाया। और इस तरह यह आकड़ा 3695 करोड़ का हो गया। कानपुर के मालरोड के सिटी सेंटर में रोटोमैक का दफ्तर भी काफी दिनों से बंद पड़ा था। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर विक्रम कोठारी को इतना बड़ा लोन दिया गया।

घोटाले के छह किरदार

नीरव मोदी

नीरव मोदी गुजरात का हीरा कारोबारी है। उसका जन्म बेल्जियम में हुआ। वह 'नीरव मोदी' ब्रांड से ही अपने उत्पाद बेचता है। फोर्ब्स 2017 की लिस्ट में सबसे अमीर भारतीयों में उसका 84वां नंबर था। उसके देश-विदेश में कई बड़े स्टोर हैं। भारत के अलावा, रूस, आर्मेनिया और दक्षिण अफ्रीका में उत्पादन इकाइयां हैं।

मेहुल चौकसी

हीरा कारोबार की दुनिया में बड़ा नाम। 1975 में अपने पिता के कारोबार से जुड़े। गीतांजलि नाम से कंपनी बनाई जो दुनियाभर में हीरों का निर्यात करती है। मेहुल, नीरव के मामा बताए जा रहे हैं। कहते हैं कि नीरव ने मेहुल से ही हीरा कारोबार के गुर सीखे।

एमबी

नीरव मोदी की पत्नी है और उसके पास अमेरिकी नागरिकता है। वह नीरव मोदी की कंपनियों की पार्टनर है। बैंक अधिकारियों के साथ घोटाला करने में एमी का भी बड़ा हाथ बताया जा रहा है। एमी ने अपनी कंपनी में गलत घाटा दिखाकर बैंक के साथ धोखाधड़ी की है।

निशल मोदी

नीरव के भाई निशल मोदी के पास बेल्जियम की नागरिकता है। वह डायमंड आर यूएस, स्टेलर डायमंड, सोलर एक्सपोर्ट्स नाम की कंपनी में नीरव के साथ पार्टनर है। सभी ने मिलकर बैंक को चकमा दिया है।

मनोज हनुमंत खरात

पीएनबी अधिकारी हनुमंत खरात ने नियमों का उल्लंघन करते हुए गत वर्ष डायमंड और यूएस और सोलर एक्सपोर्ट्स के पक्ष में कई बार डॉलर में एलओयू जारी कर दिए थे और इनकी एंट्री भी नहीं की थी जिससे इस फर्जीवाड़े का पता नहीं चल सका।

डिप्टी मैनेजर गोकुलनाथ शेट्टी

डिप्टी मैनेजर गोकुलनाथ शेट्टी 31 मार्च 2010 से इस ब्रांच के फॉरेन एक्सचेंज विभाग में थे जो 31 मई, 2017 को सेवानिवृत्त हुए हैं। दोनों ने नीरव मोदी, निशल मोदी, एमी, मेहुल चोकसे और उनके प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता हेमंत भट्ट और कविता मानकिकर के साथ मिलीभगत कर फर्जीवाड़ा किया।

हार्दिक बधाई

हमारी प्रिय **आयुषी तम्बोली**

D/o(उषा-अशोक तम्बोली) (Phed इंटक अध्यक्ष) के चार्टर्ड अकाउंटेंट (CA) बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

शुभेच्छु :- स्व. श्री इन्द्रलाल जी-रामकन्या (दादा-दादी), कन्हैयालाल, कैलाशचन्द्र-गोविन्दा देवी, सुरेशचन्द्र-शकुन्तला (ताऊजी-ताईजी), बसन्तीदेवी-सोहनलाल जी, कंचनदेवी-स्व. सोहनलाल जी, कृष्णा-नरेन्द्र जी (भुआ-फुफाजी), ईशा-वेदान्त (बहन-भाई) समस्त मरमट परिवार उदयपुर।

ननिहाल : स्व. राधेश्याम जी-रामजानकी (नाना-नानी), रमेश-किरण, सुरेश-ममता, मुकेश-मीता (मामा-मामी), लक्ष्मी-महेश जी (मौसी-मौसाजी) जयपुर।

'आयुष्मान' भारत के निर्माण का वादा

बजट बाण के निशाने से साधेंगे अगला चुनाव घोषणाएं तो बहुत किन्तु क्रियान्वित पर मौन

अगले साल होने वाले आम चुनाव से पहले पेश किए गए केंद्रीय बजट में गांवों और किसानों को लुभाने की कोशिश की गई। सरकार ने दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थ केयर स्कीम को सबसे अहम थीम बनाई। इसमें मध्यम वर्ग के लिए इनकम टैक्स में कोई बड़ी राहत नहीं दी गई। इधर, राजस्थान के बजट में सीएम वसुंधरा राजे ने भी किसानों, गरीबों और युवाओं को साधने का प्रयास किया। शिक्षा के क्षेत्र में 77 हजार से पदों पर भर्ती का ऐलान किया। पत्रकारों के लिए भी कई बड़ी घोषणाएं की गईं। शहीद सैनिकों के आश्रितों के लिए 5 लाख बढ़ाकर 25 लाख रुपये की घोषणा की।

मोदी सरकार के अंतिम बजट में जमकर हुआ गांव-गरीब का गुणगान

-नंदकिशोर

वित्त मंत्री अरूण जेटली ने अपनी सरकार का अंतिम बजट 1 फरवरी को पेश किया। उन्होंने बजट की थैली का मुंह खेती, गरीब, गांव और किसानों की तरफ रखा। शहरी यानी मध्यम वर्ग के लिए कोई बड़ी घोषणा नहीं की। आयकर स्लैब और दरों में भी बदलाव नहीं किया गया। यूं कह सकते हैं कि बजट से सरकार ने ग्रामीण वोटरों को लुभाने और उन्हें साधने का प्रयास किया है। बजट का मास्टरस्ट्रोक था 50 करोड़ लोगों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना का ऐलान। देश में 10 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर परिवारों को साधने के लिहाज से भी सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना-आयुष्मान भारत की शुरुआत की। हालांकि, बजट से मध्यम वर्ग और वेतनभोगी तबके को निराशा मिली। उनके लिए न तो आयकर में छूट की सीमा बढ़ाई और न उसमें रियायत दी। वित्त मंत्री के तौर पर जेटली का यह लगातार पांचवां बजट था। गरीब और गांव से जुड़े प्रावधानों के हिस्से को उन्होंने हिंदी में जबकि बाकी बजट भाषण को अंग्रेजी में पढ़ा। इधर, शेयरों की बिक्री से एक लाख रुपए से अधिक पूंजी लाभ पर कर लगाने का प्रस्ताव कर पूंजी बाजार को निराश किया। शेयरों के दाम गिर गए। बजट में स्वास्थ्य, शिक्षा के साथ ही रसोई और आवास को लेकर भी लुभावने वादे किए गए हैं। मुफ्त बिजली कनेक्शन, मुफ्त गैस कनेक्शन, मछुआरों के लिए क्रेडिट कार्ड, कृषि आधारित अपशिष्टों के प्रबंधन की योजना, किफायती आवास, रोजगार, एकलव्य स्कूल, प्रधानमंत्री फेलाशिप सहित कई योजनाओं का ऐलान के इर्द-गिर्द इस बार का बजट रहा। वित्त मंत्री ने बजट भाषण में कहा कि खेती से जुड़े कार्यकलापों और स्व-रोजगार के कारण 321 करोड़ मानव दिवस रोजगार सृजन होगा। 3.17 लाख किमी ग्रामीण सड़कें बनाई जाएगी। 51 लाख नए ग्रामीण मकान और 1.88 करोड़ शौचालय बनेंगे। कृषि को प्रोत्साहन के अलावा 1.75 करोड़ नए परिवारों को बिजली कनेक्शन मुफ्त दिए जाएंगे। प्रधानमंत्री कृषि योजना के तहत हर खेत को पानी मिलेगा। इसके अंतर्गत भू-जल सिंचाई योजना को मजबूत बनाने के लिए यह योजना सिंचाई से वंचित 96 जिलों में शुरू की जाएगी। इसके लिए 2600 करोड़ रुपए का आंवटन किया जाएगा। उज्जवला योजना के तहत आठ करोड़ गरीब महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए जाएंगे। प्रत्येक तीन संसदीय क्षेत्रों में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा हुई। आदिवासी इलाकों में नवोदय विद्यालयों की तर्ज पर एकलव्य स्कूल खोले जाएंगे।

शहरी सरकार से गरीबों की सरकार

बजट की घोषणाओं को देखने के बाद ये साफ तौर पर कहा जा सकता है कि आने वाले चुनावों में भाजपा शहरी पार्टी की इमेज से बाहर आने का पूरा प्रयास कर रही है। गरीब, किसान और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर भी ध्यान केंद्रित करना यही संकेत देता है। बता दें कि साल 2019 के मध्य में तो आम चुनाव होने ही हैं, पर इन्हे इससे पूर्व भी कराये जाने पर मंथन हो रहा है। साथ ही 2018 के चालू वर्ष में भी 4 बड़े राज्यों में विधानसभा चुनाव भी होने हैं।

इसमें भाजपा की सीधी टक्कर कांग्रेस से है। भाजपा के प्रति किसानों और गरीबों में जबरदस्त निराशा देखी जा सकती है क्योंकि 2014 में मोदी सरकार गरीबी और किसानों को बड़े वायदे देकर ही सत्ता में आई थी। जबकि पिछले चार सालों में उनके लिए किसी भी तरह की कोई बड़ी योजना नजर नहीं आई।

किफायती आवास योजना

राष्ट्रीय आवास बैंक के साथ मिलकर एक समर्पित किफायती आवास निधि कोष बनाया जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को दिए जाने वाले ऋण से धन मुहैया किया जाएगा। सरकार की योजना है कि 2022 तक सभी के पास अपना एक घर हो। इसके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मौजूदा और अगले वित्त वर्ष में ग्रामीण क्षेत्रों एक करोड़ से अधिक घरों का निर्माण किया जाएगा।

एकलव्य स्कूलों का तोहफा

बजट में आदिवासी जनता को भी साधने का पूरा जतन किया गया। 2022 तक नवोदय स्कूलों की तर्ज पर अनुसूचित जाति-जनजाति के छात्रों के लिए एकलव्य स्कूलों की स्थापना की जाएगी। 50 फीसदी से अधिक जनजाति वाले क्षेत्रों और 20 हजार आदिवासी लोगों वाले प्रत्येक ब्लॉक में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। ये विद्यालय नवोदय विद्यालय की थीम पर होंगे। इनमें खेल और कौशल विकास में प्रशिक्षण देने के अलावा स्थानीय कला और संस्कृति को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

नौजवान : रोजगार का वादा

मोदी सरकार ने बजट के माध्यम से अगले वित्त वर्ष में 70 लाख लोगों को नौकरी देने का ऐलान किया है। इसके अलावा 50 लाख युवाओं को नौकरी के लिए सरकार ट्रेनिंग भी देगी। रोजगार में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

वरिष्ठ नागरिक को सहारा

सरकार ने वरिष्ठ नागरिकों को कई राहत देने की घोषणा की। इसमें जमा योजनाओं से प्राप्त आय पर कर छूट की सीमा पांच गुना बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी। प्रधानमंत्री वय वंदन योजना मार्च 2020 तक जारी रहेगी। निवेश की सीमा 7.5 लाख रुपए से बढ़ाकर 15 लाख रुपए की। बैंकों तथा डाकघरों में जमा राशि पर ब्याज आय में छूट की सीमा 10 हजार रुपए से बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी। यह लाभ सावधि जमा योजनाओं तथा आवर्ती जमा योजनाओं से मिलने वाले ब्याज पर ही उपलब्ध होगा। धारा 80 डी के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा प्रीमीयम या चिकित्सा व्यय हेतु कटौती सीमा को 30 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दिए है।

गांव, गरीब और किसान के लिए ये उठाए कदम

- गोबर धन (गैलवाइजिंग ऑर्गेनिक बायॉ-एग्रो रिसोर्स धन) योजना की घोषणा। इस योजना के तहत गोबर और खेतों के अपशिष्ट पदार्थों को कंपोस्ट, बायो गैस और बायो-सीएनजी में बदला जाएगा।
- राष्ट्रीय बांस मिशन योजना के तहत 1290 करोड़ की राशि आवंटित की जाएगी। इससे बांस को एक उद्योग के तौर पर विकसित करने में मदद मिलेगी।
- किसान केडिट कार्ड की तर्ज पर मछुआरों और पशुपालकों को भी कार्ड दिए जाएंगे। इससे मत्स्य उत्पादन एवं दूध का उत्पादन करने वालों को सहायता मिलेगी।
- 2016-17 तक लगभग 275 मिलियन टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन तक किसानों की आय दो गुना करने का लक्ष्य। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का पूरा लाभ दिलाने को सरकार ने जताई प्रतिबद्धता। 2000 करोड़ रुपए से कृषि बाजार और संरचना कोष बनाने की योजना।
- मछली पालन, पशुपालन के लिए दो नए फंड। ऑपरेशन ग्रीन के लिए प्रस्ताव। मछली-पशु पालन के लिए आधारभूत सुविधा कोष बनेगा। कृषि कर्ज के लिए 11 लाख करोड़ रुपए और सिंचाई के लिए नाबार्ड में दीर्घावधिक कोष बनेगा।

सौभाग्य योजना

सरकार ने ग्रामीण इलाकों में बिजली कनेक्शनों की संख्या को चार करोड़ परिवारों तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

उज्ज्वला का विस्तार

इस योजना के तहत गरीब परिवारों को मिलने वाले मुफ्त एलपीजी कनेक्शनों की संख्या को 8 करोड़ तक पहुंचाने का लक्ष्य है।

बजट के सियासी मायने

अगले साल आम चुनाव के पहले का मोदी सरकार का यह आखरी पूर्ण बजट सियासी भी था और आर्थिक भी। इसमें बीच के रास्ते को अपनाते हुए वित्त मंत्री का झुकाव किसानों और ग्रामीण इलाक़ों को राहत देने की तरफ था। जहां देश के मतदाताओं की अक्सरियत रहती है। इस में कोई दो राय नहीं कि बदहाल कृषि क्षेत्र को समर्थन देना एक आर्थिक और नैतिक ज़रूरत थी। लेकिन सवाल ये है कि बीते सालों में उन्हें नज़रअंदाज़ ही क्यों किया गया? आम चुनाव नजदीकी से ही उनकी याद क्यों आई?। दरअसल भाजपा सरकार में यह वर्ग बुरी तरह से नजर अंदाज था। नतीजा ये हुआ कि 2004 के चुनाव में किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वालों ने पार्टी को सत्ता से उखाड़ फेंका। कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी। 10 साल चली। लेकिन कांग्रेस सरकार ने भी किसानों को नजर अंदाज किया। कांग्रेस सरकार 2014 के चुनाव में मोदी लहर का शिकार तो हुई ही साथ ही किसानों ने भी कांग्रेस के खिलाफ वोट दिया। आज भी किसान बुरे हाल में है। विशेषज्ञों ने मोदी सरकार पर भी किसानों को नजर अंदाज करने का आरोप लगाया। ऐसे में इस बार के बजट में किसानों की सुध लेना स्वाभाविक था। ताकि कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाई जा सके।

राजस्थान बजट : किसान तो अपने, युवाओं को सपने

राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने 12 फरवरी को अपने कार्यकाल का आखिरी बजट विधानसभा में पेश किया। बजट पर इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव की छाया साफ तौर पर नजर आई। सबसे बड़े वोट बैंक किसानों को साधने के लिए पूरे प्रयास हुए, वहीं शहरी वोटर के लिए जमीन सस्ती करने की सौगात दी। नोटबंदी और जीएसटी के बाद नाराज चल रहे व्यापारियों को भी राजी करने के प्रयास हुए। वसुंधरा राजे ने इस बजट के जरिए किसानों, गरीबों और युवाओं को साधने की कोशिश की। क्सिानों का 50 हजार रुपये तक का सहकारी कर्ज माफ किया। बजट भाषण में सशक्त राजस्थान पर फोकेस क्यिा। उन्होंने बजट भाषण में 'सशक्त राजस्थान' बनाने का संकल्प दोहराया। सदन में विपक्ष के हंगामे के बीच बजट में युवाओं को आकर्षित करने की कोशिशों का भी ऐलान किया।। राजे ने युवाओं को प्रदेश में एक लाख रोजगार के सपने

दिखाए। शिक्षा के क्षेत्र में 77 हजार से अधिक पदों पर भर्ती का ऐलान किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के बुजुर्गों को बड़ी राहत देते हुए 80 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए रोडवेज में फ्री सफर की घोषणा की है।

किसान और सैनिकों का रखा ध्यान

राजे के बजट में किसानों को कई सौगातें मिली हैं। इनमें कर्ज माफी के साथ ही 2 लाख कृषि कनेक्शन देने की घोषणा है तो 350 करोड़ की लागत से नए भंडार गृह बनाने का वादा किया गया है। राज्य कृषि आयोग के गठन की भी घोषणा की गई। शहीद सैनिकों के परिजनों के लिए भी वसुंधरा सरकार ने बड़ा ऐलान किया है। इसके तहत अब शहीद सैनिकों के आश्रितों को अब 25 लाख रुपये नकद दिए जाएंगे।

स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर

बजट में महिलाओं पर भी खास फोकस रखा है। सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय बढ़ाया। बजट में महिलाओं के साथ ही युवाओं पर खास जोर रहा। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। इसमें रिक्त पदों पर भर्ती के साथ ही कई मेडिकल कॉलेजों में कैथ लैब की स्थापना और 28 नए पीएचसी शामिल हैं। बजट पढ़ते हुए सीएम राजे ने सरकार की उपलब्धियां गिनाई और उसकी जानकारी दी।

खेल से युवाओं को साधने की कोशिश

अंतिम बजट में वसुंधरा राजे ने खेल के जरिए भी युवाओं को साधने की कोशिश की। इस दौरान उन्होंने अंडर-19 वर्ल्डकप विजेता टीम के सदस्य और तेज गेंदबाज कमलेश नागरकोटी को 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। वहीं खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए यूथ आइकन स्कीम की भी घोषणा की।

राजस्थान बजट 2018 के मुख्य ऐलान

- राज्य परिवहन निगम की बसों में 80 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को मुफ्त यात्रा, उनके एक अटेंडेंट को 50 प्रतिशत की रियायती दर पर यात्रा सुविधा
- 54 हज़ार तृतीय श्रेणी अध्यापक सहित विभिन्न पदों पर कुल 77 हज़ार 100 रिक्त पदों पर भर्ती
- 4 हजार 514 नर्स (ग्रेड-2) और 5 हजार 558 महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की भर्ती
- शिक्षा विभाग में 77000 पदों पर भर्तियां की जाएंगी
- 2000 पटवारियों की होगी भर्ती
- 9000 सेकंड ग्रेड शिक्षकों की होगी भर्तियां
- वर्ष 2016-17 एवं 2018-19 के रिटर्न फॉर्म वैट-10, वैट-11 एवं वैट-10ए को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31.03.2018 तक बढ़ाई
- पैतृक सम्पत्ति के विभाजन पत्रों पर पंजीयन शुल्क 1 प्रतिशत से घटाकर 0.25 प्रतिशत किया
- स्टाम्प ड्यूटी एवं पंजीयन शुल्क में राहत
- ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 वर्गमीटर तक की कृषि भूमि का मूल्यांकन आवासीय के स्थान पर कृषि भूमि की दर से किया जायेगा
- वर्ष 2018-19 से भूमि पर लगने वाले लगान (भू-राजस्व) को माफ किया, 40 से 50 लाख किसान होंगे लाभान्वित
- नई मेवाड़ भील कोर बटालियन के लिए 1161 कान्स्टेबल्स की भर्ती
- सुंदर सिंह भण्डारी इबीएस स्वरोजगार योजना में 50 हज़ार परिवारों को रु 50 हज़ार तक का ऋण 4 प्रतिशत ब्याज पर बिना रहन उपलब्ध
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को नकद राशि 20 लाख से बढ़ाकर 25 लाख करने की घोषणा
- सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए जीएसटी निवेश अनुदान को 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 40 प्रतिशत किया
- केश कलाकार, कुम्हार, मोची, बढ़ई, रिक्शावाला, और प्लंबर आदि को 2 लाख के ब्याजमुक्त ऋण की घोषणा
- अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम द्वारा रु 2 लाख तक के बकाया ऋण एवं ब्याज को माफ किये जाने की घोषणा
- सभी श्रेणी के किसानों को फार्म पौंड निर्माण पर पूर्व में देय लागत के 50 प्रतिशत अनुदान को बढ़ाकर 60 प्रतिशत किया
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा मानदेयकर्मियों के बीमा योजना प्रीमियम की शत-प्रतिशत राशि राज्य सरकार द्वारा वहन
- अल्पकालीन फसली ऋण में से 50 हज़ार तक के कर्ज की एक बारीय माफी का निर्णय
- जनवरी 2012 तक लंबित 2 लाख कृषि कनेक्शन वर्ष 2018-19 में दिये जाएंगे
- सोलर पम्प सैट पर राज्य सरकार द्वारा वर्तमान में देय अनुदाय को बढ़ाकर 3 एचपी के लिए 35 एवं 5 एचपी के लिए 40 प्रतिशत
- ड्राइविंग लाइसेंस एवं व्हीकल रजिस्ट्रेशन संबंधी प्रक्रिया को पूरी तरह पेपर-लेस किये जाने की घोषणा
- पत्रकारों को मकान बनाने के लिए 25 लाख तक के ऋण पर ब्याज अनुदान देने के लिए योजना बनाई जाएगी
- आरपीएससी के परीक्षार्थियों को रोडवेज़ में मुफ्त यात्रा का प्रावधान
- प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को सप्ताह में तीन बार दूध दिया जाएगा
- भैरो सिंह शेखावत अंत्योदय रोज़गार योजना की शुरुआत की जाएगी
- गौ संरक्षण के लिए हर ज़िले में एक नंदी गौशाला खोली जाएगी
- 12वीं परीक्षा में 85 प्रतिशत अंक लाने वाली 2000 बालिकाओं को स्कूटी दी जाएगी
- कर प्रस्तावों में एक भी नया कर नहीं लगाया गया है और इनमें आमजन को 650 करोड़ रुपए की राहत दी गई है
- फोटो जर्नलिस्ट एवं वीडियो जर्नलिस्ट के कैमरा बीमा की घोषणा
- इसके अलावा महिला कर्मचारियों को कार्यकाल में 2 वर्ष की 'चाइल्ड केयर लीव' दी जाएगी।

AKME GROUP OF COMPANIES

AKME FINTRADE (I) LTD.
(RBI Reg. No. 10.00092)

AKME FINCON PVT LTD.
(RBI Reg. No. B.10.00119)

AKME STAR HOUSING FINANCE LTD.
(NHB Reg. No. 08.0076.09)

AKME BUILD ESTATE PVT. LTD. **AKME PROPERTY & BUILDERS**

TVS **AKME TVS** TVS KING
(Akme Automobiles Pvt. Ltd.) ऑटोवों का राजा

(Authorised Dealer of TVS Motor Company for Two Wheeler & Three Wheeler)

AKME BUSINESS CENTRE
4-5, Subcity Centre, Savina Circle, Udaipur (Raj.) 313 002
Ph. : 0294-2489502/03/04, 2481244

जीएसटी के कमिश्नर समेत दस पकड़े गए

'रिश्वत की पाठशाला' पर बुलडोज़र

सपा एमएलसी व कई बड़े नाम सीबीआई की चंगुल में

केन्द्र समेत राज्यों के सभी विभागों में इन दिनों भ्रष्टाचारियों के खिलाफ चलाई जा रही मुहिम के चलते कानपुर के जीएसटी कमिश्नर संसारचन्द्र सीबीआई के निशाने पर कई माह से थे। दो फरवरी को जब सीबीआई को पता लगा कि वे लखनऊ गए हुए हैं और वहां से फैज़ाबाद जाएंगे तो टीम भी पीछे-पीछे फैज़ाबाद पहुंची। ज्योंही संसारचन्द्र वहां पहुंचे, उन्हें डेढ़ लाख की रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। वहां से कानपुर लाकर उनकी मौजूदगी में सर्वोदय नगर स्थित जीएसटी मुख्यालय की तलाशी ली गई और कार्यालय के तीन सुपरिडेन्ट गिरफ्तार किए। इसके बाद टीम रक्षा कॉलोनी स्थित उनके आवास पहुंची और पत्नी तथा ऑफिस असिस्टेन्ट के साथ चार बिचौलियों को भी दबोच लिया। इस गैंग से हेराफेरी के और कारनामे उगलवाने की सीबीआई कोशिश कर रही है।

सीजीएसटी के दफ्तार में पत्नी अविनाश कौर के साथ संसारचंद्र।

-विष्णु शर्मा हितैषी

उत्तर प्रदेश में कानुपर के काकादेव इलाके में केन्द्रीय जांच ब्यूरो(सीबीआई) की टीम ने व्यापारियों से रिश्वत वसूली का नेटवर्क चलाने के आरोप में 2 फरवरी 2018 को वस्तु एवं सेवाकर(जीएसटी) के कमिश्नर समेत दस लोगों को दबोचा। इनमें चार बिचौलिए तीन सुपरिडेंट, कमिश्नर की पत्नी और उसका निजी सचिव शामिल हैं। जीएसटी लागू होने के 6 माह के भीतर भ्रष्टाचार के खिलाफ इसे बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। दिल्ली से कानुपर आई सीबीआई की टीम ने कमिश्नर को फैजाबाद से, पत्नी को कानपुर आवास से, विभागीय अधिकारियों को कार्यालय से और बिचौलियों की गिरफ्तारी बेहद गोपनीय तरीके से की। कानपुर के सर्वोदय नगर में सेन्ट्रल एक्साइज एवं सर्विस टैक्स विभाग का मुख्य दफ्तर है। जिसमें संसारचंद जीएसटी कमिश्नर है। अधिकारियों पर आरोप है कि वे व्यापारियों समेत छोटे-बड़े सभी दुकानदारों के यहां पहले छापा मारते थे और बाद में कार्रवाई के नाम पर खुली वसूली का पूरा नेटवर्क चलाते थे।

कमिश्नर संसारचंद का सिंडिकेट बेहद नियोजित था। घूस का पैसा वह अपने पास नहीं रखता था, बल्कि हवाला के जरिए दिल्ली भेजता था। वहां हवाला कारोबारी रकम को न केवल 'व्हाइट मनी' में बदलते थे, बल्कि संसारचंद की पत्नी को भी पैसा पहुंचाने का काम करते थे। इस काम में दिल्ली के हवाला कारोबारी, अमन जैन, चन्द्रप्रकाश उर्फ मोनू शामिल थे। संसारचन्द्र के करीबी लोगों में समाजवादी पार्टी के विधान परिषद सदस्य और कन्नौज के नामी उद्योगपति पुष्पराज उर्फ पप्पी जैन का नाम भी इस मामले में प्रमुखता से आया है। समाजवादी पार्टी में प्रदेश सचिव जैन चुनावों के दौरान कन्नौज जिले के प्रबंधन में मुख्य चेहरा होते हैं। इनका कन्नौज, मुम्बई सहित अन्य बड़े राज्यों में इत्र का कारोबार फैला है। कन्नौज में इनके दो बड़े कोल्ड स्टोरेज हैं। इन पर कारोबारियों से घूस की रकम इकट्ठी कर जीएसटी सुपरिडेन्ट अमन शाह के माध्यम से संसारचंद्र तक पहुंचाने का आरोप है।

केश और काइंड

घूस के इस खेल में केवल कैश ही नहीं बल्कि बेशकीमती इलेक्ट्रोनिक गैजेट, ज्वेलरी और महंगे स्मार्ट फोन भी चलते थे। घूस देने वाली कम्पनियों में रिमझिम इस्पात लिमिटेड के योगेश अग्रवाल, पान मसाला कम्पनी एजे सुगंधी प्राइवेट लिमिटेड के अविनाश मोदी सहित अन्य कई नाम शामिल हैं। योगेश अग्रवाल ने संसारचंद्र के दिल्ली स्थित घर में स्मार्ट फ्रिज घूस के तौर पर भेजा, जिसे उसकी पत्नी ने रिसीव किया था। फ्रिज का बिल सुदेश कुमार सैनी के नाम बनवाया गया। पान मसाला कम्पनी से संसारचन्द्र के घर भेजा गया दो लाख रुपये मूल्य का टीवी भी उसकी पत्नी ने रिसीव किया।

रिश्वत की पाठशाला

घूस की कमाई का नशा कमिश्नर के सिर इस कदर चढ़ गया कि उसे किसी का खौफ नहीं था। धड़ल्ले से वह भ्रष्टाचार के सोपान चढ़ता जा रहा था। किस उद्यमी से कितनी घूस आ रही है, कितनी आनी चाहिए, किसे माफ करना और किसे सबक देना है, इसकी हर हफ्ते पाठशाला लगती थी। इसमें संसारचन्द्र और उसके चहेते सुपरिडेंट अमन शाह, आरएस चंदेल और अजय श्रीवास्तव ही शामिल होते थे। पाठशाला भी गुपचुप अन्यत्र नहीं बल्कि जीएसटी कमिश्नर के मुख्यालय में ही लगती थी। इसमें बकायदा रिश्वत की कमाई का लेखा-जोखा देख कर अगला टारगेट दिया जाता। इसमें वे रास्ते भी तलाशे जाते जिनके माध्यम से 'काली कमाई' में और अधिक इज़ाफा हो सके।

कारोबारी से लेकर वकील तक गोरखधंधे में शामिल

अजय श्रीवास्तव
अधीक्षक

अमन शाह
अधीक्षक

अमित अवस्थी
एडवोकेट

मनीष शर्मा
मालिक शिशु सोप

राजीव सिंह चंदेल
अधीक्षक

रिश्तेदारों को भी तोहफे

संसारचन्द्र अपने रिश्तेदारों को भी घूस में मिले गिफ्ट भेजा करता था। इसका खुलासा एक रसीद और क्रॉस चेकिंग के दौरान हुआ। उसने दो लाख रु. लाख की एक टीवी दूसरी कम्पनी से बतौर 'उपहार' ली। इस टीवी को जालंधर की फर्म रिम्पी इलेक्ट्रो वर्ल्ड से खरीदा गया था और सप्लाई भी जालंधर स्थित उसके रिश्तेदार के घर पर की गई।

अपने ही जाल में फंसी मकड़ी

शिशु सोप कम्पनी से मिलने वाली घूस में विलम्ब होता देख संसारचन्द्र ने अपने विश्वासात्र एडवोकेट अमित अवस्थी से चर्चा की। इस पर सुपरिडेंट अजय श्रीवास्तव और एडवोकेट अमित अवस्थी ने शिशु सोप कम्पनी के मालिक मनीष शर्मा पर घूस की बकाया रकम के साथ संसारचंद्र को एडवान्स देने का दबाव बनाया। उसे चेतावनी दी कि ऐसा न करने पर छापे मारकर बर्बाद कर दिया जाएगा। इस पर मनीष ने फरवरी-मार्च और अप्रेल 2018 की घूस जल्द ही अदा करने का आश्वासन दिया। इधर संसारचन्द्र इस देरी से बौखला रहे थे। उन्होंने मनीष पर अमित और अजय के जरिए तुरन्त पेमेन्ट का फिर दबाव डलवाया। सुपरिडेंट अजय को उसने हिदायत दी कि वह मनीष से इस मामले में सीधे सम्पर्क न कर एडवोकेट अमित अवस्थी के माध्यम से दबाव डलवाए। इस बीच संसारचन्द्र ने मनीष शर्मा को नोटिस पर नोटिस भेजना शुरू कर दिया। परेशान मनीष ने एडवोकेट अमित अवस्थी से मुक्ति दिलाने का आग्रह किया। अमित ने मनीष को कार्यालय बुलाया और मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए संसारचन्द्र को अविलम्ब 1.5 लाख रुपए के भुगतान को कहा। मनीष ने यह रकम 2 फरवरी को संसारचन्द्र के ऑफिस असिस्टेन्ट सौरभ पाण्डेय को दी। सौरभ यह रकम संसारचन्द्र तक पहुंचाता उससे पहले सीबीआई ने वहां पहुंच घूस के पूरे रैकेट का भण्डाफोड़ कर दिया। मामले में सीबीआई की कार्रवाई व पूछताछ जारी है।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
सुभाष चपलोत
2420446(O)
2485613(R)
चपलोत ट्रेडिंग कम्पनी
जनरल मर्चेन्ट एण्ड
कमीशन एजेन्ट
तीज का चौक, धानमण्डी, उदयपुर, 313001

सरकार थमा रही पकौड़े

कर्तव्यविमूढ़ता का परिचायक है 'पकौड़ा बयान'

- गौरव शर्मा

हिंदी की एक बेहद मूढ़ और लोकप्रिय कहावत है- 'अगर किस्मत में हैं हथौड़े, तो कहां से मिलेंगे पकौड़े'. यानी अगर किस्मत में दर-दर की ठोकरें है, तो जिंदगी में सुख-चैन की उम्मीद ही बेमानी है।

सूट-बूट, टाई-बेल्ट, चाय-कॉफी, व्यंग-हास्य, चुटकी-चुटकले से निकलकर राजनीति गुजरात चुनाव से सीधे वाया टीवी पकौड़े की दुकान पर चटखारे ले रही है। देश में इन दिनों टीवी चैनलों पर पकौड़े पर महाबहस छिड़ी है। प्रधानमंत्री के पकौड़ा वाले बयान पर सियासत इस कदर गरम है कि हर जगह पकौड़े की ही चर्चा है।

संसद से लेकर सड़क तक हर जगह पकौड़ा ही छाया है। एक दिन वो राजनीति की कड़ाही में भी तला जाएगा इसका अंदाजा पकौड़े को भी नहीं होगा। सत्ता में आने से पहले मोदी ने हर साल दो करोड़ युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था लेकिन सरकार के 3 साल के कार्यकाल में करीब 10 लाख लोगों को ही रोजगार नसीब हो सका। केंद्र सरकार के लेबर ब्यूरो के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2014 में 4 लाख 21 हजार लोगों को नौकरियां मिलीं, साल 2015 में ये आंकड़ा घटकर 1 लाख 55 हजार हो गया। पिछले साल यानी 2016 में मोदी सरकार मैन्युफेक्चरिंग, कंस्ट्रक्शन समेत 8 प्रमुख सेक्टरों में 2 लाख 31 हजार लोगों को ही नौकरियां दे पाई।

बता दें कि यूपीए-2 की दूसरी बार सरकार बनी के पहले ही साल (2009) में 10 लाख से ज्यादा लोगों को नौकरियां दी गई। लेकिन बीजेपी के चुनावी घोषणा पत्र पर नजर डालें तो रोजगार बढ़ाना उसके मुख्य एजेंडे में शामिल था। सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने रोजगार बढ़ाने के लिए बड़े और लो लुभावने वादे किए लेकिन जमीनी हकीकत सबके सामने है। सरकार के 4 साल बीत जाने के बाद प्रधानमंत्री से जब रोजगार को लेकर सवाल पूछा जाता है तो वो ठेले पर पकौड़ा बेचने वाले की ओर इशारा कर कहते हैं कि 'अगर कोई किसी दफ्तर के बाहर पकौड़ा बेचकर 200 रुपए कमाता है तो क्या वो रोजगार नहीं है'। सवाल यह है कोई किसी दफ्तर के बाहर ठेले पर पकौड़ा बेचता है तो इसमें उनकी सरकार का क्या योगदान है? शिक्षित युवा द्वारा ठेला लगाकर पकौड़े बेचना उसकी मजबूरी है।

पकौड़ा बयान पर राजनीति

प्रधानमंत्री के पकौड़ा बयान को लेकर जब विपक्ष ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला तो बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह मोदी के बचाव में उतर आए। राज्यसभा में अपने पहले भाषण में सरकार का बखान करते-करते वे पकौड़े पर आकर अटक गए। उन्होंने ने कहा- भीख मांगने से तो अच्छा है कि कोई पकौड़ा बेचे। वैसे कांग्रेस जगह-जगह पकौड़ा सेंटर खोलकर मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा कर रही है। यूपी में समाजवादी पार्टी जगह-जगह पकौड़ा स्टॉल लगाकर मोदी सरकार को घेरने में लगी है।

'पकौड़ा शास्त्र' सरकार की घनघोर नाकामी

देश में बेरोजगारी की बढ़ती समस्या पर अमित शाह ने तर्क दिया कि, 'बेरोजगार होने से बेहतर है, पकौड़े बेचना'। फिर भी गहराई से सोचा जाए तो, अमित शाह के तर्क को चुटकी भर नमक से ज्यादा तवज्जो नहीं दी जानी चाहिए। अगर अमित शाह और प्रधानमंत्री मोदी अपनी सरकार की कामयाबी की दास्तान के तौर पर देश को पकौड़े का अर्थशास्त्र समझाने की कोशिश कर रहे हैं, तो जनता भी उन्हें उसका जवाब देने जानती है।

विपक्ष ने चारों तरफ से घेरा

ओवैसी बोले-हिंसा में बीजेपी का मौन समर्थन

मजलिस इत्तेहादुल मुसलमीन (एमआईएम) के प्रमुख और लोकसभा सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा देश में 'पकौड़ा राजनीति' कर रही है। उन्होंने 'पद्मावत' फिल्म पर देश भर में हो रहे विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, जो कुछ भी हो रहा है, वह पकौड़ा राजनीति ही हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि जो लोग बसें जला रहे हैं, स्कूली बच्चों की बसों पर हमला कर रहे हैं, वाहनों में आग लगा रहे हैं और शॉपिंग मॉल को जला रहे हैं।' उनको बीजेपी का मौन समर्थन मिला है।

पकौड़े पर आजम के तीखे तेवर

समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान ने कहा कि 'पीएम इसे व्यंग्य नहीं मानें, यह एक अच्छा मशविरा दिया है। हम इस मशविरे का स्वागत करते हैं।' आजम खान ने खुद पकौड़े बनाए। उन्होंने मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि 'पार्लियामेंट से बिल पास कराकर बहुसंख्यक बेरोजगारों को रोजगार दें ताकि वह किसी गली-मोहल्ले में घुसकर आतंक न फैलायें और पकौड़ा बनाकर अपने परिवार का जीवन-यापन कर सकें।'

आगरा में तले तरह-तरह के पकौड़े

आगरा में 5 फरवरी को बाजार लगा। इसमें युवा बेरोजगारों के अलावा डिग्री धारक बेरोजगारों ने पकौड़े तले और चाय बनाई। खास बात ये है कि प्रदर्शनकारियों ने पीएम मोदी की विभिन्न योजनाओं के नाम से बेचा जिनके नाम इस प्रकार है।–

प्रधानमंत्री जुमलेबाज पकौड़ा, प्रधानमंत्री यूटर्न पकौड़ा, प्रधानमंत्री भाइयों और बहनों पकौड़ा, प्रधानमंत्री राष्ट्रवादी पकौड़ा, प्रधानमंत्री काला धन पकौड़ा, प्रधानमंत्री 15 लाख मसाला पकौड़ा, प्रधानमंत्री नोटबंदी पकौड़ा, प्रधानमंत्री जीएसटी तड़का आदि।

इधर, बरेली के तुलसी पार्क में सपा ने 'पीएम पकौड़ा ट्रेनिंग सेंटर' शुरू किया। पार्टी ने उच्च डिग्रीधारी युवकों को पकौड़ा बनाना सिखाने के लिए बुलाया। इनमें कुछ युवक एमटेक, पीएचडी, एमकॉम और एमबीए जैसी डिग्री ले चुके हैं। वहीं कर्नाटक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीजेपी की परिवर्तन रैली के दौरान कॉलेज के छात्रों ने पकौड़ों का स्टॉल लगाया। डिग्री लेने वाले परिधान (गाउन) में कॉलेज के इन छात्रों ने पीएम मोदी और बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह के नाम पर पकौड़े बनाकर बेचे। हालांकि रैली से कुछ घंटे पहले ही पुलिस ने प्रदर्शनकारी छात्रों को खदेड़ दिया। पुलिस ने कुछ छात्रों को हिरासत में भी लिया।

खुद पर ही हंस रही सरकार

साल 2014 के लोकसभा चुनाव में जनता ने बीजेपी को इसलिए बंपर जीत नहीं दिलाई कि उन्हें और ज्यादा पकौड़े खरीदने पड़ें। इसलिए भी नहीं कि देश के बेरोजगार युवा गलियों, सड़कों, नुक्कड़ों और चौराहों के किसी कोने पर पकौड़े तलें या पानीपूरी (गोलगप्पों) के स्टॉल लगाए। भारत की जनता ने अच्छे दिनों की आशा में बीजेपी को वोट दिए थे। लोगों ने बीजेपी को इसलिए चुना था, ताकि उन्हें रोजगार मिल सके, चौतरफा विकास हो और वे इ%जत और उम्मीद के साथ जिंदगी बसर कर सकें। लेकिन अब अपने बचकाने पकौड़ा तर्क के जरिए बीजेपी केवल अपनी विफलता को छिपा रही है। उनकी दलीलें देश की जनता की आशाओं और सपनों के अंत का संकेत दे रही हैं। ऐसा लग रहा है कि मोदी सरकार ने विपरीत परिस्थितियों के सामने हथियार डालकर समर्पण कर दिया है। कोई भी सरकार अगर इसका श्रेय लेने का दावा करती है, तो यह समझिए कि वह अपनी नाकामी के लिए खुद पर ही हंस रही है।

ऐसे तो 30 साल लग जाएंगे नौकरियां पैदा करने में

ज्यादातर लोगों ने सोचा था कि बीजेपी की सरकार बनने के बाद 'पांचों उंगलियां घी में होंगी'। मतदाताओं को लगता था कि नरेंद्र मोदी अपने अभिनव विचारों और नई ऊर्जा के साथ भारत को विकास और संपन्नता की तेज राह पर ले जाएंगे। युवाओं का मानना था कि मोदी हर साल एक करोड़ नौकरियों के अवसर पैदा करने का अपना वादा जरूर पूरा करेंगे। लेकिन, एक अखबार में छपी एक रिपोर्ट बताती है कि नई नौकरियों के सृजन की वर्तमान दर से मोदी सरकार को अपना वादा पूरा करने में 30 साल लग जाएंगे।

पाठक पीठ

हठधर्मिता छोड़ लोकतंत्र को मजबूती दें

'प्रत्यूष' के संपादकीय में इस बार करोड़ों लोगों की आस्था के मंदिर 'न्यायालय' और उसकी भावना को संवेदनशील नजरिये से तार्किक रूप में प्रस्तुत किया गया। यह सच भी है कि जनता का भरोसा कायम रखने के लिए आवश्यक है कि न्यायालयों पर कार्यपालिका का दखल और राजनीतिक दलों की गैर जरूरी टीका टिप्पणी बंद हो। वाकई न्यायाधीशों की बड़ी जिम्मेदारी बनती है कि वे हठधर्मिता छोड़ लोकतंत्र को मजबूती दें।

जितेंद्र वाणावत, शिक्षाविद्

ऊपर की मंजिलों से अभी उम्मीद बाकी

हमारे देश का विकास घोटाले, घपले और गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण अटका पड़ा है। इसी कारण 2 जी मामले में 19 लोगों को जिनमें दो राजनीतिक नेता भी शामिल हैं, सारे अभियोगों से मुक्त हो गए। इस पर सीबीआई की विशेष अदालत ने तो अपना फैसला सुना दिया है लेकिन ऊपर की मंजिलों से अभी उम्मीद बाकी है। 'प्रत्यूष' के फरवरी अंक में इसको को लेकर 'न घोटाला, न घपला, फिर 2 जी प्रॉसिक्यूशन है क्या?' आलेख पढ़कर अच्छा लगा।

लक्ष्मण दास बजाज, प्रोपर्टी व्यवसायी

मानो सूर्य की पहली किरण ने दी हो दस्तक

'प्रत्यूष' का फरवरी अंक पढ़ा तो यूं लगा मानो सूर्य की पहली किरण ने दिल में दस्तक दी हो। इसमें कई रोचक और तरोताजा करने वाली जानकारियां, जिससे हम अनभिज्ञ थे, को पढ़कर सुखद अहसास की अनुभूति हुई। बदलाव प्रकृति का नियम है और इसी को साकार कर रही 'प्रत्यूष' की टीम।

बिन्दु शर्मा, जिम ऑनर

शब्दों का संस्कृति से आलिंगन

नाथद्वारा पाटोत्सव पर प्रकाशित आलेख 'नाथद्वारा के कानन वन में आनंद और मुक्ति की केसर क्यारियां' पढ़कर ऐसा लगा जैसे शब्दों का हमारी संस्कृति से आलिंगन हो रहा है। पुष्टिमार्गीय संप्रदाय की जानकारी हमें आनंदित कर गई।

गौरव बंसल, वी.पी, टोयटा

स्वतंत्रता सेनानी
हरिप्रसाद अग्रवाल

अगस्त 1930 का एक दिन, 12 वर्ष का दृढ़ संकल्पी और उत्साही बालक स्वाधीनता व स्वराज्य का सपना संजोये, 'वन्दे मातरम्', 'भारत माता की जय' का उद्घोष करते हुए सनातन धर्म कॉलेज पर तिरंगा फहरा देता है, इससे तिलमिलाई गोरी सरकार उसे गिरफ्तार कर लेती है।

13 अगस्त, 1942 - 25 वर्षीय ठिगनी कद काठी किन्तु दृढ़ इरादों वाला नवयुवक गांधी के 'अंग्रेजों भारत छोड़ो', 'करो या मरो' के आव्हान पर सीने में आजादी की धधकती ज्वाला लिये खादी का कुर्ता, धोती पहने, सिर पर गांधी टोपी लगाये 'इन्कलाब जिन्दाबाद' 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' 'वन्दे मातरम्' के नारे लगाता नवां नगर, ब्यावर के मेवाड़ी गेट से अकेला ही शहर में प्रवेश करता है। फलतः फिरंगी सरकार बौखला कर युवक को छः माह के कठोर कारावास की सजा देती है।

दिल में मातृ भूमि की आजादी जज्बा रखने वाला यह नवयुवक हरिप्रसाद अग्रवाल था, जिसने पत्नी, व्यवसाय और अबोध बच्चों को बिलखता छोड़ हँसते-हँसते कृष्ण मन्दिर जाना स्वीकार किया। अनन्य देशभक्त, धुन के धनी, गोभक्त हरिप्रसाद अग्रवाल का जन्म, ब्यावर में बाबू चौथमल अग्रवाल के धार्मिक परिवार में 8 नवम्बर 1917 को हुआ। प्रारम्भिक शिक्षा के साथ देश भक्ति का मंत्र पिता से मिला, जो ब्यावर में कांग्रेस पार्टी के संस्थापकों में से थे। नाना हंसराज का भी इन पर गहरा प्रभाव पड़ा।

1933 में इन्होंने राष्ट्रीय भावना जागृत करने हेतु हरि पुस्तकालय की स्थापना की। मेट्रिक पास करने के बाद 1934 में डॉक्टरी की पढ़ाई हेतु आगरा कॉलेज में प्रवेश लिया किन्तु जिसका ध्यान मातृभूमि को आजाद कराने में लगा हो उसका मन पढ़ाई में कैसे लगता? कॉलेज छोड़कर ब्यावर आ गये एवं क्रान्तिकारी गतिविधियों में भाग लेने लगे। परिवार ने चन्द्री देवी से इन्हें विवाह बन्धन में बांध दिया। कर्तव्यपरायणा धर्मपत्नी ने आजादी के संघर्ष में इनका पूरा साथ दिया। यहां तक कि गहने भी क्रान्तिकारियों की सहायता, साहित्य प्रकाशन व आंदोलन के लिए अर्पित कर दिये।

बापू व नेताजी सुभाष बोस के विचारों से प्रभावित अग्रवाल ने आंदोलन के लिए ब्यावर में हरिजन सेवक संघ का अग्रणी कार्य किया। इनके कार्यों को महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, वी. दामोदर सावरकर, भाई परमानन्द, जमनालाल बजाज, कृष्णदास जाजू, रामेश्वरी नेहरू, अ. वी. ठक्कर, श्रीपाद डांगे, आचार्य विनोबा भावे, काका कालेलकर, माखनलाल चतुर्वेदी, हरविलास शारदा, चांदकरण शारदा, बृजलाल बियाणी, सत्यदेव विद्यालंकार, हनुमान प्रसाद पोद्दार, श्री श्रीप्रकाश, राव गोपाल सिंह खरवा, रामनारायण चौधरी, कप्तान दुर्गा प्रसाद चौधरी, जयनारायण व्यास, हरिभाऊ उपाध्याय, बालकिशन कौल, स्वामी करपात्रजी, पंडित चन्द्रशेखर शास्त्री(जगत गुरु शंकराचार्य पुरी) सेठ गोविन्द दास, सेनापति, पा.म. बापट, रामगोपाल शालवाले, विशंभर प्रसाद शर्मा, डॉ. राम मनोहर लोहिया, रामनिवास मिर्धा, मोहनलाल सुखाड़िया, अटल बिहारी वाजपेयी, मधुलिमिये, नाथपै आदि ने भी सराहा।

स्वतंत्रता आन्दोलन के दौरान इनका निवास व पुस्तकालय विजयसिंह पथिक, जयनारायण व्यास, घीसूलाल जाजोदिया, स्वामी कुमारानन्द, बाबा नृसिंहदास, मुकुट बिहारीलाल भार्गव, हरिभाई किंकर, भँवरलाल सर्राफ, एच. के. व्यास, जैसे मारवाड़ व अजमेर मेरवाड़ा के क्रान्तिकारियों सहित पं. जगन्नाथ शर्मा, सूर्यमल मौर्य, नैनूराम, चिमन सिंह लोढ़ा, बृजमोहनलाल शर्मा, कॉमरेड केसरीमल, भंवरलाल आर्य जैसे देशभक्तों का गढ़ बन गया।

1947-1948 में अग्रवाल ने ब्यावर में नेताजी की स्मृति में सुभाष सदन की स्थापना की, प्रताप प्रकाशन के साथ मंगल पाण्डे चित्रशाला में महापुरुषों, देशभक्तों के विशाल तेल चित्र बनवाये। 1950 में इन्होंने श्यामजीकृष्ण वर्मा पुस्तकालय की स्थापना की। 1952 में 'प्रणवीर' साप्ताहिक निकाला व उदयपुर से 1977 में अग्रप्रगति मासिक शुरू कराया। स्वतंत्रता सेनानियों पर आपने अर्जुनलाल सेठी ग्रन्थ माला के अन्तर्गत लगभग 15 पुस्तकें लिखीं। जिनमें जमनालाल, अर्जुनलाल सेठी, श्याम जी कृष्ण वर्मा, स्वामी कुमारानन्द, दामोदर दास राठी, विजयसिंह पथिक ठाकुर केसरसिंह बारहठ आदि प्रमुख हैं।

वर्ष 1960 के दशक में हिन्दी मारक विधेयक का कड़ा विरोध और सार्वजनिक और रचनात्मक कार्यों के लिए अनशन किए। गौ सत्याग्रहियों को सी क्लास से फिर बी-क्लास कराने के लिए तिहाड़ जेल में अनशन और राज्य सरकार के कर्मचारियों को केन्द्रीय सरकार के बराबर महंगाई भत्ता अन्य लाभ के लिए अनशन किए। वे 30 साल तक उदयपुर में रहे, 70 के दशक में रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त होने के बावजूद जनकल्याण कार्यों में संलग्न रहे। 2 फरवरी 2003 को परमात्म में लीन हो गए।

उनके पुत्र कृष्णगोपाल गर्ग, माणक अग्रवाल व महेश दत्त गर्ग व पुत्रियां कृष्णा देवी, संतोष देवी व पुष्पा देवी भी पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए समाज सेवा में संलग्न हैं।

- विवेक

Ravi Kalra
Sandeep Kalra

Cell : 9680511711
9414155258

G.S Traders

Auth. Dealer :

Nice, Rock, FIT-WIT
Bairathi, Lakhani, Sumoto

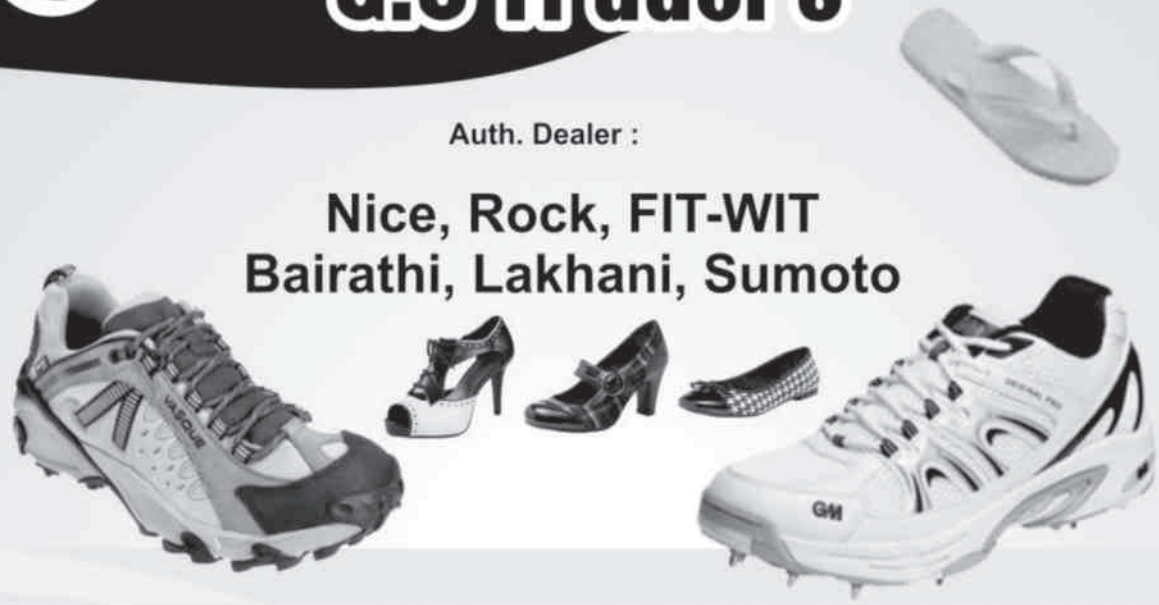

Gurmukh Kalra
Rahul Kalra

Cell : 9001714646
9929022680

G.S FOOTWEAR

L.L.L GED

hot springs

25, Dhanmandi School Road, Udaipur (Raj.) 313 001

खालिदा को 2.1 करोड़ टका के गबन में 5 साल की कैद

2.1 करोड़ टका का जुर्माना, बेटे तारिक को भी दस साल कैद की सजा

फिरोज अहमद शेख

पड़ोसी बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया को ढाका उच्च न्यायालय ने 8 फरवरी 2018 को भ्रष्टाचार के एक मामले में पांच साल कैद की सजा सुनाई। करीब दस वर्ष पहले भ्रष्टाचार निरोधक आयोग ने जिया के खिलाफ यह मामला दर्ज कराया था। कोर्ट में पेश दस्तावेजों के मुताबिक खालिदा जिया ने प्रधानमंत्री रहते विदेशी बैंक से निराश्रित बच्चों के भरण-पोषण में मदद के लिए आए 2.1 करोड़ टका अर्थात् 1.6 करोड़ रुपए का गबन किया था। पूर्व प्रधानमंत्री को सजा ऐसे समय सुनाई गई है, जब उनके देश में राजनीति एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है, और आम चुनाव कुछ ही माह दूर हैं। इसी मामले में लन्दन में रह रहे उनके बेटे तारिक रहमान और अन्य चार को भी दस-दस साल कैद की सजा दी गई है।

फैसले के तुरन्त बाद पुलिस ने जिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उनका जेल जाना कोई नई बात नहीं है। जनरल इरशाद के शासनकाल में तो उनका जेल में आना-जाना लगा रहा। तब वे सात बार जेल गई थी। इन जेल यात्राओं को उन्होंने राजनीति में खूब भुनाया और इतनी मज़बूत और लोकप्रिय हुई कि प्रधानमंत्री की कुर्सी पर काबिज होने में एक-दो नहीं, तीन बार सफल हुईं। हालांकि तब उनकी जेल यात्राएं राजनैतिक थीं किन्तु इस बार तो उन्हें भ्रष्टाचार के संगीन आरोप साबित होने के बाद जेल भेजा गया है। 632 पन्नों का हाईकोर्ट का यह फैसला कोर्ट में मौजूद जिया ने बड़े धैर्य से सुना। उन पर गबन राशि के बराबर 2.1 करोड़ टका का जुर्माना भी लगाया गया है। नौ माह बाद यानी दिसम्बर में बांग्लादेश में आम चुनाव होने हैं, जिसमें मौजूदा प्रधानमंत्री बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीबुरर्हमान की बेटी शेख हसीना अपनी पार्टी बांग्लादेश अवामी लीग के साथ चौथी बार प्रधानमंत्री बनने की हसरत से मैदान में उतरेगी।

खालिदा जिया के खिलाफ भ्रष्टाचार का जो मामला चला, वह कितना राजनीति से प्रेरित था अथवा उसका सच क्या है, यह हमें मालूम नहीं। ऐसी स्थिति में उस पर कोई टिप्पणी करना भी संभवत: उचित नहीं होगा। क्योंकि दुनिया के अधिकतर राष्ट्रों में राजनीति का चेहरा भ्रष्टाचार से आलिंगन करता ही दिखाई दे रहा है और ऐसे हालात कम से कम लोकतांत्रिक राष्ट्रों के लिए तो मुफ़ीद नहीं हैं।

भारत के कुछ बड़े नेता भी भ्रष्टाचार के आरोप में इस समय जेल में हैं तो पाकिस्तान के नवाज शरीफ को ऐसे आरोपों में प्रधानमंत्री की कुर्सी गंवानी पड़ी। अदालत में खालिदा के दोषी सिद्ध हो जाने के बाद उन्हें चुनाव लड़ने के अयोग्य भी घोषित किया जा सकता है, यदि ऐसा होता है तो यह उनके और उनकी पार्टी के लिए बड़ा झटका होगा।

उल्लेखनीय है कि जनवरी 14 में जब तीसरी बार हसीना प्रधानमंत्री बनी थीं, तब खालिदा जिया की पार्टी सहित विपक्ष ने चुनावों का बहिष्कार किया था। हिंसा की कई घटनाएं हुई थीं। करीब 100 चुनाव केन्द्रों पर आगजनी हुई और 21 लोग मारे गए। तब अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी वहां फिर से चुनाव कराने की मांग की थी। हाईकोर्ट के ताजा फैसले के बाद बांग्लादेश की राजनीति का परिदृश्य कैसा होगा, यह कहना जल्दबाजी होगा किन्तु यह तो कहा ही जा सकता है कि फैसले से पहले तक आसन्न चुनावों में शेख हसीना को कड़ी चुनौती देने की स्थिति में कोई था तो वह खालिदा जिया ही थीं। उनके जेल जाने से शेख हसीना की राह हाल-फिलहाल थोड़ी आसान होती ज़रूर नज़र आ रही हैं। हालांकि खालिदा की रिहाई के समर्थन में देश में सरकार विरोधी रैलियां आरंभ हो गई है। खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनल पार्टी(बीएनपी) के बैनर तले रोजाना सड़कों पर उनके समर्थकों का हुजूम उमड़ रहा है।

हसीना बोली - 'सजा और शेष'

10 साल तक (1991 से 1996 तक और 2001 से 2006 तक) खाालिदा जिया बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहीं। जब वे 1991 में प्रधानमंत्री बनी तो बांग्लादेश की पहली और मुस्लिम देशों में दूसरी महिला प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने 1981 में राजनीति में प्रवेश किया। शेख हसीना की सत्तारूढ़ अवामी लीग से उनकी जबर्दस्त प्रतिद्वंद्विता रही। तीस साल से इस प्रतिद्वंद्विता का ज़हर बांग्लादेश की सियासत में साफ नज़र आता है। खालिदा के जेल जाने से शेख हसीना कितनी खुश हैं - यह जानने के लिए उनका यह बयान ही पर्याप्त है कि 'जिया भ्रष्टाचार के मामले में अभी-अभी पांच साल जेल की सजा काटने गई हैं। उन्हें अभी लोगों को प्रताड़ित करने की सजा मिलनी है।'

रंग पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

इंडियनऑयल

IndianOil

ARAVALI

FILLING STATION

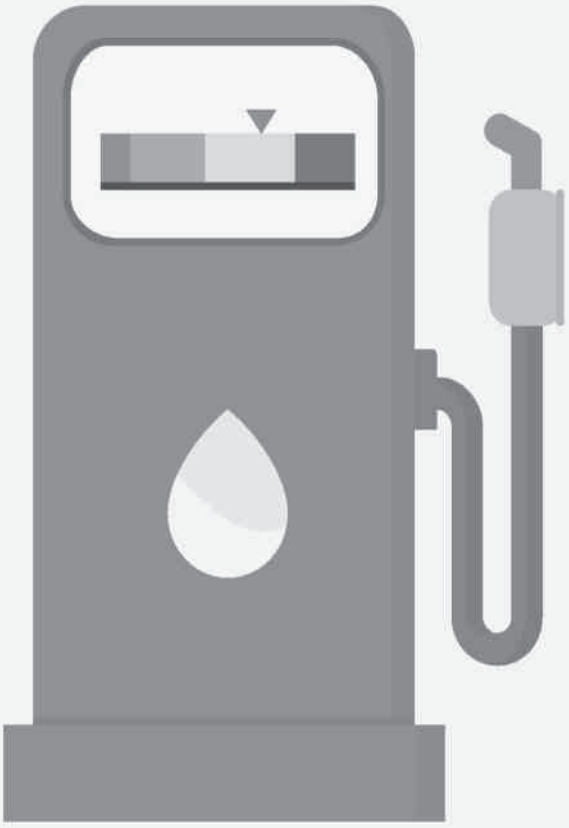

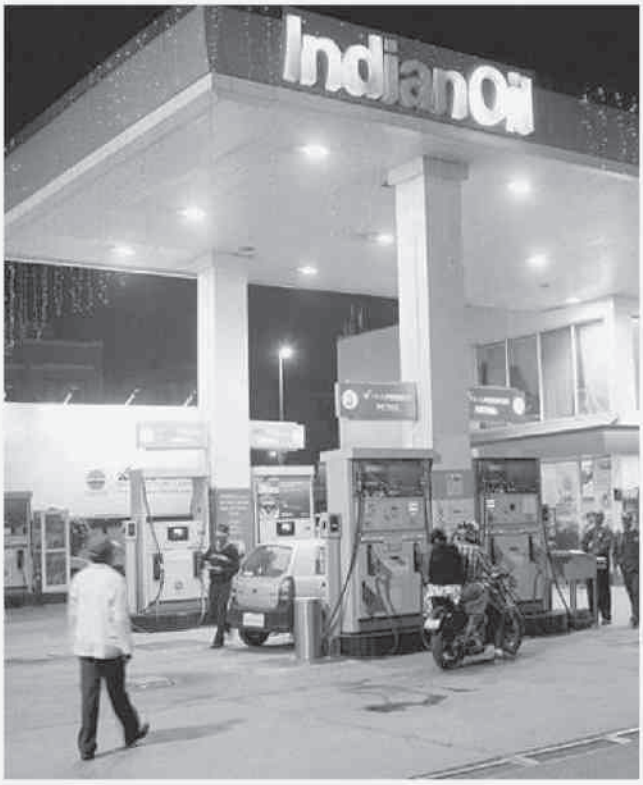

City Station Road, Udaipur 313001 (Raj.)

Tel.: 0294-2483741, 2485938

बंगला साहिब को दुनिया का सलाम

भारत जोड़ो से अन्ना आंदोलन तक सबने चखा लंगर

नई दिल्ली के गुरुद्वारा साहिब को रात-दिन यानी चौबीसों घंटे लंगर चलाने और मानवता की सेवा के लिए दुनिया ने सलाम किया है। लंदन स्थित 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' में गुरुद्वारे की इस सेवा को शामिल कर सम्मानित किया गया है। पिछली दो फरवरी को 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' संस्था के प्रतिनिधियों ने दिल्ली आकर गुरुद्वारा प्रबंधन को इस आशय का सम्मान पत्र सौंपा।

गुरुद्वारा बंगला साहिब देश के प्रसिद्ध सिक्ख गुरुद्वारों में से है। यह नई दिल्ली में कनॉट प्लेस के निकट यह गुरुद्वारा 8वें सिक्ख गुरु हरकिशन जी के सान्निध्य प्राप्ति के साथ परिसर में गोल्डन होम, ऊंचे ध्वज, निशान साहिब और खूबसूरत सरोवर के लिए भी जाना जाता है। इसका निर्माण एक छोटे मंदिर के रूप में सिक्ख जनरल सरदार मंगल सिंह ने 1783 में किया था।

गुरुद्वारा बंगला साहिब असल में एक बंगला है, जो 17वीं शताब्दी के जयपुर शासक राजा जयसिंह का था और जयसिंहपुर पैलेस के नाम से जाना जाता था। गुरु हरकिशन जी ने 1664 में दिल्ली में रहते हुए कुछ समय यहां भी बिताया था। वे यहां चेचक और हैजा रोग से पीड़ित लोगों की जल चिकित्सा करते थे। तब यह रोग व्यापक पैमाने पर फैला हुआ था। उनकी चिकित्सा से लोग लाभान्वित भी हुए। 1664 में ही गुरुजी का स्वर्गवास हो गया। उसके बाद राजा जयसिंह ने उनकी स्मृति में यहां एक लघु ताल का निर्माण करवाया। यह सिक्ख समुदाय का श्रद्धास्थल है। यहां विभिन्न सम्प्रदायों के लोग भी बड़ी संख्या में मत्था टेकने आते हैं। गुरु हरकिशन जयंती पर शबद-कीर्तन के विशेष आयोजन होते हैं। गुरुद्वारा परिसर में एक रसोईघर, सरोवर, खालसा गर्ल्स स्कूल और आर्ट गैलरी भी है। अन्य गुरुद्वारों की भांति यहां भी रात-दिन 'लंगर' चलता है। ये सेवा आम लोगों की सहायता से होती है। सभी धर्मों के लोग इसका लाभ लेते हैं। गुरुद्वारा प्रबंधन समिति ने यहां एक बड़ा हॉस्पीटल भी बनवाया है। जहां औसतन 500 लोगों का रोजाना मुफ्त इलाज होता है।

बंगला साहिब गुरुद्वारा में एक दिन में औसतन लगभग 40 हजार लोग लंगर छकते हैं। रविवार व विशेष पर्व पर प्रसाद लेने वालों की संख्या एक लाख से ऊपर तक भी पहुंच जाती है। देश में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर

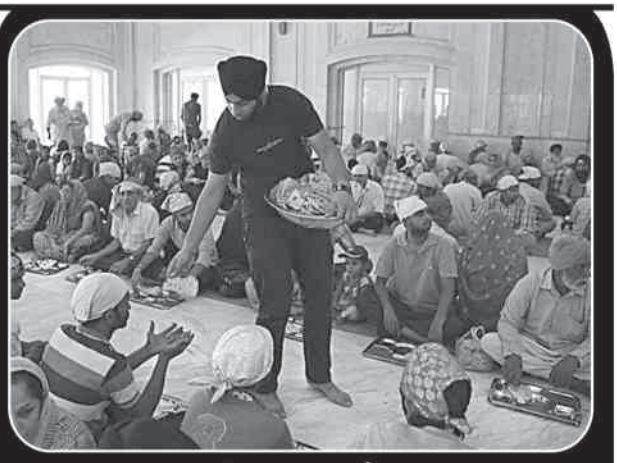

बंगला साहिब गुरुद्वारा में एक दिन में औसतन लगभग 40 हजार लोग लंगर छकते हैं। रविवार व विशेष पर्व पर लंगर का प्रसाद लेने वालों की संख्या एक लाख से ऊपर तक पहुंच जाती है। देश में अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर के बाद इसी गुरुद्वारे में सबसे अधिक लोग लंगर में प्रसाद ग्रहण करते हैं। रसोई(लंगर) में रोजाना 200 किलो दूध 400 किलो चावल, 700 किलो सब्जी और 800 किलो आटा-दाल का उपभोग होता है।

के बाद इसी गुरुद्वारे में सबसे अधिक श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करते हैं। रसोई (लंगर) में रोजाना 200 किलो दूध 400 किलो चावल, 700 किलो सब्जी और 800 किलो आटा-दाल का उपभोग होता है।

दिल्ली सिक्ख गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष मंजीत सिंह के अनुसार 1986 में सामाजिक कार्यकर्त्ता बाबा आम्टे ने देशभर में 'भारत जोड़ो' मार्च का नेतृत्व किया था। उनके साथ हजारों समर्थकों ने दिल्ली में अमर जवान ज्योति के पास भी दो दिन तक डेरा जमाया था। इस दौरान उन्होंने लंगर का ही प्रसाद ग्रहण किया। इसके ठीक दो वर्ष बाद भारतीय किसान यूनियन के नेता महेन्द्र सिंह टिकैत ने 5 लाख समर्थकों के साथ मांगों को लेकर दिल्ली का रूख किया। शाम को हजारों किसानों ने गुरुद्वारे में लंगर लिया और रात्रि विश्राम किया। अन्ना आंदोलन में भी यह गुरुद्वारा समर्थकों की शरणस्थली बना। अन्ना का 'इंडिया अंगेस्ट करप्शन' आन्दोलन करीब नौ माह चला। उत्तरप्रदेश के शिक्षक भी हजारों की संख्या में जब अपने आन्दोलन की आवाज केन्द्र के कानों तक डालने के लिए दिल्ली आए तब भी इस 'लंगर' से उन्होंने प्रसाद ग्रहण किया।

गुरुद्वारा में सुबह 3 से 4 बजे के बीच गुरु का प्रकाश होता है। इसके पहले श्रद्धालु गुरुद्वारे को धोकर साफ करते हैं। रात को दस बजे गुरु सुख आसन होते हैं। यहां यह भी बता दें कि गुरुद्वारे में सफाई के लिए कोई कर्मचारी नियुक्त नहीं है। यहां की सफाई श्रद्धालु स्वत: बड़े ही प्रेम और भक्ति भाव से करते हैं। गुरुद्वारे को स्वच्छ भारत अभियान के तहत सम्मान भी प्राप्त हुआ है।

- सुधीर जोशी

रंग पर्व होली की शुभकामनाएं

फोन :- 0294-2429053

कन्हैयालाल जैन
राकेश जैन (बंटी)

राजस्थान मेडिकल स्टोर

महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय के सामने, उदयपुर

शातिर ज़मीदार को गरीब लड़की ने दी शिकस्त

जीवन में कई बार किंकर्तव्यविमूढ़ता वाली परिस्थितियों से हम रूबरू होते हैं। नाउम्मीदों के कोहरे में कुछ भी साफ नहीं दिखता। लगता है जैसे हर रास्ता नाकामयाबियों की ओर ही जा रहा है। ऐसे में लॉजिकल सूझ-बूझ और धैर्य के साथ काम लिया जाए तो मुश्किलें हल की जा सकती हैं। परमात्मा पर अदम्य विश्वास भी हौसलों को नई बुलंदी देता है।

एक व्यापारी ने धनाढ्य जमींदार से बड़ा कर्ज लिया। बदकिस्मती से उसे भारी घाटा होता गया और ब्याज व कर्ज़ चढ़ता गया। वसूली के लिए जमींदार घर पहुंचा। वह था तो बूढ़ा और बदशक्ल परन्तु अर्से से उसकी नजर थी व्यापारी की युवा होती लड़की पर। जमींदार ने उसे समझाया कि उसके पास कर्ज़ चुकाने को धैला तक नहीं, ऐसी सूरत में अगर वह अपनी कन्या का विवाह उससे कर देगा तो पूरा कर्ज़ चुकता मान लिया जाएगा। इस बेहूदे प्रस्ताव पर व्यापारी और उसकी लड़की दोनों हैरत में पड़ गए। लेकिन कर्ज़ और मर्ज़ में मज़बूर लोगों की व्यथा-कथा कुछ और ही होती है। वे टूटे हुए भीतर-भीतर घुटते रहते हैं। अगले दिन जमींदार ने अपने घर के बाहर बगीचे में पंचायत बुलाई। व्यापारी और उसकी लड़की को भी मौजूद रहने का संदेश भिजवाया। जमींदार ने कर्ज़ का मामला किस्मत पर छोड़ते हुए पंचायत में एक फार्मूला पेश करते हुए कहा कि रास्ते की पगडंडी पर पड़े पत्थरों की ढेरी से वह एक काला और एक सफेद पत्थर अपने खाली बैग में डालेगा। कर्ज़दार की लड़की को आंख बंद कर उनमें से एक का चयन कर निकालना होगा। इसमें भी उसने तीन विकल्प सुझाए। पहला, काला पत्थर निकालने पर लड़की को शादी करनी होगी और पिता का कर्ज़ माफ हो जाएगा। दूसरा, सफेद पत्थर लेने पर लड़की को जमींदार से शादी नहीं करनी होगी और कर्ज़ भी माफ हो जाएगा। तीसरा, अगर लड़की पत्थर उठाने से मना करती है तो पिता को जेल की सजा दिलवाएगा।

जमींदार जैसे ही पगडंडी से पत्थर लेने को झुका तो तीक्ष्ण दृष्टि चतुर लड़की ने दूर से ही देख लिया कि वह पंचों की ओर पीठ किए दोनों काले पत्थर थैले में डाल रहा है। वह चुपचाप शांत भाव से खड़ी ऐसे लग रही थी जैसे फैसले के इस अजीब फार्मूले पर दुखी हो। पंचायत ने ने लड़की से कहा कि वह जमींदार के बैग से एक पत्थर उठाए!

कल्पना कीजिए उस लड़की की जगह आप होते तो क्या करते या लड़की के मार्गदर्शक की हैसियत से उसे क्या सलाह देते? इस घटना पर सतर्कतापूर्वक विश्लेषण से तीन संभावनाएं सामने आ सकती हैं -

- लड़की पत्थर उठाने से ही मना कर दे।
- लड़की जमींदार की साजिश बेनकाब करे कि बैग में उसने दोनों ही पत्थर काले रंग के डाले हैं।
- लड़की इसे भाग्य का खेल मान कर पत्थर उठा ले और अपने पिता का कर्ज़ और संभावित जेल से बचने के लिए समझौता कर ले।

कथानक के इस प्रकार अचानक मोड लेने पर गंभीरतापूर्वक चिंतन ज़रूरी है। ऐसी घटना से हमें 'ट्रेडिशनल एण्ड लॉजिकल थिंकिंग' के बीच अन्तर समझ कर निर्णय करना होगा। ऐसी असमंजस स्थिति का निदान या सुलटारा ट्रेडिशनल विचारधारा से संभव नहीं। होशियार लड़की ने आसन्न नतीजों पर ग़ौर किया और लॉजिकल थिंकिंग का सहारा लिया।

आप भी सोचें, आपके दिलो-दिमाग में क्या उपाय है, उसे क्या करना चाहिए? लड़की की आंखों में क्षण भर के लिए चमक आई किन्तु उसने उसे प्रकट नहीं होने दिया और अनमने भाव से जमींदार के हाथों में लटके बैग के पास गई और उसमें से तेजी से एक पत्थर उठाया, पत्थर हाथ से फिसल जाने का नाटक करते हुए उसने पत्थर को नीचे गिरा दिया। पत्थर पगडण्डी पर पड़े अनेक काले, सफेद, मटमैले पत्थरों के बीच खो गया।

लड़की बोली 'क्षमा करें, छोटे से पत्थर को भी न सहेज सकी और वह नीचे गिर गया। परन्तु इस असावधानी के बाद भी फैसले का ठोस सबूत तो अब भी बैग में मौजूद है। बैग में एक पत्थर विद्यमान है ही, जो इस बात का फैसला कर लेगा कि मैंने कौन सा पत्थर उठाया था!' सबको लड़की की बात सही लगी। क्योंकि बैग में काला पत्थर था। इसलिए यह मानने में किसी को कोई आपत्ति नहीं हुई कि लड़की ने सफेद पत्थर ही उठाया था। जमींदार में इतना साहस नहीं बचा कि अपनी हेराफेरी स्वीकार कर लोगों के आक्रोश का सामना करे। लड़की ने अप्रिय, असंभव और नाजुक स्थिति को अपनी चतुराई से खुशी के हालात में बदल दिया। पिता का कर्ज़ माफ हो गया और संकट में पड़ने से उसका जीवन भी बच गया।

- शांतिलाल शर्मा

Aspera
High Performance Two Way Radio

NO WORRIES!!! FOR LICENSE NOW

INTRODUCING LICENSE FREE WALKY TALKY
ASPERA - V7 (LF)
(Govt. Order - GSR564(E) Dated - 30th July 2008)

KEY SPECIFICATION :
POWER 1W
FREQUENCY 865-867 Mhz
BATTERY 2000 mAH

SUITABLE FOR:
HOTELS, RESORTS, MALLS, CATERERS, SCHOOLS, HOSPITALS,
FACTORIES, CONSTRUCTIONS,RESTAURANTS, EVENTS ETC

CONTACT-: PYROSON ELECTRONICS G-26, ANAND PLAZA, UNIVERSITY ROAD UDAIPUR-313001
Mob - 9414167533 Land Line- 0294-2429633

राजस्थान का सर्वाधिक सफलता देने वाला संस्थान

SBI / IBPS
BANK / SSC CGL

IAS / RAS

दिल्ली एवं जयपुर के अनुभवी शिक्षकों द्वारा सिविल सेवा परीक्षा की समग्र तैयारी।

New Batch Start at

ANUSHKA ACADEMY

Udaipur, Rajasthan ✆ 8233223322, 8233033033

SHIVA

सामूहिकता और सामाजिकता को भी रंगती है होली

- रेणु शर्मा

भारत अनेकों अनेक विविधताओं से भरा देश है। यहां साल भर कोई न कोई, किसी न किसी धर्म के त्योहार चलते ही रहते है। लेकिन इन सभी त्योहारों में होली के रंग सबसे जुदा है, अलग है, अनूठे है। रंगों के त्योहार होली में मस्ती, उमंग और आनंद की त्रिवेणी समाई हुई है। इसकी वजह से आज होली विदेशों में भी उसी अंदाज और मस्ती के साथ मनाई जाती है। होली का त्यौहार राधा-कृष्ण के पवित्र प्रेम से भी जुड़ा है। बसंत में एक-दूसरे पर रंग डालना श्रीकृष्ण लीला का ही एक अंग माना जाता है। मथुरा-वृंदावन में पूरा महीना होली खेली जाती है। यहां लोग राधा-कृष्ण के प्रेम में रंगे रहते है। बरसाने और नंदगांव की लठमार होली जगप्रसिद्ध है। होली पर अहंकार की, अहं की, वैर-द्वेष की, ईर्ष्या की, संशय की होली जलाई जाती है और विशुद्ध प्रेम प्राप्त किया जाता है। होलिकाष्टक से ही देशभर में इसकी विधिवत शुरुआत हो जाती है। चंग की थाप पर उड़ने वाले गुलाल के रंग न सिर्फ मस्ती, आनंद से हमको लबरेज करते है बल्कि ये लोगों में सामूहिकता एवं सामाजिक एकता को मजबूती प्रदान करते है।

ब्रज : नंदगांव और बरसाने की निराली होली

ब्रज क्षेत्र में मथुरा, वृंदावन, बरसाना और नंदगांव आते हैं। होली की सबसे ज्यादा मस्ती यहीं देखने को मिलती है। यहां होली असली तरीके से मनाई जाती है, मतलब पुराने और लुभावने अंदाज में। नंदगांव एवं बरसाने की होली काफी निराली होती है। बरसाने की लट्ठमार होली का अलग आकर्षण है। यहां युवतियां रंगों की बरसात के बीच डंडों से पुरुषों को पीटती है।

भोजपुरी होली: रंगों में कीचड़ भी

बिहार के लोग और वहां का संगीत दोनों ही निराले हैं। अब जब लोग और संगीत अलग होंगे, तो भला यहां होली पर इसका असर कैसे नहीं पड़ेगा। यहां होली पर सिर्फ रंगों का ही नहीं बल्कि कीचड़ का भी उपयोग भी किया जाता है।

हरियाणवी : भाभी-देवर होली

हरियाणा में जिस तरह की होली खेली जाती है वो जरा हटकर है। यहां खेली जाने वाली होली को भाभी-देवर की होली भी कहा जाता है। दही हांडी के अलावा, हरियाणा में खेली जाने वाली भाभी-देवर होली भी देश भर में काफी प्रसिद्ध है।

बंगाली होली : तहजीब के उड़ते हैं रंग

अगर देश में कहीं सबसे ज्यादा तहजीब के साथ होली खेली जाती है तो वो बंगाल और ओडिशा है। इन दोनों ही राज्यों में होली को डोल पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। होली पर ज्यादातर लोग सिर्फ सूखे रंग का ही इस्तेमाल करते हैं।

इंडियन टोमाटिना : स्पेन जैसा अंदाज

असम के गुवाहाटी में होली खेलने का अंदाज जरा स्पेन जैसा है। यहां भी लोग टमाटरों के साथ होली खेलते हैं और खूब मजे उठाते हैं।

कुमाउनी होली

उत्तराखंड के कुमाउ क्षेत्र में हर साल कुमाउनी होली मनाई जाती है। ये त्योहार एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक उत्सव है। यहां होली संगीत समारोह के रूप में मनाई जाती है, जिसे बैठकी होली, खड़ी होली और महिला होली के नाम से भी माना जाता है।

यह अलग-अलग रंगों की है होली

राजस्थान के बाडमेर क्षेत्र में पत्थरों से होली खेलने की परंपरा रही है। गुजरात में डांडिया नृत्य होली का विशेष आकर्षण माना जाता है। बनारस की होली का तेवर कुछ अलग ही होता है। बिहार के सहरसा स्थित बनगांव में 'घुनौर होली' खेली जाती है। यह होली के एक दिन पहले मनाया जाता है। शाहाबाद क्षेत्र में मनाई जाने वाली होली का अंदाज भी खास है। यहां आज भी गांवों में फागुन महीना शुरू होते ही होली की धमक सुनाई पड़ने लगती है।

श्रीजी : मंदिरों में फाग और हरजस गान

मेवाड़ की मथुरा श्रीनाथद्वारा में कुछ अनूठी परंपराएं ऐसी भी है जिसे संभवतः बहुत ही कम लोग जानते होंगे। इस धर्म नगरी में होली के दण्ड रोपण से लेकर होलिका दहन तक कई अनूठी परंपराएं है, जिससे पिछले 344 सालों से आज तक अनवरत निभाया जा रहा है। श्रीजी प्रभु के मंदिर की ओर से होली रोपी जाती है। रोपित किए जाने वाले दण्ड (प्रहलाद) को हर वर्ष अशोक वृक्ष की लकड़ी से बनाया जाता है। जो करीब 30 फीट लंबा होता है। दण्ड रोपण के दिन दण्ड को श्रीजी के उद्यान से लाया जाता है। मंदिर के राजपुरोहित, भण्डारी, परछना, मुखिया आदि की मौजूदगी में विधि-विधान से उसकी पूजा होती है। जिस दिन से दण्ड रोपित होता है, उसी दिन से इसकी रखवाली भी शुरू हो जाती है और श्रीजी के बीड़ (पड़त भूमि) से कांटों की मथारी का महिला श्रमिकों द्वारा लाना आरंभ हो जाता है। जिन्हें पारिश्रमिक के साथ गुड़ भी दिया जाता है। शहर में कई जगह बच्चे भी होली रोपते हैं, जिन्हे मंदिर भंडार से दण्ड व दण्ड पर फहराने के लिए ध्वजा व अन्य खर्च भी प्रदान किया जाता है।

द्वारकाधीश : साल में केवल एक बार राल के दर्शन

कांकरोली स्थित पुष्टिमार्गीय संप्रदाय की तृतीय पीठ के द्वारिकाधीश मंदिर में फागोत्सव अनूठे ढंग से मनाया जाता है। यहां साल में केवल एक बार ही राल के दर्शन होते है। इस बार फरवरी के शुरू होते ही यहां फागोत्सव की अबीर-गुलाल उड़ने लगी। 2 फरवरी को यहां मंदिर के गोस्वामी ब्रजभूषण लालजी के जन्म दिवस पर ठाकुरजी को विशेष पंचरंगी गुलाल से फाग खेलाया गया। मंदिर के रतन चौक में राल के दर्शन हुए। ये दर्शन सालभर में सिर्फ फाग के दौरान ही होते है। दर्शन में भक्तों की कतार रही।

मेवाड़ : जबरी गेर पर लरजती हैं तलवारें, गरजती हैं बंदूकें

वल्लनगर तहसील के मेनार में जबरी गेर खेलने की परंपरा अनूठी है। यहां जमरा बीज पर रात को तलवारें लरजती है और बंदूकें गरजती है। तापों और बंदूकों की गूंज के साथ यहां मेवाड़ की जीत का जश्न मनाया जाता है। माना जाता है कि यह मुगलों पर मेवाड़ की सेना ने पूरे शौर्य के साथ मुकाबला कर जीत हासिल की। मेवाड़ में होली के बाद आरोग्य व उत्तम स्वास्थ्य की कामना को लेकर शीतला सप्तमी धूमधाम से मनाने का रिवाज प्रचलित है। धूलेंडी के अलावा रंग पंचमी, शीतला सप्तमी, अष्टमी, रंग तेरस तक रंग खेलने की परंपरा है। मेवाड़ के कई हिस्सों में बादशाह की सवारी निकाली जाती है। चारभुजा में शीतला सप्तमी, कपासन में शीतला अष्टमी, बेगूं और चित्तौड़गढ़ में रंग तेरस पर बादशाह की बड़े ही अनूठे ढंग से सवारी निकाली जाती है।

विदेशी धरा पर भी बिखरते हमारी संस्कृति के रंग

जहां कहीं भारतवंशी हैं, यह त्योहार वहां भी अच्छे से मनाया जाता है। वर्तमान समय में रंगों का यह त्योहार चीन, म्यांमार, यूनान, मॉरीशस आदि देशों में धूमधाम से मनाया जाता है। चीन में यह 'फोश्वेईच्ये' के नाम से जाना जाता है। यूनान में भी भारत से मिलती-जुलती होली मनाई जाती है। भारत की तरह यहां भी होलिका दहन वाला दिन छोटी होली के रूप में मनाया जाता है। इस दिन यहां के लोग एक-दूसरे पर रंग व पानी डालते हैं और उमंग के साथ नाचते गाते हैं। चीन और यूनान की तरह म्यांमार में भी होली का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। यहां होली को 'थिनजीं' के नाम से जानते है। भारत और म्यांमार में मनाई जाने वाली होली में अंतर सिर्फ इतना है कि भारत की तरह यहां रंगों का प्रयोग नहीं किया जाता है। इस दिन म्यांमार के लोग टोलियां बनाकर गाड़ियों में पूरे शहर का भ्रमण करते हैं। मॉरीशस एवं सिंगापुर में तो बिल्कुल भारत की तरह होली मनाई जाती है।

रेसिपी

ये स्वाद होली को बनाएगा यादगार

पूनम नागदा

कोकोनेट गुझिया

सामग्री : गूंदने के लिए - घी 3 चम्मच, मैदा 1 कप, पानी आवश्यकतानुसार, नमक चुटकी भर। भरावन के लिए - मावा 1 कप, दरदरी पिसी चीनी-1 कप, पिस्ता-100 ग्राम, नारियल का बूरा - 100 ग्राम, तेल-आवश्यकतानुसार, चाशनी-गुझिया डुबोने के लिए।

विधि : एक बाउल में मैदा, घी और नमक डालकर मिलाएं। यह ध्यान रखें कि मैदे के अंदर डेले न पड़े हों। धीरे-धीरे पानी डालते हुए उसे कड़ा गूंद लें। गूंदे हुए मैदे को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दें। भरावन तैयार करने के लिए मावे को भूनें और उसमें चीनी, पिस्ता और नारियल का बूरा डालें। गैस को बंद कर दें और मिश्रण को ठंडा होने के लिए थोड़ी देर तक छोड़ दें। अब गूंदे हुए मैदे से छोटी-छोटी पूरियां बेल लें। गुझिया का सांचा लें और उसमें एक-एक करके ये पूरियां डालें। बीच में तैयार भरावन डालें। सांचे को बंद करें। थोड़े से पानी में थोड़े मैदा के घोल से गुझिया के किनारे को अच्छी तरह सील कर दें, वरना गुझिया में से भरावन निकल कर सारे तेल को खराब कर देगा। एक-एक करके सारी गुझिया बना लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और गुझिया को सुनहरा होने तक तल लें। चाशनी में डुबोने के बाद सर्व करें।

रागी मालपुआ

सामग्री : गूंदने के लिए - रागी आटा - 4 चम्मच, आटा - 2 चम्मच, पिसे हुए ओट्स - 1 चम्मच, बूरा चीनी - स्वादानुसार, दूध - आवश्यकतानुसार, तेल - आवश्यकतानुसार, अनार के दाने - गार्निशिंग के लिए।

भरावन के लिए - कद्दूकस किया नारियल - 2 चम्मच, खरबूजे के बीज - 2 चम्मच, इलायची पाउडर - आधा चम्मच, शहद - एक चम्मच।

विधि : खरबूजे के बीज और कद्दूकस किए नारियल को दो मिनट के लिए सूखा भून लें। गैस ऑफ करें और उसमें इलायची पाउडर और शहद डालकर अच्छी तरह से मिला दें। मालपुआ बनाने के लिए एक बाउल में सभी तरह का आटा, ओट्स पाउडर और दूध मिलाएं और पेस्ट बना लें। अब इसमें बूरा चीनी डालें और फिर से मिलाएं। नॉनस्टिक पैन में आधा चम्मच तेल गर्म करें। पैन के बीच में एक चम्मच तेल गर्म करें। पैन के बीच में एक चम्मच घोल डालें और उसे फैलाएं। दोनों ओर से पकाएं। ज्यादा क्रिस्पी होने से पहले ही उसे पैन से निकालें। बीच में नारियल वाला मिश्रण डालकर मालपुए का रोल बनाएं। अनार के दाने से गार्निश कर सर्व करें।

दही-भल्ले

सामग्री : धुली उड़द दाल - तीन चौथाई कप, दही- 5 कप, नमक-स्वादानुसार, किशमिश-20, बारीक कटा अदरक-1 चम्मच, कटी हुई मिर्च-2, बेसन-2 चम्मच, तेल-आवश्यकतानुसार, सेंधा नमक - 1 चम्मच, चीनी-1 चम्मच, हरी चटनी-आवश्यकतानुसार, खजूर-इमली की चटनी-आवश्यकतानुसार, भुने हुए जीरे का पाउडर-2 चम्मच, बारीक कटी धनिया पत्ती-2 चम्मच।

विधि : दाल को धोकर रातभर के लिए पानी में भिगो दें। सुबह पानी निथार पेस्ट बना लें। इसमें नमक किशमिश, अदरक, हरी मिर्च ओर बेसन डालें और दस मिनट तक फेंटें। कड़ाही में पर्याप्त मात्रा में तेल गर्म करें। अब एक चम्मच घोल को गर्म तेल में डालें और सुनहरा होने तक तलें। एक बड़े बर्तन में पानी लें और तैयार भल्ले को उसमें दो मिनट डुबोएं। अब हथेलियों के बीच में दबाकर उसका अतिरिक्त पानी निचोड़ दें। सारे मिश्रण से इसी तरह भल्ले तैयार कर लें। एक बाउल में दही लें, उसमें सेंधा नमक व चीनी डालकर मिलाएं। सर्व करने के लिए प्लेट में पहले भल्ला रखें और उसके ऊपर दही डालें। ऊपर से पुदीना चटनी, इमली-खजूर चटनी व जीरा पाउडर डालें। धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

खस्ता कचौरी

सामग्री : मैदा -2 कप, खाने वाला सोड़ा-आधा चम्मच, नमक-स्वादानुसार, तेल-5 चम्मच भरावन के लिए : धुली उड़द दाल-आधा कप, अदरक-1 टुकड़ा, हरी मिर्च-1, काजू-8

विधि : उड़द दाल एक घंटे पानी में भिगोएं। एक बड़े बर्तन में मैदा, नमक व खाने वाला सोडा डालें। पांच चम्मच तेल डालकर अच्छे से मिलाएं। धीरे-धीरे पानी डालते हुए मैदा को कड़ा गूंद लें। गूंदे हुए मैदे को गीले सूती कपड़े से ढककर छोड़ दें। दाल को पानी से निकालकर दरदरा पीस लें। अदरक छीलकर बारीक काट लें। हरी मिर्च व काजू भी बारीक काटें। किशमिश को धोकर साफ कपड़े से पोंछ लें। कड़ाही में घी गर्म कर उसमें दाल का पेस्ट, अदरक, हरी मिर्च, हींग, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, सौंफ पाउडर, काजू और किशमिश डालें। दाल में पानी सूखने तक पकाएं। अंत में नमक, चीनी और नींबू का रस मिलाकर गैस ऑफ कर दें। दाल वाले मिश्रण को ठंडा होने दें और 16 हिस्सों में बांट दें। ऐसे ही गूंदे हुए मैदे से भी 16 लोई बना लें और छोटी-छोटी पूरियां बेल लें। बीच में दाल वाला मिश्रण डालें और पूरी को चारों ओर से बंद करके कचौरी का आकार दें। सभी पूरियों से इसी तरह कचौरी बना लें। कड़ाही में तेल गर्म करें और धीमी आंच पर कचौरियों को सुनहरा होने तक दोनों ओर से तल लें। इमली की चटनी के साथ सर्व करें।

(सामग्री का निर्धारण 3-4 लोगों के लिए हिसाब से है। आप अपनी आवश्यकतानुसार बढ़ाएं।)

गौरवी ने रचा फिर इतिहास

उदयपुर। लेकसिटी की जलपरी गौरवी सिंघवी ने 6 फरवरी को मुंबई के जुहू बीच के खारदंडा से गेटवे ऑफ इंडिया तक समुद्र में लगातार साढ़े दस घंटे में 47 किलोमीटर तैरने का एक और कीर्तिमान अपने नाम कर लिया। 14 वर्षीय गौरवी के कोच महेश पालीवाल ने बताया कि गौरवी ने तड़के साढ़े तीन बजे समुद्र में तैरना शरू किया और करीब डेढ़ बजे अपना सफर पूरा कर जैसे ही गेटवे ऑफ इंडिया पहुंची तो वहां मौजूद उसकी माता शुभ सिंघवी एवं पिता अभिषेक सिंघवी तथा सहपाठी छात्राओं ने उसका जोरदार स्वागत किया। गौरतलब है कि गौरवी ने पहले भी अरब सागर में लगातार 36 किलोमीटर तैरने का रिकॉर्ड बनाया है। उसका लक्ष्य एशियाड और ओलिम्पिक खेलों में भाग लेने का है जिसके लिए वह पूरी तैयारी कर रही है। उपलब्धि हासिल कर उदयपुर लौटी गौरवी ने हवाईअड्डे

पर दादा-दादी के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी ललित सिंह झाला सहित विभिन्न संस्थाओं, राजनैतिक संगठनों, स्कूल स्टाफ की ओर से भी गौरवी का स्वागत किया गया। दिल्ली पब्लिक स्कूल में प्रो. वाईस चेयरमैन गोविन्द अग्रवाल, प्रभारी आचार्य संजय नरवरिया व हेड मास्टर राजेश धाभाई ने स्वागत करते हुए उसे अगले लक्ष्य में भी सफलता की कामना की।

टेक्नॉय मोटर्स पर नई मारूति स्विफ्ट लॉन्च

उदयपुर। मारूति की नई स्विफ्ट कार 9 फरवरी को स्थानीय डीलर टेक्नॉय मोटर्स शोरूम पर मुख्य अतिथि मेयर चंद्रसिंह कोठरी ने लॉन्च किया। लॉन्चिंग के अवसर पर पहले दिन 45 कारों की बुकिंग की गई। पेट्रोल व डीजल वर्जन में लॉन्च की गई नई कार में नए फीचर्स दिए गए हैं। इस मौके पर मारूति के एरिया मैनेजर निखिल कुमार, टेक्नोय मोटर्स के सीईओ दिनेश जैन एवं सम्पत्त जैन मौजूद थे। टेक्नॉय मोटर्स के सेल्स मैनेजर ओम दया ने बताया कि मारूति स्विफ्ट कार नए एवं आधुनिक फीचर्स में उपभोक्ताओं को आकर्षित कर रही है।

नवकार इण्डस्ट्रीज का शुभारम्भ

उदयपुर। कुराबड़-शिशवी मार्ग पर नवकार इण्डस्ट्रीज का भव्य शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधायक रणधीर सिंह भीण्डर ने किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, निर्माण समिति अध्यक्ष पारस सिंघवी एवं भाजपा जिला महामंत्री श्रीमती किरण जैन थे। संस्थान के एमडी अनिल मेहता ने बताया कि संस्थान में बेहतर क्वालिटी एवं किफायती दामों पर फ्लाई-एश ब्रिक्स, पेवर ब्लॉक्स, हॉलो ब्रिक्स, चेकर टाईल्स उपलब्ध होगी। अतिथियों का स्वागत सरस्वती-कान्तिलाल मेहता, प्रतिभा मेहता, अवधेश मेहता एवं लक्ष्य मेहता ने किया।

टीएम हुंडई को बेस्ट न्यू डीलर फेसेलिटी अवार्ड

उदयपुर। टीएम हुंडई को 2017 का बेस्ट न्यू डीलर फेसेलिटी डीलर अवार्ड चिंगमई थाइलैंड में गत दिनों हुई नेशनल डीलर कांफ्रेंस में दिया गया। टीम हुंडई के निदेशक शरद माथुर ने बताया कि इस मौके पर नेशनल इंटर नेशनल डीलर्स के साथ कंपनी के सीनियर अधिकारी मौजूद थे।

मुगलकाल में संगीतकला

डॉ. सुयश वर्धन सिंह दधिवाडिया

भारत ऐसा देश है जहाँ प्राचीनकाल से अब तक कला के प्रति निरन्तर विशेष आकर्षण रहा है। वास्तुकला, स्थापत्य कला, मूर्तिकला, चित्रकला, नृत्यकला आदि के प्रति जनमानस की रुचि सदैव से रही है। इनमें से संगीतकला का विशिष्ट स्थान है, जिसे सभी कलाओं का सिरमौर कहा जा सकता है। भारतीय संगीत को लेकर अमीर खुसरो ने अपनी पुस्तक 'नूह सिपहर' (नव-आकाश) में लिखा है कि - ''भारतीय संगीत से हृदय और आत्मा उद्वेलित हो जाते हैं, यह केवल मनुष्य मात्र को ही प्रभावित नहीं करता बल्कि पशुओं तक को मंत्रमुग्ध कर लेता है। हिरण, संगीत से अवाक् खड़े रह जाते हैं। मोर, अपने नृत्य को और भी सुन्दर बनाते हैं, सांप, बीन की धुन पर फन फैलाए नाचने लगते हैं।'' मौर्यकाल से लेकर मुगलकाल तक संगीत का उत्तरोत्तर विकास होता रहा। विशेषकर मुगलकाल में संगीत के क्षेत्र में अद्‌भुत विकास हुआ।

मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर ने अपनी आत्मकथा 'तुजुके बाबरी' में संगीत गोष्ठियों की चर्चा की है। अकबर के संगीत प्रेम के संबंध में भी उसके मित्र एवं इतिहासकार अबुल फजल ने लिखा है कि ''सम्राट संगीत की ओर अधिक ध्यान देता था और वह इस आकर्षित करने वाली कला का अभ्यास करने वाले व्यक्तियों को संरक्षण प्रदान करता था।'' अकबर स्वयं भी एक कुशल संगीतज्ञ ही नहीं अपितु संगीत शास्त्र में निपुण भी था।

'आइने अकबरी' के अनुसार अकबर के दरबार में छत्तीस प्रथम श्रेणी के संगीतज्ञ थे। इनमें तानसेन का विशिष्ट स्थान था। इस समय राग की नवीन विधाएँ खोजी गईं और संगीत संबंधी कई संस्कृत ग्रन्थों का फारसी में अनुवाद हुआ। शाहजहाँ भी एक कुशल संगीतज्ञ था उसकी आवाज अत्यंत आकर्षक थी और वह स्वयं कभी-कभी संगीत गोष्ठियों में भाग लिया करता था। औरंगजेब अवश्य धार्मिक कट्टरता के कारण संगीत-विरोधी था किन्तु तब भी महिला गायिकाएँ हरम की स्त्रियों का मन-बहलाव करती थीं। औरंगजेब के दरबार से निकाले गए संगीतज्ञों ने विभिन्न प्रांतीय राजाओं और नवाबों के पास शरण ली और संगीत विधा को परवान चढ़ाया। निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि संगीतकला ने मौर्यकाल से मुगलकाल तक अपना विशिष्ट स्थान बनाए रखा। भारत की संगीत परम्परा आज भी नई तकनीकों और कलाकारों के साथ हमारा मनोरंजन कर रही है और करती रहेगी।

'डे जीरो' पानी पर खतरे की घंटी

– सुनील पंडित

विज्ञान ने हमें पानी की संरचना का अध्ययन करके उसका रासायनिक फार्मूला बताया। लेकिन आज भी दुनिया की किसी प्रयोगशाला में पानी का निर्माण नहीं किया जा सका। चूंकि पानी का कृत्रिम तरीके से निर्माण नहीं किया जा सकता, इसलिए पानी को बचाना और सहेजना ही एक मात्र उपाय है। आधारभूत पंचतत्वों में से एक जल हमारे जीवन का आधार है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। कवि रहीम ने कहा है– ''रहिमन पानी राखिये बिना पानी सब सून, पानी गये न उबरै मोती मानुष चून।'' यदि जल न होता तो सृष्टि का निर्माण संभव न होता। आपको बता दें कि इस सृष्टि पर एक ऐसा शहर भी है जहां 21 अप्रैल के बाद जल बिन सब सून वाली कहावत चरितार्थ होगी। उस शहर का नाम है केपटाउन। दक्षिण अफ्रिका में है।

टेबल माउंटेन से गिरे इस शहर को कभी 'केमिसा' कहा जाता था, यानी मीठे पानी की जगह। जल का प्रमुख स्रोत यहां शीतकालीन वर्षा रही है। लेकिन हाल ही के वर्षों में बारिश ने यहां से किनारा कर दिया। ऐसे में यह शहर तीन सालों से सूखे की चपेट में है। अनुमान लगाया जा रहा है कि 21 अप्रैल 2018 के बाद यहां 'डे जीरो' का साम्राज्य होगा। यानी इस दिन के बाद शहर की जलापूर्ति करने वाले जल भंडारों की संयुक्त क्षमता 13.5 प्रतिशत से नीचे आ जाएगी। कई लोग ऐसी संभावना जता रहे है कि डे जीरो 21 अप्रैल से पहले भी आ सकता है। केपटाउन भारत के लिए एक संकेत है, एक सूचक है, एक घंटी है और एक चेतावनी भी कि हमने पानी को आज नहीं सहेजा तो फिर हम उसे कभी भी नहीं सहेज पाएंगे।

काश की यहां बारिश हो जाए

दक्षिण अफ्रीका में एक जगह है लेसोथो। यह पहाड़ों के ऊपर राजशाही वाला कस्बा है। जोहेन्सबर्ग, प्रीटोरिया और साउथ अफ्रीका की ज्यादातर इंडस्ट्रियों को जो पानी मिलता है, वो लेसोथो से ही जाता है। सूखे की वजह से यहां बांध में पानी दिन प्रतिदिन तेजी से घट रहा है। बचा हुआ पानी भी खत्म होने के कगार पर है। आप को बता दें कि लेसोथो में पानी खत्म होना मतलब पूरे साउथ अफ्रीका के लिए खतरा है। कुछ लोग सलाह दे रहे हैं कि यहां का पानी फिलहाल बचाकर रखा जाए। मगर सरकार मजबूरी में लेसोथो के बांधों का सहारा ले रही है। उसे उम्मीद है कि शायद आने वाले दिनों में बारिश हो जाए और हालत सुधरे।

प्रकृति से खिलवाड़ का नतीजा

डे जीरो के दिन से केपटाउन में पानी नहीं आएगा। वहां के लोगों को पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा। वहां की सरकारें पानी बांटेगी। सोचने वाली बात यह है कि किसी जमाने में केमिसा कहे जाने वाले शहर में पानी के यह हालात है। जरूर पानी की वहां बेकद्री रही होगी या फिर प्रकृति के साथ खिलवाड़ किया होगा। शायद ये उसी का नतीजा है। मौसम और जलवायु के मुताबिक प्लानिंग करने पर हालात को फिर भी काबू में रखा जा सकता है। लेकिन वहां पिछले तीन साल से सूखा पड़ रहा था, फिर भी वहां गन्ने और मक्के जैसी फसलों की खेती बंद नहीं की गई। ऐसे में यह हालात बन गए।

प्रकृति से खिलवाड़ बंद हो

हमें ये जानकर आश्चर्य होगा कि 'जलवायु परिवर्तन' और 'ग्लोबल वॉर्मिंग' तेजी से बदलाव की ओर आगे बढ़ रहा है। मनुष्य वो कर रहा है जो उसके हित में है। अपनी भरपाई के लिए वो प्रकृति के साथ खिलवाड़ करने से भी बाज नहीं आ रहा। 'जलवायु परिवर्तन' और 'ग्लोबल वॉर्मिंग' जिस तरह से बदल रहा है उससे जनजीवन पर संकट मंडराता जा रहा है। इसकी ज्वलंत तस्वीर है केपटाउन। ऐसे में अब भी हम नहीं सुधरे तो फिर प्रकृति हमें सुधरने का मौका नहीं देगी।

भारत में जल संकट की स्थिति

आबादी के लिहाज से विश्व का दूसरा सबसे बड़ा देश भारत भी जल संकट से जूझ रहा है। यहां जल संकट की समस्या विकराल हो चुकी है। न सिर्फ शहरी क्षेत्रों में बल्कि ग्रामीण अंचलों में भी जल संकट बढ़ा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में जहां पानी की कमी बढ़ी है। वहीं राज्यों के बीच पानी से जुड़े विवाद भी गहराने लगे हैं। भू-गर्भीय जल का अत्यधिक दोहन होने के कारण धरती की कोख सूख रही है। जहां मीठे पानी का प्रतिशत कम हुआ है वहीं जल की लवणीयता बढ़ने से भी समस्या विकट हुई है। भू-गर्भीय जल का अनियंत्रित दोहन तथा इस पर बढ़ती हमारी निर्भरता, पारंपरिक जलस्रोतों व जल तकनीकों की उपेक्षा तथा जल संरक्षण और प्रबंध की उन्नत व उपयोगी तकनीकों का अभाव, जल शिक्षा का अभाव, भारतीय संविधान में जल के मुद्दे का राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में रखा जाना, निवेश की कमी तथा सुचिंतित योजनाओं का अभाव आदि ऐसे अनेक कारण हैं जिसकी वजह से भारत में जल संकट बढ़ा है। भारत में जनसंख्या विस्फोट ने जहां अनेक समस्याएं उत्पन्न की हैं, वहीं पानी की कमी को भी बढ़ाया है। वर्ष 2050 तक भारत की जनसंख्या 150 से 180 करोड़ के बीच पहुंचने की संभावना है। ऐसे में जल की उपलब्धता को सुनिश्चित करना कितना दुरुह होगा, समझा जा सकता है। आंकड़े बताते हैं कि स्वतंत्रता के बाद प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता में 60 प्रतिशत की कमी आई है।

कोटड़ा में वेरी से पानी सींचते है लोग

उदयपुर संभाग में अधिकांश जिले गर्मी के शुरु होने के साथ ही पानी की समस्याएं से जुझते है। राजसमंद, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ में समस्या विकराल होने लगी है। उदयपुर जिले की बात करे तो यहां कोटड़ा क्षेत्र में आज भी लोग वेरी से पानी कटोरी में भर-भरकर एक बर्तन में सींचते है। सराड़ा, जयसमंद, सलूंबर, झाड़ोल, फलासिया आदि क्षेत्रों में लोग पानी के लिए जान जोखिम में डालकर पानी की भरपाई पूरी करते है। कई फीट गहरे कुएं में उतरने के दौरान पैर फिसलने का अंदेशा बना रहता है।

विभिन्न वर्षों एवं क्षेत्रों में भारत में जल की डिमांड (बिलियन क्यूबिक मीटर)

क्षेत्र	वर्ष 2000	वर्ष 2025	वर्ष 2050
घरेलू उपयोग	42	73	102
सिंचाई	541	910	1072
उद्योग	08	22	63
ऊर्जा	02	15	130
अन्य	41	72	80
कुल	634	1092	1447

स्रोत : सेंट्रल वाटर कमीशन बेसिन प्लानिंग डारेक्टोरेट, भारत सरकार 1999

ऐसे समझो भारत में संकट का जलस्तर

किसी भी देश में अगर प्रति व्यक्ति जल उपलब्धता 1,700 क्यूबिक मीटर से नीचे जाने लगे तो उसे जल संकट की चेतावनी और अगर 1,000 क्यूबिक मीटर से नीचे चला जाए तो उसे जल संकटग्रस्त माना जाता है। भारत में यह फिलहाल 1,544 क्यूबिक मीटर प्रति व्यक्ति आ गया है, जिसे जल की कमी की चेतावनी के रूप में देखा जा रहा है। नीति आयोग के अनुसार उपलब्ध जल का 84 प्रतिशत खेती में, 12 प्रतिशत उद्योगों में और 4 प्रतिशत घरेलू कामों में उपयोग होता है। हम चीन और अमेरिका की तुलना में एक ईकाई फसल पर दो से चार गुना जल अधिक उपयोग करते हैं। देश की लगभग 55 प्रतिशत कृषि भूमि पर सिंचाई के साधन नहीं हैं। भूजल का लगभग 60 प्रतिशत सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जाता है। 80 प्रतिशत घरेलू जल आपूर्ति भूजल से ही होती है। इससे भूजल का स्तर लगातार घटता जा रहा है।

कुशल और मजबूत तंत्र की जरूरत

पानी को लेकर एक दुविधा की स्थिति है जो देश के कई हिस्सों में दिखाई पड़ती है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और विशाल कृषि क्षेत्र ने देश में मौजूद पानी की सप्लाई पर दबाव बढ़ा दिया है। रिसर्च के नतीजे बताते हैं कि देश में मौजूद पानी का 80 फीसदी खेती में इस्तेमाल होता है जबकि उद्योग इस पानी का 10 फीसदी से भी कम इस्तेमाल करते हैं। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट बताती है कि अगर नीति बनाने वालों ने जल संसाधन की व्यवस्था पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया तो भारत के ज्यादातर बड़े शहर 2020 तक सूखे हो जाएंगे। संरक्षणकर्ता इस ओर ध्यान दिलाते हैं कि पानी की सुरक्षा प्रमुख रूप से भोजन और ऊर्जा की सुरक्षा से जुड़ी है इसलिए एक कुशल और मजबूत तंत्र बनाना जरूरी है।

समाधान के लिए ये उठाएं कदम

- लोगों में जल के महत्व के प्रति जागरूकता लाए ।
- ऐसे बीज तैयार करने की जरूरत है, जिनमें पानी की कम खपत हो।
- हमें एक ऐसी सक्रिय नीति बनाने की जरूरत है, जो जल संधाधनों पर पूरा नियंत्रण रखे।
- इन सबसे ऊपर अब जल संबंधी राष्ट्रीय कानून बनाया जाना चाहिए। हालांकि संवैधानिक तौर पर जल का मामला राज्यों से संबंधित है, लेकिन अभी तक किसी राज्य ने अलग-अलग क्षेत्रों को जल आपूर्ति संबंधी कोई निश्चित कानून नहीं बनाए हैं।

बहुत खास है, घर का ब्रह्मस्थान

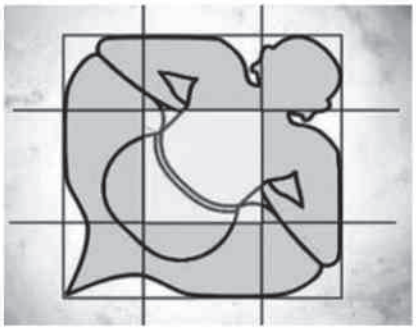

किसी भी भवन में, चाहे घर हो या व्यावसायिक प्रतिष्ठान, कार्यालय अथवा फैक्ट्री, ब्रह्मस्थान अति महत्वपूर्ण होता है। भवन का केन्द्र बिन्दु ही ब्रह्मस्थान है। वास्तु में ब्रह्म स्थान का क्या है महत्व और क्या होता है इसका असर ..... बता रहे हैं - वरिष्ठ वास्तु शास्त्री डॉ. ज्योति वर्धन साहनी।

मानव शरीर में पेट का मध्य भाग यानी नाभि का जो महत्व है, वही महत्व किसी भवन में ब्रह्म स्थान का है। जिस प्रकार पेट सही रहने पर सारा शरीर स्वस्थ रहता है, इसी प्रकार ब्रह्म स्थान का वास्तु सही होने पर भवन में सब स्वस्थ रहते हैं और अच्छी तरक्की कर जीवन खुशहाल बनाते हैं।

- व्यावसायिक भवन हो या आवासीय भवन, दोनों में ब्रह्म स्थान का दोष प्रभावी होता है। जैसे पेट भारी होने से व्यक्ति भाग-दौड़ नहीं सकता है, ऐसे ही भवन में ब्रह्म स्थान में दोष होने से व्यक्ति की उन्नति/तरक्की रुक जाती है। इस स्थान पर सीढ़ी कभी न बनाएं, क्योंकि सबसे ज्यादा भार उसी में होता है। भारी फर्नीचर, बीम आदि ब्रह्म स्थान में बिल्कुल नहीं होने चाहिए। बेहतर है कि इस जगह को खाली व खुला रखें। यहां से भवन के सदस्यों का बार-बार गुजरना होता है और ऐसा होने से उनमें बेहतर तालमेल व मधुर संबंध रहते हैं। यदि कमरा ब्रह्म स्थान में ही बनाना है तो ड्राइंग रूम, लिविंग रूम, डाइनिंग रूम बना सकते हैं।

- व्यावहारिक रूप से यहां गड्ढा भी नहीं होना चाहिए अर्थात् हमारी लिफ्ट भी कभी ब्रह्म स्थान में नहीं हो, क्योंकि लिफ्ट की जगह पर पांच फुट का गहरा गड्ढा कम से कम तो अवश्य होगा ही। ब्रह्म स्थान पर टॉयलेट सीट होने की भी सर्वथा मनाही है, क्योंकि वो भी गड्ढे के रूप में होती है। कई जगहों पर ऐसा पाया गया है कि ब्रह्म स्थान में अंडरग्राउंड पानी संग्रह करने वाले अथवा स्विमिंग पूल बनाने वाले लोगों को मृत्यु योग व कुलनाश की परिस्थितियों का व रातोरात आर्थिक रूप से उजड़ जाने का सामना करना पड़ा है। और ऐसा भी देखने में आता है कि ब्रह्म स्थान में गड्ढा होने की स्थिति में घर में संतानोत्पत्ति नहीं हो पाती है। याद रखें, ब्रह्म स्थान का फर्श ऊंचा-नीचा न होकर समतल होना चाहिए।
- यदि किसी प्लाट में ब्रह्म स्थान में गड्ढा बना दिया जाता है तो ऐसे प्लाट के मध्य भाग में बने गड्ढे को तुरंत मिट्टी से भरवा दें। अगर प्लाट में गंगाजल, पंचामृत अथवा गौमूत्र का 7 दिनों तक छिड़काव करें और तीन-चार बार किसी नए बछड़े को जन्म देने वाली गाय को घुमा दें तो मकान/भवन बनना शुरू हो जाएगा और बाधाएं भी नहीं आएंगी।
- यदि ब्रह्म स्थान छत तक खुला हो और वहां से आकाश दिखता हो तो ऐसे पूरे भवन को आकाश तत्व व वायु तत्व का भी विशेष लाभ मिलता है और भवन की सकारात्मक ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है।

आंजना का 'प्रत्यूष' कार्यालय में स्वागत

उदयपुर। पूर्व सांसद उदयलाल आंजना का गुरुवार को 'प्रत्यूष' पत्रिका के कार्यालय में स्वागत किया गया। उन्होंने पत्रिका की पन्द्रह वर्षीय प्रकाशन यात्रा को रचनात्मक पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाली बताया।

उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र को मज़बूत बनाने में पत्र-पत्रिकाओं का अविस्मरणीय योगदान है। सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी व प्रकाशक पंकज कुमार शर्मा ने उनका स्वागत करते हुए नवीनतम अंक की प्रति भेंट की। इस अवसर पर जिला परिषद के सदस्य हनुवन्त सिंह बोहेड़ा, सुखाड़िया विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष राजसिंह झाला, दाधीच समाज(उदयपुर) के अध्यक्ष सुधीर जोशी, अंजुमन स्कूल कमेटी के महामंत्री रिजवान खान, रौनक गर्ग, रवि कुमार, हरीश धाकड़, आरिफ अहमद, मेकेश खान भी उपस्थित थे। प्रबंधक नंद किशोर शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Happy Holi

Phone :- 0294-2526882(0)
0294-2451454(R)

MAHESHWARI

CONSTRUCTION & COLONIZER

G 4-5, Krishna Plaza, Hazareshwar Colony,
Court Chouraha,Udaipur 313001 (Raj.)

किचन इक्विपमेंट्स की डिमांड पूरी कर रहे जेठा

घर का सबसे अहम हिस्सा अगर कोई है तो वो है किचन क्योंकि यहां बनता है खाना, जो परिवार की सेहत और उनकी खुशियों से जुड़ा होता है। आधुनिकरण के साथ किचन का बदलाव भी बड़े स्तर पर हुआ है। छोटे-बड़े उद्योगों, शिक्षण संस्थानों, होटलों, अस्पतालों में सरकार की ओर से आईएसओ किचन व कैंटीन की अनिवार्यता के चलते किचन इक्विपमेंट्स की डिमांड तेजी से बढ़ी है। उदयपुर के मार्केट में किचन इक्विपमेंट्स की बढ़ती डिमांड को पूरा कर रहे है जेठा किचन इक्विपमेंट्स एंड डिजाइनिंग के प्रमुख महेश जेठा के सुपुत्र धीरज जेठा। धीरज ने करीब 10 साल पूर्व उदयपुर में इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं को ध्यान में रखकर अपने स्तर पर काम शुरू किया। बाद में उन्होंने ग्राहकों की डिमांड और उत्पादों की मैन्यूफैक्चरिंग क्वालिटी को ध्यान में रखते हुए इस कारोबार को नई ऊचाइयां प्रदान की। वे समय के अनुरूप लेटेस्ट स्टाइलिस्ट एवं व्यावसायिक रसोई और कैटरिंग उपकरणों जैसे दूध फ्रीजर्स, डीप फ्रीजर्स, वाटर कूलर, फास्ट फूड ओवन व खाना गर्म करने के उपकरणों सहित अन्य लेटेस्ट उत्पादों की मैन्यूफैक्चरिंग, डिजाइनिंग, आपूर्ति व सर्विस का कार्य कुशलता से कर रहे है। धीरज जेठा बताते है कि डीप फ्रीजर के क्लाइंट पहले से ही थे, ऐसे में उन्होंने भावी संभावनाओं को देखते हुए इंडस्ट्रियल एवं कामर्शियल किचन इक्विपमेंट्स मैन्यूफैक्चरिंग, डिजाइनिंग, उनकी सर्विस व मेंटीनेंस का काम शुरू किया। गुड़ली औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इकाई में इंडस्ट्रियल व कर्मशियल किचन, कैटरिंग इक्विपमेंट्स, डीप फ्रीजर, वाटर कूलर, पिज्जा व बर्गर ओवन सहित विभिन्न उत्पादों के विभिन्न मॉडलों की मैन्यूफैक्ररिंग का काम किया जाता है। उन्होंने बताया कि फर्म में निर्मित लेटेस्ट तकनीक की मशीनों को डिजाइन करने के लिए उनके पास प्रोफेशनल एवं विशेषज्ञों की टीम मौजूद है जो निर्धारित समय में ग्राहकों की डिमांड का पूरा करने में दक्ष है।

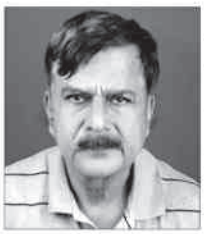

महेश जेठा

धीरज जेठा

पारिवारिक कारोबार को दिया नया आयाम

फर्म के प्रमुख महेश जेठा ने बताया कि वर्ष 1944 में उनके पिता स्व. दयाराम जेठा ने जेठा रेडियो के नाम से एक प्रतिष्ठान शुरू किया। वर्ष 1978 में उन्होंने अपने पारिवारिक कारोबार में प्रवेश कर रेफ्रिजरेशन मैन्यूफैक्चरिंग कारोबार का श्रीगणेश किया और नया आयाम दिया। करीब डेढ़ दशक बाद उनके पुत्र धीरज जेठा ने नया व कुछ अलग करने की चाहत और कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान स्थापित की।

प्रभावी निर्यात की योजना : महेश जेठा ने बताया कि फर्म द्वारा कानूनी एवं अन्य प्रक्रियाओं के बाद इसी वर्ष से उत्पादों के निर्यात की प्रभावी योजना है। शीघ्र इसे क्रियान्वित किया जाएगा।

ग्राहकों की संतुष्टि पर फोकस : उच्च क्वालिटी उत्पादों का निर्माण व तय समय में बेहतर डिजाइनिंग व मेंटीनेंस, ग्राहकों की संतुष्टि एवं माउथ पब्लिसिटी ही कंपनी के उत्पादों के प्रचार-प्रचार का प्रमुख जरिया है। धीरज जेठा के अनुसार ग्राहकों को संतुष्ट करने में टीम पूरा फोकस करती है।

सामाजिक सरोकार में भी अग्रणी : महेश जेठा स्वामी रामदेव के स्वदेशी एवं योग मिशन से जुड़े होने के साथ उदयपुर में जिला योग भारत स्वाभिमान के जिला संयोजक हैं। इसके तहत शहर में 55 निशुल्क योग शिक्षा सेंटर जिला प्रशासन के सहयोग से चला रहे हैं। वे समय-समय पर पौधरोपण व सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहते हैं।

टैक्स कम करने की जरूरत : जेठा के अनुसार किचन इक्विपमेंट्स के कुछ उत्पादों पर 28 एवं अन्य पर 18 फीसदी जीएसटी होने एवं कम गुणवत्ता एवं सस्ते चाइनीज उत्पादों के चलते कारोबार प्रभावित हुआ है। सरकार को किचन इक्विपमेंट्स उत्पादों पर कर कम कर दरों को सरलीकरण करने एवं चाइनीज उत्पादों को कंट्रोल करने की जरूरत है। **- मदन पटेल**

गुणवत्ता के साथ नहीं करते समझौता

निर्माण इकाई में बड़े पैमाने पर बेहतर क्वालिटी के उत्पादों के निर्माण, बिक्री, विपणन, उत्पादन प्रबंधक, भंडारण विशेषज्ञ, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, सर्विस आदि के लिए लेटेस्ट मशीनों के साथ विशेषज्ञों की टीम मौजूद है, जो उच्च क्वालिटी उत्पादों को तैयार करने में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं करती है।

जेठा के नाम से बनाया रेडियो भी

वर्ष 1947 में जेठा के नाम से रेडियो निर्माण का कार्य उदयपुर से शुरू किया। इस समय ख्यातनाम कम्पनी फिलिप्स भी रेडियो इम्पोर्ट करती थी।

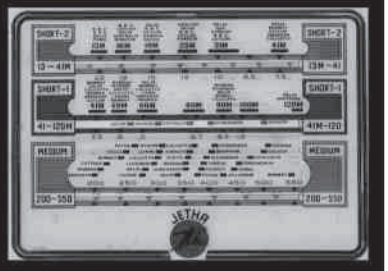

रंग, उल्लास, उमंग के पर्व होली की शुभकामनाएं

Ph.:- 0294-2411501, 2417501 (O)

ताराचंद भगवानदास नाचानी

सोने-चाँदी बुलियन
के व्यापारी

तम्बोलियों की गली, घण्टाघर, उदयपुर (राज.) 313 001

'धरती पुत्र' की मानी तो खेत उगलेंगे 'सोना'

40 वर्षों से खेती की साधना करने वाले भरत भूषण त्यागी ने दी प्रकृति से कदम ताल की सलाह

खेती और घाटे का साथ बिल्कुल चोली-दामन जैसा है। खेती घाटे का सौदा है..., इस पक्ति में किसानों की बेबसी, लाचारी, पीड़ा, वेदनाओं का जखीरा छिपा पड़ा है। ये पक्तियां मुफलिसी में बिताए किसानों के उन पलों की गवाह है, जिन्हें महसूस कर आंसुओं का समंदर भी सूख जाता है। खेती में लागत ज्यादा और मुनाफा कम है। जो पैदावार होती है उसका भी किसानों को सही खरीदार और उचित मूल्य नहीं मिल पाता है। दर्द से कराहते किसानों के लिए 'धरती पुत्र' **भरत भूषण त्यागी** की पांच बातें संजीवनी है।

त्यागी कहते है कि खेती, खासकर जैविक तरीके से कमाई के लिए किसानों को पांच चीजें समझनी जरूरी हैं। पहली- उत्पादन, दूसरी-प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग), तीसरी-प्रमाणीकरण (सर्टीफिकेशन), चौथी -बाजार (मार्केट)। इन चार चीजों के अलावा पांचवां और सबसे अहम कारक है जिसे समझना अति आवश्य हैं और वो है प्रकृति का साथ।

भरत भूषण पिछले 40 वर्षों से किसानी कर रहे हैं। वे एक सफल किसान भी हैं और किसान प्रशिक्षक भी। त्यागी वही शख्सियत हैं, जिन्हें पिछले साल भारत में हुए विश्व जैविक कृषि कुंभ में 'धरती पुत्र' सम्मान से नवाजा गया था। इस साल उन्हें उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने यूपी दिवस पर सम्मानित किया। प्राकृतिक तौर तरीकों से जैविक खेती को लेकर किसानों को प्रशिक्षित करने वाले त्यागी का दावा है, 'मिश्रित और सहफसली खेती करके साल में एक एकड़ से 3 से 4 लाख रुपए कमाए जा सकते हैं।' यानि एक औसत किसान से 4 से गुणा ज्यादा कमाई। देश का एक आम किसान सालभर में एक एकड़ जमीन से मुश्किल से 50 से एक लाख रुपए ही कमा पाता है। कमाई में इतना अंतर कैसे ? ये पूछने पर भरत भूषण बताते है कि 1974 में दिल्ली यूनिवर्सिटी से गणित, भौतिक और रसायन विज्ञान में बीएससी के बाद वे गांव लौटे। और उस दौर में बताए जा रहे तरीकों (उर्वरक और कीटनाशक) के साथ खेती करने लगे लेकिन उससे प्रतिकूल असर दिखने लगा। कुछ दिनों में लागत ज्यादा और मुनाफा कम होने लगा था।'

वे बताते हैं, इसके बाद उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों, जानकारों से मिलना और खेती को समझना शुरू किया, वो जैविक खेती के लौटने का दौर था, जल्द उन्होंने भी समझ लिया कि सेहत, खेत, पर्यावरण के लिए जैविक खेती करनी ही होगी। इसके बाद वे 30 वर्षों से वही कर रहे है। एक साथ कई-कई फसलें मौसम के अनुसार लेते हैं। उर्वरक कीटनाशक आखिरी बार कब खरीदा वे भी उनको याद नहीं है। ऐसा साल के लगभग हर महीने में होता है वो एक ही खेत में कई-कई फसलें एक साथ लेते हैं।

मुफ्त खेती का फलसफा समझा रहे हैं त्यागी

दिल्ली से करीब 100 किमी दूर उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर के बीटा गांव में रहने वाले भरत भूषण त्यागी के पास करीब 50 बीघा यानी 12 एकड़ जमीन है। मौजूदा समय में उनके खेत में अनाज, सब्जी, फल, टिंबर की लकड़ी वाले पौधे, समेत कई 20-25 तरीके की फसलें हैं। ऐसा साल के लगभग हर महीने में होता है वो एक ही खेत में कई-कई फसलें एक साथ लेते हैं। पिछले कुछ वर्षों से किसानों को अपने फार्म हाउस (जिसे वो घर कहते हैं) पर प्रशिक्षण भी देते हैं। एक अनुमान के मुताबिक वो हर महीने 500 से 1000 किसानों को मुफ्त खेती का फलसफा समझाने की कोशिश करते हैं।

खेती हल हांकना ही नहीं शोध जैसा काम है

त्यागी का मानना है कि खासकर जैविक खेती के मामले में किसान को चाहिए पूरी डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) बनाए। खेती हल हांकना मात्र ही नहीं है। ये सही मायने में शोध जैसा कार्य है इसलिए हमें खेती का पूरा लेखा-जोखा रखना चाहिए। किसान को पता होना चाहिए कि खेत में क्या पैदा होने वाला है और जो पैदा होगा वो बेचा कहां जाएगा। किसान को खेती का तरीका बताते हुए वे उसे अपने खेत को तीन जोन में बांटने की सलाह देते हैं। खेत की मेढ़ से लगे चारों ओर के हिस्से को बफर जोन बनाना चाहिए। ये करीब 2 मीटर का होता है। बाउंड्री से सटे इस हिस्से में वो फसलें उगानी चाहिए जो कवच का काम करें। जैसे पशुओं, हवा और बाढ़ के पानी को कुछ हद तक रोककर अंदर

की फसलों की रक्षा करें। इस बफर जोन में जैसे लेमनग्रास, पामारोजा, खस जैसे पौधे लगाने चाहिए। इस दो मीटर के बाद मोटी मेढ़ के आसपास किसान को बकाइन और केले के पौधे लगाने चाहिए। जो किसान और जागरूक हैं वो इसके आसपास सतावर और सर्पगंधा जैसी औषधीय फसलें उगा सकते हैं। जबकि इसके अंदर की जमीन पर प्याज और लहसुन जैसी मौसमी फसलें लेनी चाहिए। इसके बाद बची जमीन के हिस्से में 6 मीटर और तीन मीटर की क्यारियां काटनी हैं। 6 मीटर का वो एरिया है, जिसमें साल में दो फसलें लेनी हैं। जबकि तीन मीटर वाला वो हिस्सा है जहां एक वर्ष से ज्यादा चलने वाली फसलें (जैसे गन्ना और बागवानी) लेनी हैं। ये प्रकिया पूरे खेत में होनी चाहिए। फसल चक्र और मिश्रित फसलों के चलते कुछ वर्षों में उर्वरकों की नहीं रह जाएगी।

खेती की बारीकियां बताते भरतभूषण त्यागी।

देश में बड़े वर्ग की डिमांड अच्छी चीजें

भरत भूषण त्यागी आगे बताते हैं, देश में एक बड़ा वर्ग है जो अपनी सेहत के लिए अच्छी चीजें खाना चाहता है। जब आप सही तरीके से सरलता के साथ खेती करेंगे वो उपभोक्ता खुद आप तक पहुंच जाएंगे। मुझे अपने प्रोडक्ट बेचने में कभी कोई दिक्कत नहीं हुई। मैं कुछ भी ज्यादा नहीं उगाता, अपने जरुरत की हर चीज उगाता हूं, सब्जियां फल रोज पैसे देती हैं तो कुछ फसलें महीने तो बागवानी और टिंबर के पौधे साल में एक-2 साल में पैसे देते हैं, लेकिन वो सामान्य फसलें के मुकाबले कई गुना ज्यादा होता है।

किसानी की 'पाठशाला' में किसानों को पढ़ाते है त्यागी

भरत भूषण कहते है कि-किसान बहुत होशियार है, उसे खेती का ज्यादा ज्ञान देने की जरूरत नहीं है। जरूरत है तो उसकी समझ विकसित करने की। क्योंकि खेती प्रकृति का दिया उपहार है, इसलिए उसे प्रकृति की व्यवस्था समझना बेहद जरूरी है। प्रकृति में एक साथ कई चीजें पैदा होने का नियम है। हम कहीं गेहूं ही गेहूं तो कहीं गन्ना ही गन्ना उगाते हैं। प्रकृति में कीड़े पैदा होने का नियम है तो हम उन्हें मारते क्यों हैं, प्रकृति में खरपतवार होना तय है हम उसे नष्ट क्यों करते हैं। प्रकृति मौसम के साथ चीजें उगाने की इजाजत देती है लेकिन हम बेमौसम चीजें उगाना चाहते हैं, इसलिए कीड़े ज्यादा लगते हैं, खरपतवार होता है। यानि हम प्रकृति का विरोध कर खेती करना चाहते हैं, ये मनुष्य और प्रकृति के बीच युद्ध जैसा है, जितनी जल्दी इसे बंद कर देंगे, खेती कमाई देने लगेगी।' वो खेती के अध्ययन और अभ्यास दोनों को अलग-अलग नजरिए से देखने की वकालत करते हैं। वे कहते हैं, अध्ययन का मतलब प्रकृति की उत्पादन व्यवस्था और अभ्याय का मतलब जलवायु, मौसम, और आबोहवा को देखते हुए खेती करना है। इंजीनियर छोटा सा पुल बनाते हैं तो उसका पूरा खाका तैयार करते हैं, फिर हम किसान क्यों नहीं जमीन, बीज, उत्पादन और मार्केट का पूरा ब्यौरा रखें।

रंग पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

HP GAS

SHYAM GAS CENTRE

जीहाँ!

HP GAS

your friendly gas

Sabji Market, Near Pipli, Ganeshpura, HathipoleUdaipur-313001
Telephone: 0294-2413979, 2421482
Mobile: 9414167979, 9950783379, 9829409860

सिर चढ़कर बोलेगी 'खेल' की खुमारी

इस साल की शुरुआत क्रिकेट में भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे से हुई है, तो अंत विश्व कप हॉकी के साथ होगा, जो दिसंबर के तीसरे सप्ताह में खत्म होगा। यानी 2018 खेलप्रेमियों के लिए बहुत कुछ लेकर आया है। इस साल फुटबाल की खुमारी सिर चढ़कर बोलेगी। टीवी से लेकर खेल मैदान और सड़कों से लेकर चाय की थड़ी पर ब्राजील..., ब्राजील की खुमारी होगी। मेसी या रोनाल्डो... एक बार फिर खेलप्रेमियों के पंसदीदा खिलाड़ी बनेंगे। इस साल दुनिया के सबसे मकबूल खेल का वर्ल्ड कप होने जा रहा है। इसे देखने के लिए सारी दुनिया एक ही जगह जुटेगी। मुकाबले के रोमांचक लम्हों को दुनिया सांसें थामकर और नजर गढ़ाकर देखेगी। यानी यूं कहे रूस गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च करने वाला देश बन जाएगा। आप को बता दें कि हर दो साल पर दो बड़े इवेंट सबसे ज्यादा चर्चा में रहते हैं। इसमें एक बार फुटबॉल का वर्ल्ड कप तो उसके दो साल बाद समर ओलिंपिक्स। अभी तोक्यो ओलिंपिक दो साल दूर हैं। लेकिन अभी बारी फुटबॉल वर्ल्ड कप की है, जो 14 जून से खेला जाना है। पिछली चैंपियन जर्मनी के लिए एक बार फिर खुद को साबित करने का मौका है। वो अब भी वर्ल्ड नंबर वन है। अपने मुल्क में मिली शर्मिंदगी के बाद ब्राजील का मोस्ट ब्यूटीफुल गेम रूस में नजर आएगा या नहीं, यह सवाल 2018 में फुटबॉल प्रेमियों के बीच सबसे ज्यादा चर्चा में रहेगा।

हमारे देश में भी इसका असर

फुटबॉल वर्ल्ड कप भले ही भारत के लिहाज से मतलब न रखता हो, लेकिन हमारे मुल्क में भी इसकी खुमारी का असर देखने को मिलता है। हर बार की तरह अच्छी बात यही होगी कि रात-रात भर जागने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रूस का समय हमसे पीछे है। यानी वहां देर रात होने वाला मैच भी हमारे यहां शाम के वक्त देखे जा सकेंगे। ऐसे में रातें तो जागते हुए नहीं कटेंगी लेकिन शाम के मैचों के लिए ऑफिस से छुट्टी मांगने वालों की तादाद जरूर बढ़ने वाली है।

क्रिकेट में इस साल भारत के लिए चुनौतियां ही चुनौतियां

भारत के लिहाज से क्रिकेट हमेशा सबसे ऊपर रहा है। भले ही इस साल वर्ल्ड कप नहीं होना हो लेकिन यह साल विराट एंड कंपनी के लिए बेहद अहम है। पिछले कुछ समय से टीम लगातार अपने घर में खेल रही थी। इधर दक्षिण अफ्रीका दौरे के साथ हालात बदले हैं। भारत ने विदेशी धरती पर अरसे बाद एकदिवसीय मैचों में अपनी धाक कायम रखी। छह मैचों की वनडे सीरिज के चार मैच जीत कर सीरिज अपने नाम की। वहीं टेस्ट में टीम इंडिया अपना जलवा नहीं दिखा पाई। यह साल दरअसल, विराट की महानता पर स्टैंप लगाने का काम करेगा। चाहे वो बल्लेबाज के तौर पर हो या कप्तान के तौर पर। पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद चार साल मे होने वाले खेलों का भी ये साल है। एशियाड होंगे जकार्ता में और कॉमनवेल्थ खेल होंगे ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में। भले ही कॉमनवेल्थ खेलों के साथ अंग्रेजों की गुलामी का ठप्पा लगा हो, लेकिन खेलों के के लिहाज से ये अहम होते ही हैं। भारत ने भी आठ साल पहले मेजबानी की थी। वही कॉमनवेल्थ खेलों में हमारा श्रेष्ठतम प्रदर्शन था। उससे ऊपर जाएंगे या नहीं, यह सवाल बना रहेगा। संदेह भी बना रहेगा, क्योंकि 101 पदक जीतना फिलहाल मुमकिन नहीं दिख रहा है। लेकिन इसके बाद यानी 2014 में जीते 15 गोल्ड सहित 64 पदकों को पार करना जरूर टारगेट पर होगा।

- जगदीश सालवी

महीना	खेल	चैंपियनशिप	तारीख	जगह
मार्च	शूटिंग	आईएसएसएफ वर्ल्डकप	02 मार्च-12 मार्च	मेक्सिको
	बैडमिंटन	ऑल इंग्लैंड ओपन	14 मार्च-18 मार्च	इंग्लैंड
	क्रिकेट	वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान	29 मार्च-01 अप्रैल	पाकिस्तान
अप्रैल	कॉमनवेल्थ	कॉमनवेल्थ गेम्स	04 अप्रैल-15 अप्रैल	गोल्ड कोस्ट
	शूटिंग	आईएसएसएफ वर्ल्डकप	20 अप्रैल -30 अप्रैल	चांगवोन
	क्रिकेट	आईपीएल	अप्रैल-मई	भारत
मई	टेनिस	फ्रेंच ओपन	27 मई- 10 जून	पेरिस
	शूटिंग	आईएसएसएफ वर्ल्डकअप	04 मई-15 मई	फोर्ट बेनिंग
	शूटिंग	आईएसएसएफ वर्ल्डकप	22 मई-29 मई	म्यूनिख (जर्मनी)
जून	फुटबॉल	फीफा विश्वकप	14 जून-15 जुलाई	रूस
	बैडमिंटन	मलेशिया ओपन	26 जून-02 जुलाई	मलेशिया
जुलाई	टेनिस	विंबलडन	02 जुलाई-15 जुलाई	लंदन
हॉकी	महिला	हॉकी विश्वकप	21 जुलाई- 05 अगस्त	लंदन
	बैडमिंटन	इंडोनेशिया ओपन	03 जुलाई-08 जूलाई	इंडोनेशिया
	बैडमिंटन	वर्ल्ड चैंपियनशिप	30 जुलाई-05 अगस्त	चीन
	क्रिकेट	भारत का इंग्लैंड दौरा	03 जुलाई-11 सितंबर	इंग्लैंड
अगस्त	गेम्स	एशियन गेम्स 2018	18 अगस्त-02 सितंबर	जकार्ता
	शूटिंग	आईएसएसएफ वर्ल्डकप	31 अगस्त 02 सितंबर	चांगवोन
सितंबर	बैडमिंटन	जापान ओपन	11 सितंबर-16 सितंबर	टोक्यो
	बैडमिंटन	चीन ओपन	18 सितंबर-23 सितंबर	बीजिंग
अक्टूबर	रेसलिंग	वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप	22 -28 अक्टूबर	बुडापेस्ट
	बैडमिंटन	डेनमार्क ओपन	16 -22 अक्टूबर	डेनमार्क
	बैडमिंटन	फ्रेंच ओपन	23 -29 अक्टूबर	पेरिस
नवंबर	हॉकी	पुरुष हॉकी वर्ल्डकप	28 नवंबर-16 दिसंबर	भुवनेश्वर
	बैडमिंटन	चाइना मास्टर्स	06 नवंबर-11 नवंबर	चीन

अद्भुत

इंसानों की तरह बोलती है 'व्हेल'

पेरिस। क्या आपको मालूम है कि दुनिया की सबसे बड़ी स्तनधारी जीव व्हेल भी इंसानों की तरह बोल सकती है? वैज्ञानिकों ने एक किलर व्हेल को प्रशिक्षित किया है, वह इंसानों की मिमिक्री करती है। 16 साल की मादा किलर व्हेल 'विकी' इंसानों की आवाज में बोलती है। फ्रांस के एक एक्वेरियम में रहने वाले विकी को इंसानों की भाषा बोलने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसी के चलते वह 'हेलो' और 'बाय-बाय' जैसे शब्दों को दोहराती है। विकी की आवाज को साउंड सॉफ्टवेयर की मदद से जांचा गया तो उसके तीन शब्द इंसानों की आवाज से काफी मेल खा रहे थे। यह पहली बार है कि जब कोई व्हेल इंसानी जैसी आवाज निकाल रही है।

ब्लोहोल का सहारा

किलर व्हेल विकी आवाज निकालने के लिए मुंह के पास बने 'ब्लोहोल' का सहारा लेती है। शोधकर्ताओं ने विकी की आवाज का ऑडियो भी बनाया है। इसमें ट्रेनर हेलो, बाय-बाय और वन-टू-थ्री कह रही है, तो ठीक वैसे ही व्हेल भी दोहराती है।

किडनी स्वस्थ तो शरीर मस्त

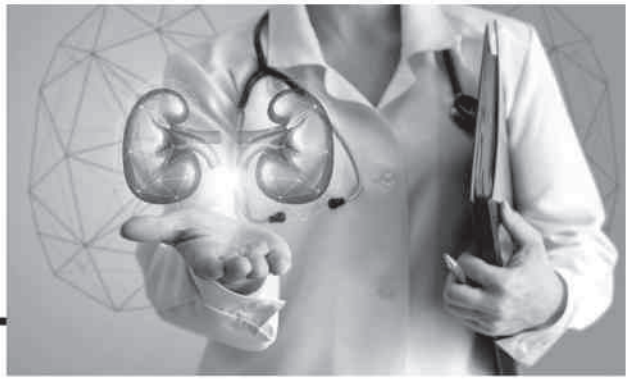

किडनी हमारे शरीर का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। इसका काम शरीर में खून साफ करने और उसके विषैले तत्वों को मूत्र द्वारा बाहर निकालने का है। इसके अतिरिक्त खून में मौजूद पानी को भी किडनी अलग करती है। पानी अधिक पीकर हम किडनी को खराब होने से बचा सकते हैं। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए पानी, उचित पौष्टिक आहार ओर व्यायाम की आवश्यकता होती है। अगर हम इन सब चीजों का पूरा ध्यान रखें तो किडनी स्वस्थ बनी रहेगी। शारीरिक गतिविधियों को सुचारू रखने के लिए इसका स्वस्थ रहना जरूरी है। अगर हम नियमित व्यायाम करते हैं तो भी किडनी सुचारू रूप से काम करेगी।

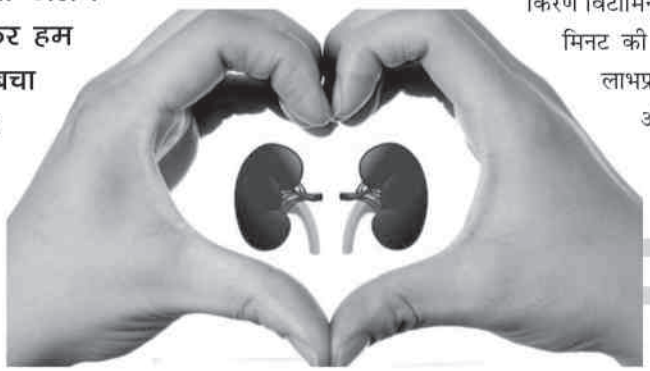

किडनी को स्वस्थ रखने के उपाय

नमक की मात्रा नियंत्रित करें

कम नमक का सेवन दिल, रक्तचाप और किडनी के लिए उचित होता है। अगर हम नमक अधिक लेंगे तो पानी का एकत्रीकरण शरीर में बढ़ जाता है। कम लेने से पानी एकत्रीकरण की समस्या नहीं होती। कम नमक को सेवन किडनी में पथरी बनाने से रोकता है और टांगों की सूजन को भी रोकता है, इसलिए नमक का सेवन नियंत्रित मात्रा में करें।

वजन पर नियंत्रण रखें

मोटापा कई बीमारियों की जड़ है। वजन अधिक होने से रक्तचाप प्रभावित होता है, जिससे किडनी सुचारू रूप से काम नहीं कर सकती। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए वजन पर नियंत्रण रखना जरूरी है ताकि किडनी की बीमारी के खतरे से बचा जा सके।

धूम्रपान न करें

सभी जानते हैं कि धूम्रपान स्वास्थ्य की दृष्टि से खतरनाक है चाहे दिल की बीमारी हो या किडनी की। अगर स्वयं को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो धूम्रपान बन्द कर दें ताकि दिल और किडनी सुचारू रूप से क्रिया करती रहे।

धूप का सेवन जरूरी

विटामिन डी की प्रचुर मात्रा हमें धूप से ही मिल सकती है, क्योंकि सूर्य की किरणें विटामिन डी उत्सर्जित करती हैं। नियमित 10 मिनट की धूप किडनी को स्वस्थ रखने हेतु लाभप्रद होती है। इसके सेवन से कैल्शियम और फॉस्फोरस शरीर में ठीक से अपना कार्य करता है जो किडनी को स्वस्थ रखने में मदद भी करता है।

तनाव से पाएं छुटकारा

तनाव तो शरीर के लिए चिता का काम करता है, इसलिए तनाव को दूर रखें और स्वस्थ रहें। तनावग्रस्त रहने से किडनी पर भी दबाव बढ़ता है जो अस्वस्थ बनाने में मदद करता है। किडनी स्वस्थ रखनी है तो फालतू के तनावों से छुटकारा पाएं।

फलों और सब्जियों का सेवन करें

उन फल सब्जियों का सेवन अधिक करें जिनमें पानी की मात्रा काफी हो और जिनसे शरीर को पानी मिलता रहे। प्राकृतिक चिकित्सा में शरीर को डीटॉक्सीफाई कराया जाता है ताकि शरीर के विषैले तत्व बाहर निकल सके और किडनी की सफाई हो सके।

अस्वस्थ किडनी के लक्षण

- चेहरे एवं पैरों में सूजन, भूख कम लगना, कमजोरी महसूस करना, उलटी की फीलिंग होना।
- थकावट जल्दी होना, शरीर में खून की कमी, हाई ब्लडप्रेशर रहना।

अगर किडनी में स्टोन हो तो

अगर किडनी में स्टोन हो तो दिन में दो बार अजवायन का पानी लें। चुटकी भर अजवायन के दानें लें। उन्हें धोकर 2 से 3 कप पानी में उबालें। इतना उबालें कि पानी का रंग हरा, ब्राउन हो जाए। ठंडा कर उस पानी को दिन में सुबह-शाम पिएं। लाभ मिलेगा।

आहार में धनिया शामिल करें

धनिया किडनी स्टोन की समस्या में लाभप्रद है। इसका सेवन अपने नियमित आहार में करें। किडनी से संबंधित दवाओं में भी धनिये का प्रयोग होता है।

– डॉ. दिलखुश सेठ

With Best Compliments

Ranjana H. Jain
9314204130
proprietor

Samyak Gold

Harish G. Jain
9461397717
M.D.

Mfgs of 916 Hallmark Jewellery
(All Type Jewellery)

18, Ground Floor: Heera Panna Market, Sindhi Bazar, Udaipur-313001
Contact No. 94613 97717, 70231 17717
E-mail: samyak_gold@yahoo.com

Srushti Gold
(Since 2005)
Branch Office: 2nd Floor, 166/168, Room No. 21,
Bhagwan Co-op. Hsg, Society Ltd
Kalbadevi Road, Mumbai-400 002, Cell: +91 9323007717

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

सभी आवश्यक कार्य माह के पूर्वार्द्ध में ही सम्पन्न कर लेवें, माह के उत्तरार्द्ध में व्यय अधिक होगा। बड़ों से मैत्री बना कर रखें। साझेदारी से नुकसान एवं आकस्मिक रोग संभव है। राजकीय मामले में पेचीदगियां बढेंगी, सन्तान पक्ष उत्तम, दाम्पत्य जीवन सामान्य।

वृषभ

व्यवसायिक वार्ताएं सफल रहेंगी और उलझे हुए मामले सुलझेंगे। आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र से भी सन्तुष्टि मिलेगी। साझेदारी लाभप्रद, आय के नये स्रोत बनेंगे। राज्यकर्मियों के लिए पदोन्नति की सम्भावनाएं बनेगी। कोई प्रियजन आहत कर सकता है। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा।

मिथुन

स्थाई सम्पत्ति में विस्तार से भौतिक एवं मानसिक रूप से सबल होंगे। मांगलिक कार्यों में व्यस्तता नयी योजना पर काम शुरू करना चाहते हैं तो समय श्रेष्ठ है। भय की स्थिति से छुटकारा मिलेगा, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, माह के उत्तरार्द्ध में सन्तान से कष्ट संभव, व्यवसायिक गतिविधियां श्रेष्ठ।

कर्क

स्वास्थ्य सम्बधी परेशानियां उभर सकती हैं। भाग्य और आय पक्ष उत्तम है, परन्तु खर्च भी अधिक होगा, सन्तुलन बनाये रखें, जीवन साथी से मतभेद और सन्तान पक्ष से चिन्ता संभव।

सिंह

विरोधी परेशान कर सकते हैं, परिवार में बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता कोई व्यक्तिगत बात या घटना परेशान करेगी एवं आपके कार्य-व्यवसाय को प्रभवित करेगी। माह के पूर्वार्द्ध में ऊर्जावान रहेंगे परन्तु उत्तरार्द्ध खिन्नता प्रदान करेगा। संतान पक्ष सामान्य, बड़े भाई-बहिनों का पूर्ण सहयोग मिलेगा और मनमुटाव समाप्त होंगे।

कन्या

यह माह उत्साहवर्द्धक है। कोई नयी योजना क्रियान्वित हो सकती है, भविष्य के लिए रचनात्मक कार्य कर सकते हैं, स्वास्थ्य उत्तम और जीवन साथी से आमोद-प्रमोद में समय व्यतीत होगा। भाग्य पूर्ण सहयोग करेगा, सन्तान पक्ष के हित की योजना बना सकते हैं। आकस्मिक धन लाभ।

तुला

किसी श्रेष्ठीजन से नवसम्पर्क लाभकारी सिद्ध होगा। व्यवसाय में विस्तार कर सकते हैं। पैतृक सम्पत्ति सम्बन्धी मामले पक्ष में होंगे। स्थान परिवर्तन की सम्भावनाएं बनेगी। आपका व जीवन साथी का स्वास्थ्य उत्तम, सन्तान पक्ष से चिन्ता समाप्त होगी। प्रतिस्पर्धियों से सावधान रहें।

वृश्चिक

माह का पूर्वार्द्ध सुकून देगा, शासकीय मामलों में लाभ, सोचने में समय नष्ट न कर कुछ करें, भाग्य भी साथ देगा। स्वास्थ्य उत्तम, परिवार में आपसी सौहार्द रहेगा, मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा। सन्तान की ओर से खुशखबरी मिलेगी, किसी पर अधिक भरोसा नहीं करे और न ही अपनी योजना को उजागर करे।

धनु

आय पक्ष मजबूत है, परिवार में मांगलिक कार्य की सम्भावना, स्थायित्व के कार्यों पर ज्यादा ध्यान देवें, भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि, अपने से बड़ों से मेलजोल तथा इनके परामर्श से ही सही दिशा प्राप्त होगी, दुविधाओं से छुटकारा मिलेगा, स्वास्थ्य श्रेष्ठ रहे, जीवन साथी का पूर्ण रूप से सहयोग प्राप्त होवे।

मकर

विदेश यात्रा के योग बनेंगे। बाहर ही व्यापार एवं शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं तो समय अनुकूल है लाभ उठायें, वाहनादि का सम्भल कर प्रयोग करें, कर्म क्षेत्र में प्रभावी रूप से कार्यरत रहेंगे, कोई मान-सम्मान एवं पद-प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है। अकारण परेशानी से ग्रस्त रहेंगे एवं इसके कारण स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

कुम्भ

आत्मविश्वास में वृद्धि और हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी। हर कार्य उत्साहपूर्वक करेंगे, नई योजनाओं की शुरुआत, पैतृक लाभ प्राप्त होगा, आय के स्थाई साधन मिलेंगे, विरोधी पक्ष परेशान कर सकता है, कोई शारीरिक समस्या सामने आएगी, साझेदारी में लाभ की सम्भावनाएं।

मीन

कार्य क्षेत्र, व्यापार एवं नौकरी में आ रही बाधाएं दूर होंगी, भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा, श्रृंगार एवं मनोरंजन में समय व्यतीत होगा, कोई भी जोखिम उठा सकते हैं, दूरगामी परिणाम अच्छे रहेंगे। लेन-देन के मामलों में सतर्कता आवश्यक है, परिवार के सहयोग से कार्य करें, श्रेष्ठ परिणाम मिलेंगे।

डेटसन रेडी गो की लॉंचिग

उदयपुर। निसान इण्डिया की बहुप्रतीक्षित गाड़ी डेटसन रेडी गो ऑटोमेटिक 1.0 एचआर ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन मादड़ी इण्डस्ट्रीयल एरिया स्थित अधिकृत डीलर कमल निधि निसान प्रा. लि. पर बिक्री के लिए समारोहपूर्वक उतारी गई। महाप्रबन्धक हेमेन्द्र सिंह पंवार ने बताया कि आधुनिक तकनीक युक्त इस गाड़ी को नए फीचर्स के साथ दो वेरियेंट में उतारा गया है। इसमें 1.0 लीटर का 68 बीएचपी का पावरफुल इंजन लगाया गयाहै। साथ ही 185 एमएम का ग्राउण्ड क्लियरेंस भी दिया गया है। इसके अलावा ऑटोमेटिक ट्रांसमिशन गाड़ी में मेन्यूअल ड्राइविंग मोड़ के साथ ब्लूटूथ कनेक्टिविटी सहित म्यूजिक सिस्टम भी दिया गया है। ग्राहकों की पसंद के मुताबिक रूबी व्हाइट, लाइम, सिल्वर व ग्रे जैसे पांच रंगों में यह उपलब्ध है। गाड़ी पर सर्विस पैकेज की सुविधा के तहत पांच साल या पचास हजार किमी तक फ्री सर्विस, वारंटी और रोड साइड असिस्टेन्ट भी दिया जाता है। गाड़ी की एक्स शोरूम कीमत वर्तमान में 3 लाख 83 हजार 600 रुपए है।

डेटसन कंपनी की नई कार 'रेडी गो' लॉन्च करते महाप्रबन्धक हेमेन्द्र सिंह व अन्य।

छात्र-अभिभावक अभिनंदन

उदयपुर। आर. के. पुरम स्थित द स्कॉलर्स एरिना में गत दिनों शुभकामना समारोह मनाया। मुख्य अतिथि समाजसेवी अनिता साहित्या, सीए विरल न्याती, मुकेश जैन, बी. एल. जैन, प्रशासक डॉ. लोकेश जैन, अकादमिक निदेशक डॉ. माया त्रिवेदी एवं डिग्री कॉलेज प्राचार्या डॉ. सीमा राजपुरोहित थी। प्राचार्य डॉ. शर्मिला जैन ने बताया कि इस अवसर पर छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को पगड़ी, स्मृति चिन्ह और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विद्यार्थियों ने एकल एवं समूह नृत्य की प्रस्तुति दी।

भीलवाड़ा में सोजतिया क्लासेज की ब्रांच

शाखा का शुभारम्भ करते प्रो. रणजीत सिंह सोजतिया, त्रिलोक चन्द्र छाबड़ा, रामपाल सोनी, डॉ. महेन्द्र सोजतिया एवं अन्य।

भीलवाड़ा। उदयपुर की सोजतिया क्लासेज की ब्रांच का भीलवाड़ा के सिंधुनगर में पिछले दिनों सोजतिया ग्रुप ऑफ एजुकेशन के फाउंडेशन प्रोफेसर रणजीत सिंह सोजतिया ने शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि उद्योगपति त्रिलोक चन्द्र छाबड़ा व संगम ग्रुप के अध्यक्ष रामपाल सोनी थे। डायरेक्टर डॉ. महेन्द्र सोजतिया व निर्मल गदिया ने बताया कि यह सोजतिया क्लासेज की चतुर्थ शाखा है। इसमें कॉमर्स एवं कॉम्पिटिशन परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। कार्यक्रम में रीना सोजतिया, डॉ. अनिता सोजतिया, ध्रुव सोजतिया, नेहल सोजतिया, भरत जोशी, डॉ. आशीष श्रीमाली, लक्ष्मण कुमार, अमित, महादेव, पीयूष, रजत खण्डेलवाल, गजेन्द्र पारीक, सिद्धार्थ कावड़िया आदि भी उपस्थित थे।

डॉ. तिवारी का शोध पॉलिसी लेख में शामिल

उदयपुर। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना-मानव विकास एवं पारिवारिक संसाधन की राष्ट्रीय तकनीकी सहायक तथा वैज्ञानिक डॉ. गायत्री तिवारी का शोध-पत्र 'भारत के चयनित राज्यों में ग्रामीण विद्यालयी बालकों के शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण : एक मूल्यांकन' अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'एडवांसेस इन रिसर्च' में पॉलिसी लेख के लिए शामिल किया गया है।

दी उदयपुर महिला अरबन कॉपरेटिव बैंक की सातवीं शाखा का शुभारंभ

उदयपुर। दी उदयपुर महिला अरबन कोऑपरेटिव लि. उदयपुर की 7वीं शाखा का शुभारंभ फतहपुरा-साइफन चौराहा पर बैंक की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा सिंह ने किया। विशेष अतिथि डॉ. कला मूणोत, श्रीमती मंजू माण्डोत, एस.सी अजमेरा, अतिरिक्त रजिस्टार पी.पी. माण्डोत थे। आयोजन में बैंक के वर्तमान एवं पूर्व संचालकगण तथा बड़ी तादाद में गणमान्य अतिथियों ने शिरकत की। शाखा शुभारंभ के प्रथम दिन ही 100 खाते खोले गए। नयी शाखा में सभी तरह की बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

तीन छात्रों को डॉ. दईया फैलोशिप

उदयपुर। जेआर नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के उदयपुर स्कूल ऑफ सोश्यल वर्क में गत दिनों आगे की पढ़ाई के लिए जरूरतमंद तीन छात्रों को डॉ. पूनम-कृष्णा दईया फैलोशिप 2018 प्रदान की गई। ये तीनों छात्र विशाल प्रजापत, देवेन्द्र सालवी, व शुभम् इसी कॉलेज में अध्ययनरत हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत थे। डॉ. सुनील दईया ने अब तक प्रदत्त फैलोशिप की जानकारीचौधरी ने किया। दी। संचालन डॉ. सुनील चौधरी ने किया।

पं. जेआर शर्मा स्मृति समारोह

उदयपुर। झाड़ोल जैसे पिछड़े क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने वाले राजस्थान बाल कल्याण समिति के संस्थापक पं. जीवतराम शर्मा की द्वितीय पुण्यतिथि पर झाड़ोल मुख्यालय पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि कार्यक्रम संत समागम, भजन संध्या तथा अखण्ड रामायण पाठ के साथ सम्पन्न हुआ। प्रार्थना सभा में संस्था सचिव गिरजाशंकर शर्मा ने पण्डितजी के जीवन से जुड़े प्रसंगों की जानकारी दी।

स्टेशन प्रबंधक सहित 18 कर्मचारी सम्मानित

सुगनचंद वर्मा

संजय भारतीय

उदयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल मुयालय में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उदयपुर स्टेशन प्रबंधक सुगनचंद वर्मा व अधीक्षक संजय भारतीय सहित 18 कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। यह पहला अवसर था जब समूचे मंडल के स्टेशनों में से एक ही स्थान के 18 कर्मचारियों को सम्मान मिला।

मानव नीति आयोग की समिति में सदस्य

उदयपुर। समाज के विभिन्न क्षेत्रों और वर्गों के विकास व संरक्षण के लिए मार्गदर्शन, लाभकारी योजनाओं-परियोजनाओं के निर्धारण एवं कार्यान्वयन में सहयोग देने के लिए भारत सरकार के नीति आयोग के स्वयंसेवी कार्यक्रम प्रकोष्ठ द्वारा हाल ही में गठित कार्यकारी समिति में नारायण सेवा संस्थान के फाउण्डर-चेयरमैन कैलाश 'मानव' को दो वर्ष की अवधि के लिए सदस्य मनोनीत किया गया है। आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे। समिति का कार्य स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, बालश्रम, बंधुआ श्रमिक, महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा, दिव्यांगों की चिकित्सा, शिक्षण-प्रशिक्षण व पुनर्वास वृद्धों की देखभाल कौशल विकास और व्यावसायिक प्रशिक्षण, पर्यावरण संरक्षण, महिला एवं बाल विकास सहित नागरिकों के बेहतर जीवन और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए मूलभूत सुविधाएं एवं आधारभूत संरचना को लेकर सलाह देना होगा।

नवनीत मोटर्स पर मारुति सुजुकी की थर्ड जेनरेशन स्विफ्ट लॉन्च

उदयपुर। देश की अग्रणी ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी की ओर से न्यू जनरेशन स्विफ्ट कार नवनीत मोटर्स शोरूम पर लॉन्च की गई। शोरूम के रीजनल मैनेजर आर. पी. गुप्ता ने कार को लॉन्च किया। इस अवसर पर मारुति सुजुकी के एरिया मैनेजर निखिल, डीलरशिप के मैनेजिंग डायरेक्टर एलएन माथुर, जनरल मैनेजर मोहम्मद खान, डायरेक्टर प्रियांक माथुर व नवनीत मोटर्स की टीम उपस्थित थी। कार को 12 वेरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। जिसमें पेट्रोल व डीजल के साथ ऑटोमैटिक गियर शिफ्ट वेरिएंट भी शामिल हैं।

लोटस हाईटेक की वड़ोदरा में शाखा

उदयपुर। प्री-इंजीनियरिंग बिल्डिंग कंपनी लोटस हाईटेक इंडस्ट्रीज ने

उदयपुर के मादड़ी औद्योगिक क्षेत्र स्थित मुख्य कार्यालय पर विश्वकर्मा जयंती पर कंपनी का स्थापना दिवस मनाया। इसी दिन ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने के लिए वडोदरा (गुजरात) में एक नई शाखा भी शुरू की गई। शुभारंभ मुख्य अतिथि विजया बैंक के महाप्रबंधक मनोज वर्डिया ने किया। कंपनी की प्रबंधक भानुप्रिया जैन ने बताया कि वर्डिया ने कंपनी के प्रबंधक निदेशक प्रवीण सुथार के बेहतर प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि प्री-इंजीनियरिंग बिल्डिंग के क्षेत्र में लोट्स हाईटेक की यात्रा प्रेरणादायक है। उल्लेखनीय है कि लोट्स हाईटेक कंपनी ने वर्ष 2007 से देश-प्रदेश के ग्राहकों को उच्च क्वालिटी के इंडस्ट्रीयल सोल्यूशन उपलब्ध करवाकर प्री इंजीनियरिंग बिल्डिंग क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।

सर्वे में मिला फोर्टिस सबसे स्वच्छ

उदयपुर। नगर निगम उदयपुर के स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न श्रेणियों में किये गये सर्वे में फोर्टिस जेके हॉस्पिटल को स्वच्छता के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के तहत नगर निगम, उदयपुर ने शहर के हॉस्पिटलों का सर्वे किया। इसमें सबसे स्वच्छ हॉस्पिटल के रूप में फोर्टिस को पाया। फोर्टिस जेके हॉस्पिटल के फेसिलिटी डायरेक्टर गुरविन्दर सिंह आकाश ने बताया कि हॉस्पिटल में स्वच्छता को लेकर विशेष स्थान दिया जाता है।

डॉ. स्वीटी सम्मानित

डॉ. स्वीटी छाबड़ा को सम्मानित करते हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ सुनील दुग्गल।

उदयपुर। दृष्टि फाउण्डेशन की ओर से महिला सशक्तिकरण एवं महिला रोजगार क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य पर सृजन द स्पार्क की ओर से एनआईसीसी की डॉ. स्वीटी छाबड़ा को सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान हिजिलि के सीईओ सुनील दुग्गल एवं वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रसन्न कुमार खमेसरा ने प्रदान किया। छाबड़ा को रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा वर्ष 2016 में वोकेशनल अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

नारायण शर्मा सम्मानित

उदयपुर। गणतंत्र दिवस पर हिन्दुस्तान जिंक लि. केन्द्रीय कार्यालय श्रमिक संघ के आर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर नारायण शर्मा को कम्पनी के मुख्य कार्याधिकारी सुनील दुग्गल एन. के. सिंघल, क्षेषा गुवा, एम. के. लोढ़ा व महामंत्री हिन्दुस्तान जिंक लि. फेडरेशन द्वारा यशद भवन में सम्मानित किया गया।

डॉ. यशवन्त कोठारी सम्मानित

उदयपुर। तुलसी निकेतन समिति के संस्थापक-सचिव एवं प्रमुख समाजसेवी डॉ. यशवन्त कोठारी(75) का शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए तुलसी निकेतन में सम्मान किया गया। देवस्थान विभाग के अतिरिक्त कमिश्नर दिनेश कोठारी की अध्यक्षता में गणेश डागलिया, अरुण कोठारी, सवाईलाल पोखरना, जवेरचन्द जैन, मनमोहनराज सिंघवी, कस्तूरचंद सिंघवी, भंवरलाल डागलिया, सुशील दशोरा, बी. एल. मेनारिया एवं प्रकाश बाबेल ने उन्हें शॉल एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया। तुलसी निकेतन के अध्यक्ष गणेश डागलिया ने डॉ. कोठारी की सोच एवं सेवाओं के बारे में कहा कि इस संस्था के मानद सचिव एवं स्कूल के चेयरमैन डॉ. कोठारी उम्र के इस पड़ाव में भी मन्द बुद्धि एवं बधिर विद्यालय, रोटरी क्लब सहित कई संस्थाओं के माध्यम से किसानों, गरीबों, नि:शक्त एवं वंचितों के कल्याण के लिये कार्य कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ. कोठारी सन् 1969 से अन्तर्राष्ट्रीय रोटरी क्लब से जुड़े रहकर इसके अध्यक्ष एवं प्रान्त गवर्नर भी रहे। रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय ने 1994-1997 में पोलियो

डॉ. कोठारी का सम्मान करते गणेश डागलिया, पंडित लक्ष्मीनारायण गौड़, अरुण कोठारी एवं अन्य।

उन्मूलन जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में इन्हें दिल्ली, मध्यप्रदेश, गुजरात एवं राजस्थान प्रान्त का संयोजक मनोनीत किया और 'थानचन्द स्वर्ण पदक','सर्विस अबव सेल्फ अवार्ड' एवं 'शताब्दी पुरुष सम्मान' जैसे अलंकरणों से नवाजा। नई दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय पोलियो मुक्ति सम्मेलन-2014 में इन्हें राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने राष्ट्रीय पोलियो सम्मान अवार्ड प्रदान किया।

यूयूसीबी को मिला देश में दूसरा स्थान

उदयपुर। उदयपुर के प्रमुख सहकारी बैंक दी उदयपुर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड(यूयूसीबी) ने 751 से 1000 करोड़ रुपए के कुल व्यापार वर्ग में सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर देश के सहकारी बैंकों में दूसरा स्थान हासिल किया है। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिराज अहमद कत्थावाला ने बताया कि इस श्रेणी में देश के 2000 से अधिक सहकारी बैंकों में से 500 बैंकों ने अपना नामांकन दाखिल किया था। जिनमें से यूयूसीबी को दूसरा-गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त हुआ। उन्होंने बताया कि पिछले दिनों हैदराबाद के होटल नोवोटेल में आयोजित 'बांको' पुरस्कार समारोह में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मोहम्मद मेहमूद अली से इस उपलब्धि पर बैंक की ओर से कुरेश टिनवाला और कुतुबुद्दीन शेख ने पुरस्कार प्राप्त किया। कत्थावाला ने बैंक को मिले पुरस्कार को बैंक के ग्राहकों को समर्पित करते हुए कहा कि ग्राहकों की बदौलत बैंक आज इस मुकाम तक पहुंचा है। यह भी स्पष्ट किया कि बैंकों में आई आधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने में बैंक कभी पीछे नहीं रहा। बैंक के अध्यक्ष फिदा हुसैन सफी ने बताया कि

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री से पुरस्कार प्राप्त करते कुरेश टिनवाला एवं कुतुबुद्दीन शेख।

बैंक अपने ग्राहकों को अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करने की चेष्टा करता रहा है। जिसमें सिर्फ भारतीय ग्राहक ही नहीं बल्कि एनआरआई ग्राहक भी शामिल हैं। नई प्रणाली के अनुकूल बैंकिंग उत्पादों से बैंक अपने ग्राहकों की आवश्यकताएं पूरी करेगा और उन्हें हर प्रकार की सुविधाएं भी देगा।

रोबोट ने गाए गीत, नृत्य भी किया

उदयपुर। महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों के सृजनात्मकता उन्नयन के उद्देश्य से रोबोटिक लेब स्थापित की गई है। जिसमें रोबोट नीनो एवं इससे संबंधित प्रायोगिक उपकरण उपलब्ध है। सिरेना टेक्नोलॉजी के सीईओ हरिहरन बोजन ने लेब का उद्घाटन किया। रोबोट का परिचय देते हुए उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी योजना में विद्यार्थियों को कई प्रकार के नवाचार तथा प्रयोग के विचार उत्प्रेरित होंगे तथा अपने विचारों को तकनीकी रूप से मूर्त कर सकेंगे। विद्यार्थियों से संवाद करते हुए बोजन ने उनकी जिज्ञासाओं को भी शांत किया। रोबोट नीनो ने देशभक्ति के गीत सुनाए और नृत्य भी किया।

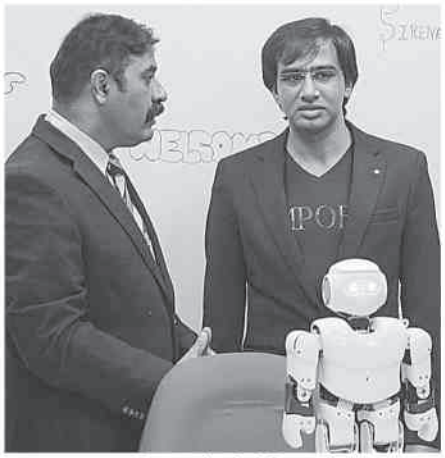

एमएमपीएस में रोबोटिक लेब का उद्घाटन करते सिरेना टेक्नोलॉजी के सीईओ हरिहरन बोजन।

गर्भाशय कैंसर के इलाज में रियायत

उदयपुर। सरकार के बजट एजेंडा में कैंसर से होने वाली महिला मृत्यु दर को कम करना शामिल ही नहीं है, जबकि पड़ोसी देश भूटान में सरकार हर महिला का वैक्सीनेशन करवाती है। यह जानकारी जीबीएच ग्रुप के चेयरमैन डॉ. कीर्ति जैन ने जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल में इम्यूनाइजेशन सेंटर की शुरुआत पर कही। उन्होंने कहा कि जीबीएच महिलाओं में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के इलाज में रियायत देगा। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनन्द झा ने बताया कि डब्ल्यूएचओ के सहयोग से जीबीएच मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल पीड़ित महिलाओं का उपचार करेगा। इसमें परामर्श पर पचास प्रतिशत और 3 डीसीआरटी, आईएमआरटी, आईजीआरटी पर 25 प्रतिशत तक छूट रहेगी। कैंसर सर्जन डॉ. गरिमा मेहता ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषण कैंसर को बढ़ावा देने का बड़ा कारण है।

आदित्य को कॉमर्स विजार्ड में प्रथम रैंक

उदयपुर। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित कॉमर्स विजार्ड परीक्षा में उदयपुर के विद्यार्थियों ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बड़ाला क्लासेज के निदेशक सीए राहुल बडाला ने बताया कि संस्थान के विद्यार्थी आदित्य सिंघल ने देश में प्रथम रैंक हासिल की। बड़ाला क्लासेज के निदेशक सीएमए सौरभ बड़ाला व सीए निशान्त बड़ाला ने बताया कि महाराणा मेवाड़ पब्लिक स्कूल के विद्यार्थी आदित्य को 4 फरवरी को दिल्ली में होने वाले समारोह में 75000 का नकद पुरस्कार दिया गया।

महाराणा भूपाल सिंह जयंती समारोह : विभूतियों का सम्मान

उदयपुर। मेवाड़ महाराणा भूपाल सिंह की 134वीं जयन्ती पर भूपाल नोबल्स संस्थान व लोकजन सेवा संस्थान की ओर से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए व विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर मेवाड़ को गौरवान्वित करने वालों का सम्मान किया।

भूपाल नोबल्स संस्थान के प्रताप चौक में 11 फरवरी को मुख्य अतिथि एवं संस्थान के प्रधान संरक्षक महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने कहा कि धर्म के सिद्धान्तों और प्रकृति के नियमों का पालन करके ही प्रगति का द्वार खोला जा सकता है। विद्या प्रचारिणी सभा के मंत्री प्रो. महेन्द्र सिंह आगरिया ने संस्था का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। महेन्द्र सिंह मेवाड़ ने अकादमिक एवं खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय उपलब्धियों के लिए संस्थान के विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर कार्यवाहक अध्यक्ष गुणवन्त सिंह झाला, उपाध्यक्ष प्रो. जीवन सिंह जामोली एवं भैरूसिंह चौहान, संयुक्त मंत्री, शक्तिसिंह कारोही, प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़, प्रो. दरियाव सिंह चूंडावत आदि भी उपस्थित थे। लोकजन सेवा संस्थान की ओर से

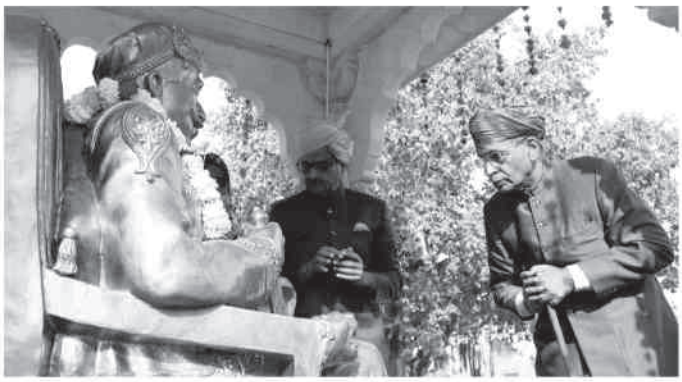

त्रिदिवसीय आयोजन हुए। प्रथम दिन गायत्री यज्ञ हुआ। संस्थापक महासचिव जयकिशन चौबे के अनुसार 12 फरवरी को वनस्थली विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आदित्य शास्त्री के मुख्य आतिथ्य में आयोजित समारोह में विविध क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाली 28 विभूतियों को सम्मानित किया गया।

रॉकवुड्स स्कूल को दो अवार्ड

आशीष भटनागर सर्वश्रेष्ठ स्कूल एवं सर्वोत्तम प्रधानाचार्य का अवार्ड प्राप्त करते।

उदयपुर। सेंटर फॉर एजुकेशनल डवलपमेंट द्वारा नई दिल्ली में हाल ही में आयोजित दो दिवसीय प्रिंसिपल, निदेशक और स्कूल-लीडर्स के लिए अंतरराष्ट्रीय शैक्षिक सम्मेलन में चित्रकूट नगर स्थित रॉकवुड्स इंटरनेशनल स्कूल ने दो अलग-अलग श्रेणियों में अवार्ड जीते। रॉकवुड्स इंटरनेशनल स्कूल को नवीन, व्यवहारिक, तनाव मुक्त एवं आधुनिक तरीके से शिक्षा प्रदान करने के लिए अभिनव प्रथाओं के लिए सर्वश्रेष्ठ स्कूल से सम्मानित किया गया। साथ ही प्रधानाचार्य आशीष भटनागर को भी इनके बेहतरीन कार्य के लिए सर्वोत्तम प्रगतिशील प्रिंसिपल से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार सीबीएसई के पूर्व डायरेक्टर जी. बालासुब्रमणियम ने प्रदान किए।

गीतांजली की सेवाएं अब शहर के मध्य

सिटी सेन्टर का उद्घाटन करते डॉ. आर. के. नाहर, निदेशक अंकित अग्रवाल एवं अन्य।

उदयपुर। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल उदयपुर के सिटी सेंटर का उद्घाटन 5 फरवरी को भट्ट जी की बाड़ी में डॉ. आर. के. नाहर, वाइस चांसलर गीतांजली यूनिवर्सिटी व अंकित अग्रवाल, कार्यकारी निदेशक गीतांजली ग्रुप ने किया। इस अवसर पर गीतांजली मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. एफ एस मेहता, चिकित्सालय अधीक्षक, डॉ. नरेन्द्र मोगरा एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. किशोर पुजारी भी उपस्थित थे। इस सेंटर पर न्यूरोलोजी, न्यूरो सर्जरी, कार्डियोलोजी, नेफ्रोलोजी, गेस्ट्रोएंटरोलोजी, न्यूरो एवं वेसक्यूलर इंटरवेंशनल रेडियोलोजी, नवजात शिशु रोग, स्त्री व प्रसूति रोग, चर्म व गुप्त रोग, बाल व शिशु रोग, पलमोनोलोजी, अस्थि व ज्वाइंट रिप्लेसमेंट आदि के परामर्श, सामान्य जांचें एवं दवाइयां नियमित रूप से उपलब्ध होंगी।

शोक समाचार

विधायक चौहान का निधन

नाथद्वारा। क्षेत्रीय विधायक कल्याण सिंह चौहान(58) का 21 फरवरी 2018 को उदयपुर के एक निजी चिकित्सालय में देहांत हो गया। वे पिछले दो साल से भोजन की नली में कैंसर से पीड़ित थे। उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव डगवाड़ा में हुआ। मुखाग्नि उनके बड़े बेटे योगेन्द्र सिंह ने दी। उन्हें श्रद्धांजलि देने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल सहित कांग्रेस-भाजपा के वरिष्ठ नेता पहुंचे। वे 2003 में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए। सन् 2008 के विस चुनाव में उन्होंने तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी को एक मत से हराकर 'वोट' की अहमियत का सारे देश को संदेश दिया था। डॉ. सी. पी. जोशी के साथ उन्होंने वर्षों तक कांग्रेस में कार्य किया। फरवरी के दूसरे सप्ताह में डॉ. जोशी ने उदयपुर आकर अस्पताल में मित्र चौहान से मुलाकात की थी और डॉक्टरों से उनके स्वास्थ्य की जानकारी भी ली। चौहान 2013 में दूसरी बार विधायक चुने गए। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी कल्पना कंवर, चार पुत्र व दो पुत्रियों सहित सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

डूंगरपुर। स्व. श्री मातादीन जी गुप्ता की धर्मपत्नी श्रीमती संतोष देवी जी का 23 जनवरी 2018 को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे पुत्र के. के. गुप्ता(सभापति, नगर परिषद्), घनश्याम गुप्ता व जिनेन्द्र गुप्ता, पुत्रियां सुशीला दुदानी व ज्योति गोयल सहित पौत्र-पौत्रियों तथा दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी सहित विभिन्न राजनैतिक दलों के कार्यकर्त्ताओं ने शोक व्यक्त किया है।

नाथद्वारा। श्रीनाथ ट्रावेल एजेन्सी के संस्थापक एवं समाजसेवी श्री मदनलाल जी काबरा(75) का 2 फरवरी, 2018 को देवलोकगमन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती कमला देवी, पुत्र प्रकाश काबरा तथा भाई-भतीजों का वृहद एवं सम्पन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. कल्याण सिंह राव के पिताश्री ठा. सवाई सिंह जी राव (ठि. रावमादड़ा) का 12 फरवरी को निधन हो गया। वे अपने पीछे धर्मपत्नी श्रीमती भागवन्त कंवर तथा पौत्र-पौत्रयों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। डा. अनुज शर्मा एवं नीता शर्मा की मातुश्री श्रीमती प्रभादेवी शर्मा(धर्मपत्नी स्व. विष्णुलाल जी शर्मा) का 9 फरवरी 2018 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र व पुत्री सहित पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्रीमती निर्मला श्रीमाली धर्मपत्नी श्री सत्यनारायण श्रीमाली(सेमा) का 20 जनवरी 2018 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति सहित पुत्र श्याम त्रिवेदी व पुत्रियां दीपिका, प्रमिला तथा माया देवी एवं उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

तकनीक

इन्सानों में लगेंगे रोबोट के अंग

लंदन। रोबोट तकनीक के एक विशेषज्ञ ने दावा किया है कि आने वाले 50 से 100 साल में शरीर के हर हिस्से को रोबोट के अंगों से बदला जा सकेगा यानी इंसान मशीन में तब्दील हो सकेगा। संभव है कि रोबोट काल में इंसान खुद 'सुपरह्यूमन' बन जाए।

रोबोटिक तकनीक के जानकार क्रिस मिडलटन का मानना है कि 2070 तक हमारा पूरा शरीर रोबोट के अंगों से बदला जा सकेगा। वह समय दूर नहीं है जब लोग अपने शरीर के किसी हिस्से को बदलने के लिए आधुनिक मशीनें खरीदेंगे जो उन्हें आम इंसान से ज्यादा ताकतवर बनाएंगी। क्रिस का कहना है कि अगले 50 सालों में इंसान का शरीर बदला जा सकेगा या आधुनिक मशीनों के जरिये अपग्रेड किया जा सकेगा।

इंसान रोबोट समाज पर मंथन

क्रिस मिडलटन रोबोटिक और कृत्रिम ज्ञान तकनीक (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को लेकर अक्सर बताते रहते हैं कि कैसे आने वाले समय में वो इंसान के साथ रहेंगे और किस तरह से इंसानी समाज का निर्माण होगा। ऐसा भी हो सकता है कि आगे चलकर कई लोग इस तकनीक को नकार दें। इससे पहले माइक्रोसॉफ्ट में काम करने वाले दो विशेषज्ञों ने कहा था रोबोटिक तकनीक के विस्तार से इंसानों के समाज पर खतरा मंडरा सकता है। इन मशीनों पर ऐसे नियंत्रण लगाने होंगे जिससे ये इंसानी समाज, लोगों की इच्छाओं से छेड़छाड़

"श्री आदिनाथाय नमः"

शत् शत् नमन

Rishabh Jain

JAI-MEWAR

TOURIST AGENCY

An ISO 9001:2008 Certified Company

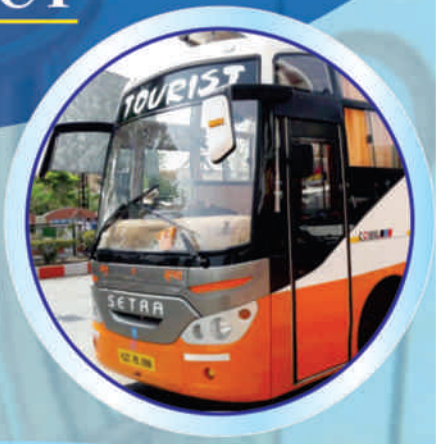

Contractor,
Trave Agents & Tour
Operator of A.C. Luxury Coaches
& Mini Coaches, Tempo Travellers
Tavera, Innova, Luxury Cars etc. &
Hotel Reservations for Group Tours,
Packages, L.T.C./L.F.C. All India Tours,
Marriages, Picnics etc. Passport
& Visa Assistance

(O) #0294-2485289, 3258999
+91 9414161999, (R) # 0294-2485669
jainmewar999@rediffmail.com
www.jaimewartravels.com

15, City Station Road, Nr. Hotel Pathik, Udaipur (Raj.) 313 001

Jayantilal Jain
98290 40108
90019 94464

Arvind Jain
94141 59696
90019 94465

Anil Jain
94141 59791
90019 94466

LAKE CITY™
COOKING OIL

अंकुश™
फिल्टर्ड मूंगफली तेल

JJ GROUP
BR OILS PVT. LTD.
विश्वास आपका पहचान हमारी
Since 1969

BHANWARLAL RANGLAL OILS PVT. LTD.

DEALS IN ALL EDIBLE OIL, PURE GHEE & SHAKTIBHOG ATTA

H.O.: 35 Krishi Mandi, Udaipur (Raj.) Ph. : 0294-2488696, 2483710, 2489696
Customer Care : 0294-2488696 • **E-mail :** broilsudr@gmail.com • yashjjc@yahoo.in

J. B. and Company
70, Krishi Mandi, Udaipur (Raj.)
M.: 9001994465, 9001994466

SISTER CONCERN

J. J. and Company
Krishi Mandi, Udaipur (Raj.)
Ph. : 0294-2483710

कस्तूरबा मातृ मन्दिरः
डॉ. आत्मप्रकाश भाटी हॉस्पिटल

देहलीगेट बाहर, उदयपुर (राज.) फोन नं. 0294-2411050
Website :https://kbmmdrapbhatihospital.com
Email : kasturbamm67@gmail.com

हमारी विशेषता - कम से कम पैसा - आवश्यक चिकित्सा एवं स्वच्छता।

योग्य और अनुभवी स्त्री रोग विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आधुनिक एवं उत्तम चिकित्सा सेवाएं

- IUI-IVF की सुविधा।
- सभी महिलाओं से संबंधित बीमारियों का उपचार एवं ऑपरेशन जैसे बच्चेदानी निकालना, बच्चेदानी से रक्तस्त्राव, बच्चेदानी की गाँठ आदि।
- डिलीवरी (प्रसूति व स्त्री रोग) चिकित्सा एवं सिजेरियन ऑपरेशन।
- परिवार नियोजन से संबंधित महिला नसबंदी की सुविधा।
- नि:संतान स्त्रियों की उचित जाँच एवं इलाज की उत्तम व्यवस्था।
- शिशु रोग विशेषज्ञ की सेवाएँ।
- प्रयोगशाला संबंधी जाँच की सुविधा ।
- सोनोग्राफी की सुविधा।
- भर्ती हेतु जनरल वार्ड एवं प्राइवेट वार्ड की सुविधा उपलब्ध।
- एम्बुलेन्स सुविधा।

दांत के रोगों के इलाज की सुविधा।

- दॉतों में दर्द व ठंडा गर्म लगना
- रुट केनाल (RCT) द्वारा सड़े दांतों का इलाज।
- डिजिटल कम्प्यूटर एक्सरे (ट्ठ)
- दर्द रहित दांत व दाढ़ निकवालने की सुविधा
- नई बत्तीसी लगाने की सुविधा एवं सभी प्रकार के दांत लगाना।(Fixed & Removable)
- बच्चों में विभिन्न प्रकार के दन्त रोगों का बचाव एवं इलाज
- कॉस्मेटिक डेन्टिस्ट्री की विशेष सुविधा।
- आधुनिक तकनीक एवं मेटेरियल (CERAMIC) द्वारा कैपिंग, ब्रिज की सुविधा।
- टेढ़े-मेढ़े दांतों का इलाज।
- अक्ल दाढ़, जबड़ों एवं फेक्चर का इलाज।
- दांतों का पीलापन दूर करना।
- सभी प्रकार के दांतों में फीलिंग (FILLING) आदि।

बेसिक बॉडी प्रोफाइल में 44 जांचें निम्नलिखित है

1. ब्लड शुगर जांच - 02
2. लिपिड प्रोफाइल जांच - 10
3. लीवर संबंधी जांच - 09
4. रिनल संबंधी जांच - 03
5. मूत्र संबंधी जांच - 05
6. सम्पूर्ण खून (रक्त) संबंधी जांच (सी.बी.सी.) - 20

कुल जांचें - 44

पी.आई.एम.एस. हॉस्पिटल, उमरड़ा, उदयपुर

PIMS पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज

कान, नाक एवं गला रोग विभाग

डॉ. विक्रम सिंह राठौड़

एम.बी.बी.एस., एम.एस. (ईएनटी) गोल्ड मेडिलिस्ट
(कन्सलटेन्ट ईएनटी सर्जन)
ईएनटी विभाग
पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइसेज

पूर्वानुभव–भाभा होस्पिटल, मुम्बई
पी.डी. हिन्दुजा नेशनल होस्पिटल, मुम्बई

सुविधाएं

- दूरबीन द्वारा कान के ऑपरेशन
- दूरबीन द्वारा नाक एवं साईनस का ऑपरेशन
- दूरबीन द्वारा ऑख के नासूर का ऑपरेशन
- Microlaryngoscopic Surgery
- TONSILS एवं ADENOIDS के ऑपरेशन
- Thyroid के ऑपरेशन
- PAROTID GLAND एवं SUBMANDIBULAR GLAND के ऑपरेशन
- मुंख एवं गले के कैंसर की जॉच की सुविधा
- कान की मशीन द्वारा सुनाई की जॉच
- SPEECH THERAPY की सुविधा
- बच्चों के गले से सिक्के एवं अन्य वस्तु फंसने पर दूरबीन से निकालने की सुविधा उपलब्ध है।

ICU • ICCU • PICU • NICU • SICU • BURN ICU

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना

भामाशाह स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत 3 लाख तक का नि:शुल्क उपचार

कैशलेस सुविधा | तुरन्त भर्ती एवं जॉच | तुरन्त उपचार | नि:शुल्क दवाईयाँ

सेवाओं में विस्तार के साथ निम्न इंश्योरेन्स कम्पनियों हेतू टी.पी.ए. विपुल मेड कोर्प द्वारा अधिकृत संस्थान

नेशनल इन्श्योरेन्स National Insurance | IFFCO-TOKIO GENERAL INSURANCE | Apollo Munich HEALTH INSURANCE | bharti AXA general insurance | Universal Sompo General Insurance Co. Ltd. | RELIANCE General Insurance | HDFC ERGO | Max Bupa Health Insurance | ICICI Lombard GENERAL INSURANCE

साई तिरूपति यूनिवर्सिटी
उदयपुर

पेसिफिक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज	MBBS	0294-3010000, 9587890082
वेन्केटेश्वर कॉलेज ऑफ नर्सिंग	B.Sc., M.Sc.	0294-3010015, 9587890063
वेन्केटेश्वर स्कूल ऑफ नर्सिंग	GNM	0294-3010015, 9587890063
वेन्केटेश्वर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी	D. Pharma	0294-3010015, 9587890082

अम्बुआ रोड, ग्राम-उमरड़ा, तहसील: गीर्वा, उदयपुर (राज.)
+91-294-3010000, +91-9587890122, +91-8696440666